हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

'अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव च'

धनबाद व रांची से एक साथ प्रकाशित

धनबाद, मंगलवार 31 मार्च, 2026, वर्ष: 35 अंक : 07, मूल्य: 3 रूपए

www.koylanchalsamvad.com

हेमन्त सोरेन ने असम में झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ बनाई रणनीति

पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा, दिया जीत का मंत्र

रांची(ईएमएस)।असम विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से सोमवार को असम के डिब्रूगढ़ में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में असम के विभिन्न क्षेत्रों से आए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में असम के आदिवासी, शोषित और वंचित समाज बहुल क्षेत्रों में पार्टी की जमीनी पकड़ मजबूत करने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए क्षेत्रवार रणनीतिक योजना और जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। सोरेन ने स्पष्ट किया कि झामुमो हमेशा से शोषित, वंचित और क्षेत्रीय पहचान की रक्षा करने वाली पार्टी रही है और यही विचारधारा असम में भी पार्टी का आधार बनेगी।बैठक के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों ने आगामी चुनावों में पूरी प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकजुटता के साथ मैदान में उतरने का सामूहिक संकल्प लिया। संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार साझा करते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए रोडमैप प्रस्तुत किया। बैठक मंत्री चमरा लिंडा समेत झामुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय पहचान पर जोर

बैठक को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने स्पष्ट किया कि असम में झामुमो की लड़ाई सिर्फ सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं है.
उन्होंने कहा झामुमो की विचारधारा हमेशा से आदिवासी, शोषित और वंचित वर्ग की आवाज़ को मजबूती से उठाने की रही है. यह चुनाव केवल राजनीतिक बदलाव का माध्यम नहीं है, बल्कि यह असम की माटी की पहचान को सशक्त करने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का एक बड़ा आंदोलन है. मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि पार्टी अपनी जड़ों और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी.

बूथ स्तर पर मजबूती का जोर

सीएम ने कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर झामुमो की विचारधारा से लोगों को जोड़ने का निर्देश दिया. चाय बागान श्रमिकों और आदिवासी समुदायों की समस्याओं को चुनावी घोषणापत्र में प्राथमिकता देना. हमेंत सोरेन ने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और अटूट उत्साह यह साबित करेगा कि झामुमो असम की राजनीति में एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरने को तैयार है.

असम चुनाव का बदलता समीकरण

झारखंड की तर्ज पर असम में भी झामुमो अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आदिवासी और श्रमिक वर्ग की आबादी अधिक है. हेमंत सोरेन की इस सक्रियता ने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है. समर्थकों के बीच भारी उत्साह देखा गया और जय झारखंड' व जय असम' के नारों के साथ बैठक का समापन हुआ.

संक्षिप्त खबरें

लश्कर से जुड़ा आतंकी शब्बीर गिरफ्तार

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा

पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति नहीं, समाधान चाहिए

नई दिल्ली(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध जैसे गंभीर मुद्दों पर राजनीति करना उचित नहीं है और इस विषय पर देश को एकजुट रहना चाहिए। प्रियंका गांधी ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर पूरा देश एक साथ खड़ा है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने सरकार से मौजूदा चुनौतियों पर ठोस समाधान पेश करने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि इसी कारण विपक्ष संसद में इस विषय पर विस्तृत चर्चा चाहता है, ताकि सभी पक्ष मिलकर रास्ता निकाल सकें। अपने बयान में प्रियंका गांधी वाड्रा ने आम जनता से जुड़े मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलिंडर की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि आम लोगों के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो गया है। उनके अनुसार, महंगाई का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। कांग्रेस सांसद ने जोर देकर कहा कि देश के सामने खड़ी समस्याओं का हल निकालने के लिए संसद में सार्थक चर्चा बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर सभी दल मिलकर विचार-विमर्श करें, तो बेहतर समाधान निकल सकता है।

फर्जी बम धमकियां देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली(ईएमएस)। पिछले कई महीनो से दिल्ली के स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को बम की धमकी के मामले में आखिरकार पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने कर्नाटक के मैसूरु से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिस पर देशभर के स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को 1,100 से ज्यादा फर्जी बम धमकियां देने का आरोप है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान 47 वर्षीय श्रीनिवास लुइस के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, उसे शनिवार को दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत उसके किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट, विधानसभा और कई शैक्षणिक व सरकारी संस्थानों को धमकी भरे संदेश भेजे जाने की बढ़ती घटनाओं के बीच यह गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने बताया कि लुइस पोस्ट-ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई कर चुका है और बेंगलुरु का रहने वाला है। वह फिलहाल बेरोजगार है और अपनी मां के साथ रहता है। उसकी मां एक रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया गिरने पर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरते वैल्यू को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। इसपर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है। हमारा फिस्कल डेफिसिट कंट्रोल में है। विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत है। उन्होंने कहा विपक्ष का देश की कृषि और लोगों की मेहनत को कमतर दिखाना सही नहीं है। जरूरी है कि हम लोगों की मेहनत के साथ खड़े रहें। देश और जनता की मेहनत को कमजोर बताना गलत सोच है। वहीं, यूपी के आजमगढ़ से समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात सुनता है, लेकिन रुपए की वैल्यू में लगातार गिरावट से उनकी लोकप्रियता घट रही है। इस पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि दो महीने पहले हुए एक ग्लोबल सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता दुनिया के सभी नेताओं से ज्यादा रही। विपक्ष के हंगामे के बीच उन्होंने कहा कि जब जवाब दिया जा रहा हो, तो उसे सुनना चाहिए।

नीतीश और नबीन ने दिया इस्तीफा

पटना,(ईएमएस)। बिहार में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे को विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने स्वीकार कर लिया है। उनके साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने भी बिहार विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी है। दोनों नेता हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। नितिन नबीन बिहार की बांकीपुर सीट से विधायक थे। वे लगातार पांच बार इसी सीट से जीतते हैं। दो हफ्ते पहले उन्हें राज्यसभा के लिए चुना गया था। अब राज्यसभा सदस्य बनने के बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। एक्स पर पोस्ट में नबीन ने लिखा- पिछले 20 साल से वे बांकीपुर को अपने स्वर्गीय पिता नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा के सपनों के मुताबिक आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने उन पर जो भरोसा जताया उसके लिए वे हमेशा कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि नई भूमिका में भी बांकीपुर और बिहार के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता वैसी ही बनी रहेगी। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वे 16 मार्च को राज्यसभा के लिए चुने गए थे। एक व्यक्ति एक साथ दोनों सदनों का सदस्य नहीं रह सकता इसलिए राज्यसभा में जाने के बाद विधान परिषद छोड़ना जरूरी था। अब बांकीपुर सीट पर उपचुनाव होगा जो बिहार की राजनीति में दिलचस्प होगा क्योंकि यह सीट नबीन परिवार का गढ़ मानी जाती है।

अब ट्रेन बीच रास्ते में नहीं होगी खड़ी यात्रा होगी और भी सुरक्षित

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रा को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया है। इतना ही नहीं ये तकनीक सफर में लगने वाले समय को भी कम करेंगी। इन्हीं में से एक मार्डन एक्सल काउंटर तकनीक है जो यूपी के महोबा के पास ट्रैक पर लगाई गई है। इस नई तकनीक के इस्तेमाल से सिग्नलिंग व्यवस्था और भी मजबूत और भरोसेमंद होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर मध्य रेलवे के झांसी डिवीजन के महोबा रेलवे स्टेशन के यार्ड में सिग्नल तकनीक की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए अहम काम पूरा कर लिया गया है। महोबा यार्ड में रस्टि रेल ट्रैक सर्किट को आधुनिक एमएसडीएसी के तहत से लगाया गया है। इस नई तकनीक के स्थापित होने से ट्रैक ऑक्यूपेंसी की सटीक होगी और सिग्नलिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता और बढ़ेगी, जिससे ट्रेन ऑपरेशन और ज्यादा सुरक्षित और सुचारु रूप से किया जा सकेगा। स्थापित तकनीक में एमएसडीएसी के साथ मैनुअल कंडीशनल रीसेटिंग की सुविधा भी व्यवस्था की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक साइट पर आवश्यक उपकरणों की समुचित व्यवस्था की गई है और एएसएम कक्ष में मैनुअल रीसेट बॉक्स की सुविधा उपलब्ध कराई है, जिससे किसी भी तकनीकी स्थिति में ट्रैक को तुरंत रीसेट किया जा सके।

झारखंड हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म-हत्या मामले में लिया स्वतः संज्ञान

डीजीपी, गृह सचिव से मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने हजारीबाग में एक नाबालिग से दुष्कर्म और उसके बाद हत्या किए जाने के मामले में सोमवार को संज्ञान लिया है। अदालत ने इस मामले में राज्य के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और हजारीबाग एसपी को नोटिस जारी करते हुए सभी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा देने का भी निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने यह मामला आगे की सुनवाई के लिए चीफ जस्टिस के पास स्थानांतरित कर दिया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान अधिवक्ता हेमंत सिकरवार ने अदालत के समक्ष मामला उठाते हुए घटना की पूरी जानकारी दी और इसकी निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया। अधिवक्ता हेमंत सिकरवार ने अदालत के समक्ष अखबारों की प्रति प्रस्तुत करते हुए बताया कि यदि यह खबर प्रकाशित नहीं होती, तो मामला अदालत के संज्ञान में नहीं आ पाता। खबर को देखने के बाद अदालत ने मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए तत्काल सुनवाई की। अदालत ने सुनवाई के दौरान राज्य के डीजीपी और हजारीबाग के एसपी को दूरभाष के माध्यम से जोड़ने का निर्देश दिया। दोनों अधिकारी मोबाइल के जरिए सुनवाई में शामिल हुए। अदालत ने हजारीबाग एसपी से पूछा कि घटना 24 मार्च की है, 25 मार्च को केस दर्ज हुआ, लेकिन अभी तक छह दिन बीत जाने के बाद आरोपित की गिरफ्तारी क्यों नहीं हो सकी। सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से बताया गया कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है, लेकिन रामनवमी के कारण कार्रवाई प्रभावित हुई। अदालत ने इस जवाब पर असंतोष जताया और पूछा कि बच्ची के कपड़ों को अबतक फोरेंसिक जांच के लिए क्यों नहीं भेजा गया। इस पर पुलिस कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी और कोर्ट से अब तक अनुमति नहीं लेने की बात कही। अदालत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि जांच करना पुलिस का दायित्व है, इसके लिए कोर्ट से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठाया कि क्या किसी प्रकार का राजनीतिक दबाव जांच में बाधा बन रही है? पुलिस ने इससे इंकार किया।

पेट्रोल पंपों पर भी मिलेगा केरोसिन केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित बाधाओं को देखकर केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब राशन की दुकानों (पीडीएस) के पारंपरिक दायरे से बाहर निकलकर केरोसिन (मिट्टी का तेल) देश के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर मिलेगा। केंद्र सरकार का यह कदम घरेलू ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है। मोदी सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के कठोर नियमों में 60 दिनों की विशेष ढील दी है। इस नई नीति के तहत व्यवस्था कुछ इस प्रकार होगी। प्रत्येक जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंपों का चुनाव करेगा। इन्हीं पंपों के माध्यम से केरोसिन का भंडारण और वितरण किया जाएगा। इन चिह्नित पेट्रोल पंपों को अधिकतम 5,000 लीटर तक केरोसिन का स्टॉक रखने की अनुमति दी गई है। केरोसिन बांटने वाले एजेंटों और डीलरों को फिलहाल लाइसेंस लेने की अनिवार्य प्रक्रिया से छूट दी गई है। साथ ही, टैंकरों से तेल उतारने (सप्लाई) के नियमों को भी सरल बनाया गया है। यह निर्णय मुख्य रूप से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) में जारी युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका है। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए घरेलू बाजार में किसी भी तरह की कमी को रोकने के लिए सरकार ने अभी से एहतियाती कदम उठाए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के भीतर ईंधन की कोई किल्लत नहीं है।

ऐकला चलो रे की रणनीति, कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लिए 284 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लिए 284 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी का कहना है कि वह बंगाल की सभी 294 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ ही पश्चिम बंगाल के लिए प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी इस बैठक में थे जिन्होंने बाद में कहा कि कांग्रेस बंगाल में एक भी सीट खाली नहीं छोड़ेगी। यही वजह है कि कांग्रेस ने ममता बनर्जी के भवानीपुर से प्रदीप प्रसाद को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के दो महत्वपूर्ण उम्मीदवारों में बहरामपुर से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी और टीएमसी की पूर्व राज्यसभा सांसद मौसम नूर को मालदा के मालतीपुर से उम्मीदवार बनाया है।यहां पर याद दिलाना जरूरी है कि पश्चिम बंगाल से कांग्रेस के एकमात्र सांसद मालदा दक्षिण से ईशा खान चौधरी हैं जो मौसम नूर के चचेरे भाई भी हैं।दोनों पश्चिम बंगाल के कांग्रेस के बड़े नेता रहे अब्दुल गनी खान चौधरी के परिवार से आते हैं। पिछले 20 सालों में कांग्रेस कभी तृणमूल तो कभी वामदलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ती रही है मगर अब कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों वाले राज्यों में अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।एक वक्त था जब 1950 के बाद से 1977 तक कमोबेश कांग्रेस का ही मुख्यमंत्री रहा, फिर ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य 2011 तक मुख्यमंत्री रहे और तब से लेकर ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं।

सरकारी अस्पतालों में एसेट मैनेजमेंट सिस्टम होगा लागू

मरीजों को रेफर करना होगा मुश्किल

रांची। राज्य के सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध मशीन-उपकरणों की ऑनलाइन निगरानी की तैयारी है। सबसे निचले स्तर के स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र से लेकर मेडिकल कॉलेज तक के स्वास्थ्य संरचनाओं के मशीन-उपकरणों की निगरानी राज्य स्तर पर होगी।
इसे लेकर राज्य सरकार ने एसेट मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है। यह एक एकीकृत ऑनलाइन व्यवस्था होगी, जिसका केंद्र राज्य मुख्यालय होगा। अस्पतालों में एसेट मैनेजमेंट सिस्टम लागू होने से इसकी निगरानी कई स्तरों पर होगी। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार पदाधिकारी भी ऑनलाइन देख सकेंगे कि कोई मशीन उपकरण चालू अवस्था में है या नहीं। कोई मशीन खराब है तो कब से खराब है। विभाग स्तर से इसे लेकर जिलों एवं संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों के जिम्मेदार पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया जा सकेगा।
जानकारों का मानना है कि इससे आने वाले वर्षों में मशीन-उपकरणों की आवश्यकता का सही आकलन भी हो सकेगा। इससे स्वास्थ्य विभाग को किसी वित्तीय वर्ष की योजना एवं कार्य योजना तैयार करने में सहूलियत होगी। कोई खराब मशीन समय पर दुरुस्त किया जा सकेगा। कोई मशीन पूरी तरह खराब हो चुकी है तो उसे बदला भी जा सकेगा।
कई बार मशीन-उपकरण तो क्रय कर लिए जाते हैं, लेकिन उनका उपयोग तकनीशियन के अभाव में लंबे समय तक नहीं होता है। इस तरह की लापरवाही के लिए अब जिम्मेदार चिह्नित किए जा सकेंगे। आवश्यकता से अधिक खरीद पर भी रोक लग सकेगी। स्वास्थ्य विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य के अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 115 करोड़ रुपये के मशीन-उपकरण खरीदने का निर्णय लिया है। इसे लेकर बजट में राशि का भी प्रावधान किया गया है।

'राज्य में विकास के लिए शांति पहली शर्त', असम में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इस बातचीत में पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के विचार जाने और उन्हें चुनाव में जीत के लिए कड़ी मेहनत का गुरुमंत्र दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने बीते एक दशक में असम में तेज विकास होने की बात भी कही। असम में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राज्य के विकास के लिए सबसे पहली शर्त शांति है। उन्होंने कहा कि राज्य लंबे समय तक अस्थिता से जूझा है, लेकिन पिछले दशक में चीजें बदल गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने पूर्वोत्तर में विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों को यह याद दिलाना चाहिए कि कांग्रेस सरकार सिर्फ सुर्खियां बटोरने और लोगों को गुमराह करने के लिए कागजों पर ही समझौते करती थी।

'असम ने अस्थिरता का लंबा दौर देखा है'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमने वह दौर देखा है जब असम हिंसा की आग में जल रहा था। असम में लंबे समय तक अस्थिरता रही, लेकिन पिछले दशक में स्थितियां बदली हैं। आज भाजपा की डबल इंजन सरकार के प्रयासों से राज्य में नया आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है।'
उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान शांति समझौतों को नजरअंदाज किया गया और युवाओं को भटकने के लिए छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस शासन में उग्रवादी और छात्र संगठनों के साथ कोई भी समझौता सफल नहीं हुआ। कांग्रेस ने बोडो समुदाय के साथ विश्वासघात किया।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ने शांति स्थापित करने और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए काम किया है तथा शांति समझौतों को जमीनी स्तर पर ईमानदारी से लागू किया जा रहा है।
प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्होंने पहली बार वोट करने जा रहे मतदाताओं को पूर्व की कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल को याद दिलाने की जरूरत है और एक छोटी सी गलती राज्य को पीछे धकेल सकती है।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर पलटने से चालक व मजदूर की मौत, गांव में पसरा मातम

दुमका(ईएमएस)।दुमका जिले के जामा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेदिया पंचायत के सिताकोहबर गांव के समीप सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक और एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।मिली जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर मयूराक्षी नदी से बालू लादने के लिए जा रहा था।इसी दौरान रास्ते में अचानक ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पलट गया। ट्रैक्टर पर सवार चालक और मजदूर उसके नीचे दब गए, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।मृतकों की पहचान 20 वर्षीय कमल सोरेन (पिता किरण सोरेन) और 38 वर्षीय परमेश्वर मरांडी (पिता– स्व. चंदन मरांडी), दोनों निवासी जरूवाडीह, पंचायत बेदिया के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों रोजमर्रा की तरह मजदूरी और बालू ढुलाई के काम से जुड़े थे और घटना के समय भी कार्य पर ही निकले थे।घटना की सूचना मिलते ही जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार और जेएसआई एतंकाब आलम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका भेज दिया।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण वाहन का असंतुलित होना बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है।

गलत साईड से आ रही ट्रेलर ने ट्रक में मारी टक्कर, चालक की मौत

रांची(ईएमएस)।टाटीसिलवे थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ाम ढीपा टोली रिंगरोड में हुई ट्रक व ट्रेलर की टक्कर में ट्रेलर के चालक राम उदय कुमार 33 की मौत हो गई।राम उदय भैरों भूप सितामढ़ी बिहार निवासी चंदेश्वर राय के बेटे थे।जानकारी के अनुसार रिंगरोड होते हुए रामपुर से टाटीसिलवे की ओर आ रही ट्रेलर गलत साईड में चल रही थी।ढीपा टोली में विपरीत दिशा से आ रहें ट्रक (सीजी14एमजी0175) से टक्कर हो गई।टक्कर में दोनों वाहन के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया व ट्रेलर में लदा लोहा पत्ती रोल सड़क पर गिर गया एवं चालक केबिन में फंस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया एवं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है।

नोवामुंडी कॉलेज में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का रोजगार मेला, सैकड़ों युवाओं को मिला सुनहरा अवसर

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।सोमवार को नोवामुंडी कॉलेज में प्राचार्य डॉ. मनोजित विश्वास के मार्गदर्शन में अंबेडकर हॉल में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एचआर प्रबंधक शेख मिन्हाज मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत सहायक प्राध्यापक साबिद हुसैन द्वारा अतिथि स्वागत से हुई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे रोजगार मेले विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।इस रोजगार मेले में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई थी।कार्यक्रम के दौरान अभ्यर्थियों का पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन और प्रारंभिक चयन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। साक्षात्कार में सफल अभ्यर्थियों को अगले माह कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित होसुर क्षेत्र में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स इकाई में ज्वाइनिंग दी जाएगी।चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को कार्यस्थल, वेतनमान, आयु सीमा और अन्य आवश्यक शर्तों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज के सहायक प्राध्यापक साबिद हुसैन, डॉ. मुकेश कुमार सिंह, नरेश कुमार पान, कुलजिंदर सिंह, धनी राम महतो, दिवाकर गोप, परमानंद महतो, राजकरण यादव, तन्मय मंडल और भवानी कुमारी सहित अन्य शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झारखंड आंदोलनकारी विमल हाईबुरु का निधन,विधायक दशरथ गागराई समेत कई लोगों ने दी श्रद्धांजलि

सरायकेला(ईएमएस)। अस्सी के दशक में झारखंड आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले खरसावां के कुदासिंगी गांव के विमल हाईबुरु का लंबी बीमारी के बाद सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने चाईबासा स्थित सदर अस्पताल में अंतिम सांस लिया। जानकारी के अनुसार विमल हाईबुरु लंबे समय से बीमार चल रहे थे तथा उनका ईलाज जमशेदपुर व रांची के अस्पतालों में चल रहा था। सोमवार की सुबह अचानक उनकी तबियत खराब हुई।इसके बाद उन्हें चाईबासा के सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात विमल हाईबुरु के शव को उनके पैतृक खरसावां के कुदासिंगी ला गया। इसके पश्चात आदिवासी रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। विधायक दशरथ गागराई, भाजपा की पश्चिमी सिंहभूम जिलाध्यक्ष गीता बलमुचू, मुखिया जोरडीहा सोनामुनी पुरती, मांगी लाल पूरती, अजय सामड़, बासंती गागराई, सुखराम सोय, डेविड कुजूर समेत बड़ी संख्या में लोगों ने विमल हाईबुरु के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की. साथ ही परिजनों से मिल कर शोक संवेदना व्यक्त किया।विधायक दशरथ गागराई ने विमल हाईबुरु को अग्रणी आंदोलनकारी बताते हुए उनके निधन को बड़ी क्षति बताया। मालूम हो कि 1985 में झारखंड आनंदलन के दौरान विमल हाईबुरु अग्रणी भूमिका निभाई थी।उन्हें राज्य सरकार की ओर से भी झारखंड आंदोलनकारी का प्रमाण पत्र मिला है। वह खरसावां विस क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके है।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
MINOR IRRIGATION DIVISION JAMTARA
Email:- eemijamtara95@gmail.com

Very Short Term E-Quotation Invitation Notice
Quotation Reference No.-01 e-Q/MID/JAMTARA/2025-26

Sealed Quotations are invited for the work **Development & Beautification of Island Area and Hill Area of LADHNA DAM Jamtara** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufactures/ Suppliers/Retailers/Distributors and Registered WRD Contractors for following items. They Should quote their rates for unit mentioned in the table, If they do not deals all of the below mentioned items they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals.

Terms and Condition:-
1. The quotationer shall submit basic rate of Materials which will be inclusive of royalty and other Taxes but exclusive of GST and Labour Cess.
2. Quotationer may quote rate for all the Materials / Part of the Materials for which they are concerned.
3. The quotationer shall quote latest and authentic rate which shall reflect market rate.
4. The quotationer should have necessary Portal enrolment with their own digital signature Certificate. Quotationers without necessary portal enrolment with their digital signature may quote their rate by uploading in the website.
5. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
6. The quotationer shall furnish GST registration no. and PAN.
7. The undersigned reserves the right to accept or reject/ cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.
8. For any query or clarification you may Contact Executive Engineer.

नोटः– 1. वेबसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि :– 02 / 04 / 2026 के अपराह्न 5:00 बजे।
2. वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि :– 08 / 04 / 2026 के अपराह्न 5:00 बजे।
3. ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय :– 09 / 04 / 2026 के अपराह्न 3:30 बजे।
4. ई–कोटेशन आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, जामताड़ा।
5. ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या–8405978740
6. कोटेशन दाता को यू–रजिस्ट्रेशन की फोटो कॉपी अपलोड करना अनिवार्य है।
अन्य किसी जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR.NO.376315 Minor Irrigation(25-26):D
Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Jamtara

भाजपा के 44 विधायकों और सांसदों पर दुष्कर्म व यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप

भाजपा नेता स्वामी के बयानों पर चुप्पी क्यों : रमा खलखो

रांची(ईएमएस)। भाजपा के 44 विधायकों और सांसदों पर दुष्कर्म व यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप हैं, लेकिन इसके बावजूद पार्टी उन आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण दे रही है।कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रमा खलखो ने कहा कि गोवा से लेकर उत्तराखंड, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में सामने आए मामलों में एक पैटर्न दिखता है, जिसमें सत्ता के दबाव में भाजपा नेताओं पर कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि नाबालिगों से जुड़े मामलों में भी देरी और लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है।गोवा में भाजपा पार्षद सुशांत नायक के बेटे सोहम सुशांत नायक द्वारा लगभग 20 से 30 नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का मामला उठाते हुए रमा खलखो ने कहा कि तीन साल तक यह खेल चलता रहा, लेकिन पार्षद पिता और डबल इंजन की सरकार खामोश रही। जब बच्चियों के परिवारों ने हिम्मत दिखाई, तब जाकर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज हुआ। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर लगाए गए गंभीर आरोपों और किए गए खुलासों का हवाला देते हुए रमा खलखो ने कहा कि सार्वजनिक रूप से महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक व गंभीर बातें सामने आई हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा की स्वामी के आरोप अत्यंत गंभीर हैं। इसके बावजूद न तो उनकी जांच हो रही है और न ही कोई जवाबदेही तय की जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ऐसे मामलों पर सरकार चुप क्यों है?रमा खलखो ने कहा कि कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइल्स में मोदी सरकार के मंत्री हरदीप पुरी का नाम आया है। उन्होंने खुद माना कि वो एपस्टीन से मिले थे, लेकिन संसद में इस बात पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक स्वयंभू धर्मगुरु अशोक खरात पर 58 महिलाओं के साथ यौन शोषण और आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप हैं। उन्होंने एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर खरात के पैर धोती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इसकी जानकारी नहीं थी?

उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम का नाम सामने आ रहा है, लेकिन सीबीआई जांच को दबाया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड के दोषी कुलदीप सेंगर का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा हमेशा अपने दागी नेताओं के साथ खड़ी नजर आती है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों ने गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन मोदी सरकार आरोपी के बचाव में खड़ी रही। भाजपा विधायक हंसराज पर एक नाबालिग युवती ने यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए, लेकिन न तो उसे पार्टी से निकाला जा रहा है और न ही उसकी विधायकी खत्म की जा रही है। हरियाणा में कुछ समय पहले भाजपा सरकार में तत्कालीन खेल मंत्री संदीप सिंह पर महिला कोच द्वारा उत्पीड़न के आरोप लगाए गए। उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता बालात्कारी गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल मिल रही है, क्योंकि उन्हें चुनाव में भाजपा के लिए वोट इकट्ठा करना है।

रमा खलखो ने आगे बताया कि दुष्कर्म के मामले में ही दोषी आसाराम को हाल ही में बनारस के बाबा विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी गेट से एंट्री करवाकर दर्शन कराए गए। भाजपा की मानसिकता पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वो चुनाव में वोट बटोरने के लिए इन दुराचारी बाबाओं का सहारा लेती है। उन्होंने गुजरात में भाजपा सरकार द्वारा बिलकिस बानो मामले के दोषियों की रिहाई और फिर सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें वापस जेल भेजने के फैसले का जिक्र भी किया। लांबा ने याद दिलाया कि दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा पाने वाले कर्नाटक से जेडीएस के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की करतूतों की जानकारी होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने उसके लिए वोट मांगे थे।कांग्रेस नेता ने दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा आम आदमी पार्टी में रहते हुए विधानसभा में चलाई गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सीडी को लेकर भी भाजपा को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि कपिल मिश्रा ने बताया था कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी एक लड़की को सरकारी गाड़ी में अपने आधिकारिक निवास ले जाते थे, उसे साथ वाले कमरे में रखते थे। उन्होंने बताया कि इससे संबंधित सारी जानकारी उस सीडी में है, जो सुप्रीम कोर्ट को 2015 में सौंपी गई थी, लेकिन इसकी जांच रुकी हुई है।रमा खलखो ने प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि वहां पिछले एक साल में महिलाओं के विरुद्ध 1686 मामले दर्ज हुए हैं। हर 15 दिन में एक दुष्कर्म की घटना हो रही है, जो भाजपा की डबल इंजन सरकार की विफलता का प्रमाण है।

जरूरतमंद एवं दिव्यांगजनों के बीच सहायता सामग्री किया गया का वितरण

दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा, उन्हें सशक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

गिरिडीह : कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा गिरिडीह में जरूरतमंद एवं दिव्यांगजनों के बीच सहायता सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना, उनके दैनिक जीवन को सुगम करना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। जिला प्रशासन एवं आईओसीएल के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभुकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात उन्होंने दिव्यांगजनों के बीच सहायता सामग्री का वितरण किया। इस दौरान लाभुकों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, वॉकर, बैसाखी, श्रवण यंत्र सहित अन्य आवश्यक उपकरण प्रदान किए गए, जिससे वे अपने दैनिक कार्यों को आसानी से कर सकें और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकें। इस कार्यक्रम में कुल 973 उपकरणों का वितरण किया गया। जिसमें ट्राइसाइकिल (पारंपरिक हाथ से चलने वाली) (बच्चों के लिए) 06, मोटरयुक्त व्हीलचेयर 24, ट्राइसाइकिल (पारंपरिक हाथ से चलने वाली) (वयस्कों के लिए) 125, दृष्टिबाधित लोगों के लिए किट 04, व्हीलचेयर (वयस्कों के लिए) (साथी के लिए) 116, व्हीलचेयर (बच्चों के लिए) 08, बैसाखी (मध्यम आकार) 310, बैसाखी (बड़ा आकार) 16, बैसाखी (छोटा आकार) 06, कोहनी बैसाखी (वयस्कों के लिए) 100, कोहनी बैसाखी (बच्चों के लिए) 04, चलने की छड़ी 08, बीटीई डिजिटल प्रकार की श्रवण यंत्र 84, रोलर (ए) 08, रोलर (सी) 14, टीएलएम-किट 35, सुगमया बेंत 24, कृत्रिम अंग और कैलिपर 65, सीपी कुर्सी 10, जॉयस्टिक व्हीलचेयर 06 शामिल है। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें सशक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने आईओसीएल की सीएसआर पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सहायता सामग्री मिलने से दिव्यांगजनों को चलने-फिरने, पढ़ने-लिखने और रोजगार के अवसरों तक पहुंचने में काफी मदद मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन हमेशा जरूरतमंद लोगों के सहयोग के लिए तत्पर है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा।

इस अवसर पर कोडरमा लोकसभा सांसद प्रतिनिधि, श्री दिनेश यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के कमजोर एवं दिव्यांगजनों की सहायता करना हम सभी की जिम्मेदारी है। आईओसीएल की यह सीएसआर पहल सराहनीय है, जो जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, श्री बिनोद सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए सरकार और विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में समावेशिता की भावना मजबूत होती है और जरूरतमंद लोगों को नई उम्मीद मिलती है। कार्यक्रम का सफल आयोजन जिला प्रशासन और आईओसीएल के बेहतर समन्वय का परिणाम रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी लाभुकों को शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। आईओसीएल के प्रतिनिधियों ने कहा कि कंपनी अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजन कल्याण जैसे क्षेत्रों में आईओसीएल कई योजनाएं चला रही है। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों ने सहायता सामग्री प्राप्त कर खुशी जाहिर की और जिला प्रशासन एवं आईओसीएल के प्रति आभार व्यक्त किया। कई लाभुकों ने कहा कि व्हीलचेयर और ट्राइसाइकिल मिलने से अब उन्हें आने-जाने और अपने काम करने में काफी सुविधा होगी। इससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे और समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाएंगे।

निबंधन कार्य में पारदर्शिता व समयबद्धता सुनिश्चित करें : आयुक्त

पलामू(ईएमएस)।प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय सोमवार को पलामू के जिला अवर निबंधन कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निबंधन कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्था का गहन जायजा लिया और लक्ष्य के अनुरूप निबंधन कार्य सुनिश्चित करने तथा संबंधित प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और गति लाकर आमजन को सुगम, पारदर्शी एवं सुरक्षित सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

आयुक्त ने निरीक्षण के क्रम में ऐसी जमीन जिस पर कानूनी रोक, सरकारी प्रतिबंध या मालिकाना हक को लेकर विवाद हो (लैंड रिस्ट्रिक्टेड डिटेल्स) की स्थिति की जानकारी ली। इसपर जिला अवर निबंधक ने अवगत कराया कि सभी संबंधित विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किये जाते हैं तथा इसकी प्रतिलिपि संबंधित अंचल कार्यालयों को भी प्रेषित की जा चुकी है। आयुक्त ने इस व्यवस्था को अद्यतन रखने का निर्देश दिया।आयुक्त ने कार्यालय में संधारित पंजी एवं अभिलेखों की जांच की। खासमहल लीज की दरों की भी जानकारी ली। साथ ही, निबंधन हेतु प्रस्तुत डीड का बारीकी से अवलोकन कर सही पाए जाने पर निर्धारित समयसीमा के भीतर निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।कंप्यूटर कक्ष के निरीक्षण के दौरान उन्होंने डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन तथा पूर्व में निबंधित पट्टों एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने रिकॉर्ड के रखरखाव बेहतर तरीके से करने तथा किसी भी परिस्थिति में अभिलेखों के साथ छेड़छाड़ नहीं होने देने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान निबंधन कार्यालय के सामने साफ-सफाई की कमी को लेकर आयुक्त ने कहा कि यह कार्यालय आम जनता से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए यहां स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। गंदगी के कारण न केवल कार्यालय की छवि खराब होती है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल धनबाद

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0 12 / 2025–26 / EE/BCD/DHANBAD

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of B.R.C. Building at Kaliyasole Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
2	Construction of B.R.C. Building at Egyarkund Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
3	Construction of B.R.C. Building at Jhariya Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
4	Construction of B.R.C. Building at Dhanbad Sadar Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
5	Construction of B.R.C. Building at Topchanchi Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
6	Construction of B.R.C. Building at Purvi Tundi Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
7	Construction of B.R.C. Building at Baliyapur Block, Dist. Dhanbad.	53,34,600.00	1,06,700.00	10,000.00	06 माह।
8	Construction and Renovation Work at DAV H.S. Jharia, Dhanbad.	61,01,800.00	1,22,100.00	10,000.00	06 माह।
9	Renovation and District Combind Agriculture Office Building, Dhanbad.	61,95,300.00	1,24,000.00	10,000.00	06 माह।

1.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाषन की तिथि	:–	07.04.2026 11:00 बजे
2.	वेबसाईट में निविदा डालने की अन्तिम तिथि / समय	:–	22.04.2026 11:00 बजे
3.	निविदा प्रकाषित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
4.	निविदा खोलने की तिथि / समय एवं स्थान	:–	23.04.2026 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल, हजारीबाग।
5.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	:–	9973309316
6.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	:–	7488650243
7.	परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।		
8.	सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राषि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।		
9.	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राषि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राषि उसी खाते में वापसी होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।		

अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना **http://jharkhandterders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
Note :- UCAN Registration is mandatory for the Bidders

PR 376319 (Building)25-26*D
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद

कार्यपालक अभियन्ता राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,
गिरिडीह का कार्यालय

ई– अति अल्पकालीन निंविदा आमंत्रण सूचना संख्या
:– NREP/GIRIDIH/33/2025-26

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह।
2. वेबसाईट पर ई–निविदा अपलोड करने की तिथि :– दिनांक 13.04.2026 (पूर्वाहन् 11:00 बजे से)
3. वेबसाईट पर ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– दिनांक 18.04.2026 (अपराहन् 5:00 बजे तक)
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियन्ता, एन0आर0ई0पी0, गिरिडीह का कार्यालय ।
5. ई–निविदा खोलने की तिथिः– दिनांक 21.04.2026 को 11.00 बजे पूर्वाहन से ।
6. ई–निविदा आंमत्रण करने वाले के पदनामः– कार्यपालक अभियन्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह।
7. निविदा से संबंधित जानकारी हेतु मो0 नं0 :– 9570219504, 9431332643
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।
10. योजना मदः–जिला योजना अनाबद्ध निधि।

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1	गिरिडीह	गिरिडीह नगर के वार्ड नं0 16 में नगीना सिंह रोड स्थित सरकारी स्कूल का चार कमरा निर्माण।	4209100.00	84200.00	5000.00	06 माह।
2	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखण्ड के रा.स.से.गो.दा.ना. फांगेड़िया बालिका उच्च विद्यालय पचम्बा, प्रखण्ड गिरिडीह में 10 कमरे का निर्माण।	7708300.00	154200.00	10000.00	07 माह।
3	बेंगाबाद	बेंगाबाद प्रखंड के अन्तर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय सलैया में भवन निर्माण।	7628900.00	152600.00	10000.00	07 माह।
4	डुमरी	डुमरी प्रखंड के अन्तर्गत उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय खुदीसार में 5 कमरा भवन निर्माण।	6605200.00	132200.00	10000.00	06 माह।
5	जमुआ	जमुआ प्रखण्ड अन्तर्गत उच्च विद्यालय, तारा में चार कमरों का निर्माण।	3349500.00	67000.00	5000.00	04 माह।
6	गिरिडीह	सेन्ट्रल लाईब्रेरी गिरिडीह में पूर्व से निर्मित भवन के सामने शेष भूमि पर भूतल पर पार्किंग एवं प्रथम एवं द्वितीय तल्ले में एक – एक हॉल, दो–दो बाथरूम एवं तीन–तीन युनिरर्लस का निर्माण।	5611500.00	112300.00	10000.00	06 माह।

पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉची के संकल्प सं0 2146(s) दिनांक 09.09.2020 के आलोक में सम्प्रति 10 प्रतिशत से नीचे के दर की निविदायें अनुमान्य होंगी। 10 (दस) प्रतिशत से न्यून निविदाओं के लिए Additional Preformance Security के क्रम में परिमाण विपत्र की राशि से –(i) 10 से 20 प्रतिशत Below तक की राशि का 20 प्रतिशत तथा (ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत राशि जमा करने का प्रावधान लागू होगा । निविदाओं का निष्पादन उपरोक्त वर्णित संकल्प के आधार पर होगा।

1. इस निविदा अंकित योजनाओं में केवल भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार में पंजीकृत समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकते हैं।

नोटः– केवल ई–निविदा स्वीकृत होगा। प्राक्कलित राशि घट/बढ़ सकती है। अन्य सूचनाएँ वेबसाईट http: www.jharkhandtenders.gov.in/ कार्यपालक अभियन्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह, कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है ।

PR 376268 NREP(25-26).D
कार्यपालक अभियन्ता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह

बोकारो इस्पात संयंत्रः स्वच्छता परियोजनाओं में पारदर्शिता और वेंडर आधार बढ़ाने हेतु कॉन्ट्रैक्ट सेल नॉन-वर्क्स द्वारा संवाद सत्र आयोजित

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के कॉन्ट्रैक्ट सेल (नॉन-वर्क्स) विभाग द्वारा आज नगर की स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य से जुड़ी दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं 'एंटी लार्वल मॉस्किटो ट्रीटमेंट' (मच्छर उन्मूलन उपचार) तथा 'डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन' (घर-घर कूड़ा संग्रहण) के लिए एक वृहद वेंडर मीट का सफल आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी के मार्गदर्शन तथा इंडेंटिंग विभाग एवं मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास टीम के सक्रिय सहयोग से संपन्न हुआ. समारोह का औपचारिक शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री कुंदन कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया. कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन महाप्रबंधक (कॉन्ट्रैक्ट सेल-नॉन वर्क्स) सुश्री अनुश्री तंबोली द्वारा किया गया. इस वेंडर मीट का मुख्य उद्देश्य संभावित वेंडरों को आगामी अनुबंधों से संबंधित कार्य क्षेत्र, तकनीकी आवश्यकताओं, सुरक्षा प्रोटोकॉल और गुणवत्ता मानकों से अवगत कराना था, ताकि भविष्य की निविदाओं के लिए वेंडर आधार का विस्तार किया जा सके.तकनीकी सत्र के दौरान उप महाप्रबंधक (नगर सेवा-जन स्वास्थ्य) श्री तरुण श्रीवास्तव एवं श्री एस. एन. मिश्रा द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें परिचालन संबंधी चुनौतियों, वैधानिक मानदंडों के अनुपालन, सुरक्षा पद्धतियों और प्रदर्शन निगरानी तंत्र पर प्रकाश डाला गया. कॉन्ट्रैक्ट सेल (नॉन-वर्क्स) द्वारा निविदा दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मौजूदा प्रक्रियाओं और तकनीकी-वाणिज्यिक पात्रता पर विशेष बल दिया गया, ताकि वेंडर निविदा भरते समय सामान्य गलतियों से बच सकें और प्रस्तावों की अस्वीकृति की संभावना न्यूनतम हो.

इस अवसर पर विशेषज्ञों के पैनल में वित्त विभाग, कॉन्ट्रैक्ट सेल-संकार्य तथा ईआरपी (ERP) विभाग के वरीय अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने संवादात्मक सत्र के दौरान वेंडरों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उनके सुझाव प्राप्त किए. वेंडरों ने निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और प्रत्यक्ष संवाद के इस मंच की सराहना की. कार्यक्रम के समापन पर श्री लंबोदर उपाध्याय, महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवा-जन स्वास्थ्य) ने सभी प्रतिभागियों के उत्साहजनक सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया.

यह आयोजन टाउनशिप निवासियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल है. वेंडरों के साथ इस प्रकार का सीधा संवाद न केवल निविदा प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा और स्पष्टता सुनिश्चित करता है, बल्कि पर्यावरण स्थिरता और सार्वजनिक कल्याण के प्रति संगठन की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करता है. यह रणनीतिक प्रयास भविष्य में गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाओं के समयबद्ध निष्पादन में मील का पत्थर साबित होगा.

खाद्यान्न के अग्रिम उठाव, परिवहन एवं वितरण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

पाकुड़ः सोमवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में माह अप्रैल, मई एवं जून 2026 के खाद्यान्न के अग्रिम उठाव, परिवहन एवं वितरण के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने निर्देश दिया कि खाद्यान्न का अग्रिम उठाव समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि वितरण प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ रखने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर खाद्यान्न को संबंधित केंद्रों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखते हुए लाभुकों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को सुचारू, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न करने का निर्देश दिया। बैठक में सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, लिफ्टिंग इंचार्ज, पीईजी, डिपो मैनेजर, डीएसडी, ट्रांसपोर्टर एवं सभी प्रखंड ऑपरेटर जुड़े रहे।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा बैठक की, कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

डीसी ने 30 अप्रैल तक कार्य पूरा करने का दिया लक्ष्य

पाकुड़ः डीसी ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान डीसी ने शहरी जलापूर्ति योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि अतिरिक्त संसाधन एवं मानव बल लगाकर कार्य में तेजी लाई जाए तथा 30 अप्रैल तक इसे हर हाल में पूर्ण किया जाए। आगामी गर्मी को ध्यान में रखते हुए डीसी ने सभी खराब पड़े हैंडपंपों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए पर्याप्त मरम्मत दल लगाई जाए और सभी कनीय अभियंता इसकी नियमित मॉनिटरिंग स्वयं करें, ताकि आमजन को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े। डीसी ने जिला समन्वयकों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र भ्रमण कर निर्माणाधीन अवयवों का भौतिक निरीक्षण स्वयं करें तथा आरपीडब्ल्यूएसएस पोर्टल पर ऑनलाइन प्रविष्टि कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया कि आगामी समीक्षा बैठक में सभी संवेदकों के साथ उपस्थित रहें, ताकि योजनावार विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लिए जा सकें। डीसी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को पेयजल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सके।

धनबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष, संतोष कुमार सिंह ने रामनवमी के दिन बलियापुर में घटी घटना को लेकर बलियापुर थाना प्रभारी को निलंबित करने की मांग की

धनबाद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष, संतोष कुमार सिंह ने बलियापुर थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की । उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि मैं कांग्रेस द्वारा आयोजित जिलाध्यक्षों के ट्रेनिंग प्रोग्राम में धनबाद से बाहर हूं I धनबाद आते ही पिडीत परिवार से मिलकर स्थानीय पुलिस के खिलाफ आंदोलन करेंगे I उन्होंने जानकारी दी कि बलियापुर में रामनवमी के दिन हुई घटना को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय पर गलत आरोप लगाकर उन्हें दोषी ठहराना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी नुकसान पहुँचाने वाला है। उन्होंने बताया कि बिना पूरी जांच और सत्य सामने आए किसी भी समुदाय को निशाना बनाना गलत है। ऐसे समय में सभी राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारी है कि वे शांति, भाईचारा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने प्रशासन से मांग कि की घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए और वास्तविक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए । ताकि निर्दोष लोगों को बदनाम न किया जा सके। उन्होंने आगे बताया कि धनबाद के बलियापुर में रामनवमी के दिन हुई घटना को लेकर जिस तरह अल्पसंख्यक समुदाय पर बिना प्रमाण के आरोप मढ़े जा रहे हैं, वह बेहद निंदनीय और चिंताजनक है।साथ ही उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आए बिना किसी एक वर्ग को निशाना बनाना समाज को बांटने की साजिश है। यह राजनीति नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द को कमजोर करने की कोशिश है ।

समाजसेवी लुत्फल हक को सामाजिक विकास एवं विकास कार्यों के लिए मिला उत्कृष्ट अवार्ड

पाकुड़ः असहाय और जरूरतमंदों की मदद में हमेशा आगे रहने वाले व्यवसाई व समाजसेवी लुत्फल हक को एक और सम्मान मिला है। दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें सामाजिक कल्याण और विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।जानकारी के अनुसार, राजधानी दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में विकसित भारत लीडरशिप सम्मिट 2026 का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की उपस्थिति में लुत्फल हक को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दोनों मंत्रियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे जाति-धर्म से ऊपर उठकर समाजसेवा में लगे हुए हैं। रेलवे स्टेशन पाकुड़ में जरूरतमंदों को निःस्वार्थ भाव से भोजन कराने सहित उनके विभिन्न सामाजिक कार्यों की सराहना की गई। इस दौरान कहा गया कि विकसित भारत सम्मिट का लक्ष्य 2047 तक देश को पूर्ण विकसित और आत्मनिर्भर बनाना है।लुत्फल हक लंबे समय से समाजसेवा में सक्रिय हैं। उनके पास पहुंचने वाला कोई भी जरूरतमंद खाली हाथ नहीं लौटता। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है, जहां वे गरीब छात्रों को निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं और शिक्षण संस्थानों को आर्थिक सहयोग भी दे रहे हैं।इसके अलावा वे पिछले तीन वर्षों से पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन सैकड़ों गरीबों को निःशुल्क रात्रि भोजन करा रहे हैं।गरीब बेटियों की शादी में सहयोग, वस्त्र वितरण, सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट वितरण, कोरोना काल में अस्पतालों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराना, मास्क और गर्म कपड़ों का वितरण जैसे कई सामाजिक कार्यों में उनका योगदान सराहनीय रहा है।

समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें देश और विदेश के कई शहरों में भी सम्मानित किया जा चुका है।

नई रेनो डस्टर लॉन्च

धनबादः एनएच 2 पण्डुकी स्थित अब्सोलुट ऑटो प्राइवेट लिमिटेड रेनॉल्ट शोरूम में नई रेनो डस्टर का लॉन्च मुख्य अतिथि बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, सुनील सांवरिया, अनिल सांवरिया, महेंद्र सेठ, हर्षित जिंदल, अनिमेष सांवरिया डायरेक्टर, अरविंदो डे सीएफओ, आभास कुमार सिन्हा जीएम सेल्स ने दीप प्रज्वलित कर अनावरण कर किया। शोरूम के डायरेक्टर अनिमेष सांवरिया ने बताया कि नई रेनो डस्टर का टर्बो पेट्रोल वेरिएन्ट रु 10.49 लाख की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है धनबाद सहित देश भर में डिस्पैच शुरू हो चुका है।

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पुरुलिया-आनन्द विहार टर्मिनल, पुरुलिया का किया जायेगा नियमित परिचालन

धनबाद, यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर टोरी- लातेहार- बरवाडीह-डाल्टनगंज- गढ़वा रोड के रास्ते पुरुलिया- आनन्द विहार टर्मिनल के मध्य 03.04.26 से प्रत्येक शुक्रवार को पुरुलिया स्टेशन से गाड़ी संख्या 14021 पुरुलिया-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का नियमित परिचालन किया जायेगा I इसी प्रकार दिनांक 02.04.26 से प्रत्येक गुरुवार को आनन्द विहार टर्मिनल स्टेशन से गाड़ी संख्या 14022 आनन्द विहार टर्मिनल-पुरुलिया एक्सप्रेस का नियमित परिचालन किया जायेगा I उक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद को मोहम्मद इकबाल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने दी I

डीसी ने चार नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र का किया वितरण

पाकुड़ः जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा सोमवार को चार नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर डीसी मनीष कुमार, प्रभारी, सामान्य शाखा मोहनलाल मरांडी एवं जिला स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह ने नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया।

विदित हो कि चौकीदार के कुल 250 स्वीकृत पदों के विरुद्ध 246 अभ्यर्थियों ने पूर्व में योगदान दिया था, जबकि 4 पद रिक्त रह गए थे। इन रिक्त पदों के विरुद्ध प्रतीक्षा सूची में शामिल चार योग्य अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।इस अवसर पर डीसी ने सभी नवनियुक्त चौकीदारों को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चौकीदार प्रशासन एवं आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं, इसलिए उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं सजगता के साथ करना चाहिए। डीसी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कानून- व्यवस्था बनाए रखने, सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा प्रशासनिक कार्यों के क्रियान्वयन में चौकीदारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी नवनियुक्त कर्मियों से अपेक्षा किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करते हुए प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करेंगे।

यूजी सेमेस्टर–4 परीक्षा फॉर्म की तिथियां घोषित, 4 अप्रैल से शुरू होगी प्रक्रिया

दुमकाःसिदो–कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका ने यूजी सेमेस्टर–4 (सत्र 2023–27) परीक्षा 2025 के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियों की घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार छात्र–छात्राएं निर्धारित समयसीमा के भीतर ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार, विद्यार्थी 4 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक बिना किसी विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक 200 विलंब शुल्क के साथ तथा 19 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 तक 500 विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी छात्र–छात्राएं आधिकारिक वेबसाइट www.skmu.ac.in के माध्यम से ही ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरेंगे। ऑनलाइन भुगतान की रसीद के साथ परीक्षा फॉर्म की हार्डकॉपी अपने संबंधित महाविद्यालय अथवा विभाग में जमा करना अनिवार्य होगा।विश्वविद्यालय ने सभी विद्यार्थियों से निर्धारित तिथि के भीतर प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

एस. पी. महिला महाविद्यालय में विदाई–सह–सम्मान समारोह का आयोजन, डॉ. अविनाश शरण को दी गई भावभीनी विदाई

दुमकाःएस. पी. महिला महाविद्यालय में सोमवार को विदाई–सह–सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार गुप्ता ने की। इस अवसर पर भौतिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश शरण को उनके दीर्घ एवं सराहनीय सेवा काल के उपलक्ष्य में भावभीनी विदाई दी गई।डॉ. अविनाश शरण वर्ष 1985 से महाविद्यालय में कार्यरत थे और उन्होंने लगभग 41 वर्षों तक अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उनके योगदान को महाविद्यालय परिवार ने अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी बताया।कार्यक्रम की शुरुआत इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रो. ज्योत्स्ना बाअः द्वारा की गई, जिन्होंने डॉ. शरण के 41 वर्षों के कार्यकाल, उनकी उपलब्धियों तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर मरांडी ने उनके साथ बिताए 14 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए उन्हें एक प्रेरणास्रोत बताया।अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. मो. हनीफ ने भी अपने संबोधन में डॉ. शरण के साथ बिताए विशेष क्षणों को याद किया और उनके सरल स्वभाव एवं समर्पण की सराहना की।अपने विदाई संबोधन में डॉ. अविनाश शरण ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सहयोगियों को धन्यवाद दिया।समारोह के अंत में प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार गुप्ता ने डॉ. शरण के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा, एक शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता, वह सेवा समाप्ति के बाद भी समाज का मार्गदर्शन करता रहता है।इस अवसर पर डॉ. नम्रता गौरव, डॉ. प्रेमलता मुर्मू, डॉ. खुशबु तिग्गा, डॉ. महाशेवता सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभागः संयंत्र कर्मियों हेतु गैस सुरक्षा पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र आयोजित

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के लघु प्रेक्षागृह में आज दिनांक 30 मार्च 2026 को गैस सुरक्षा (Gas Safety) पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह सत्र सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग तथा एनर्जी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट (ईएमडी) के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 58 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें अधिकारी, कर्मचारी और संविदा कर्मचारी शामिल थे.

इस अवसर पर एनर्जी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के इंजीनियरिंग एसोसिएट श्री सुनील रैना ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और जागरूकता कार्यक्रम के उद्देश्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की. इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. अपने संबोधन में श्री रैना ने औद्योगिक परिवेश, विशेषकर इस्पात संयंत्रों में गैस सुरक्षा की आवश्यकता और इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला. उन्होंने स्टील प्लांट के सुचारु परिचालन के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व को रेखांकित किया और सभी प्रतिभागियों से इस सत्र से प्राप्त जानकारी को कार्यस्थल पर लागू करने की अपील की.प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री रैना ने एक विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों की गैस सुरक्षा से संबंधित समझ को और सुदृढ़ किया. उन्होंने शॉप फ्लोर पर गैस संबंधी संभावित जोखिमों से बचने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी तथा संयंत्र में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न गैसों की प्रकृति, उनके गुणधर्म और उनसे संबंधित सुरक्षा मानकों के बारे में विस्तार से बताया.

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया, जिससे यह सत्र अत्यंत संवादात्मक और ज्ञानवर्धक रहा.गैस सुरक्षा पर आयोजित यह कार्यक्रम बोकारो इस्पात संयंत्र में एक सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है. सुरक्षा मानकों के प्रति निरंतर सजगता और उचित तकनीकी ज्ञान न केवल कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करता है, बल्कि संयंत्र की परिचालन उत्कृष्टता, उत्पादकता और कार्मिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को भी सुनिश्चित करता है. इस प्रकार के आयोजन सुरक्षित एवं समृद्ध कार्य-परिवेश के निर्माण के प्रति बीएसएल की अटूट प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करते हैं.

झंडा मैदान में मनाया गया जेएमएम का स्थापना दिवस समारोह

शामिल हुए मंत्री और विधायक कल्पना समेत कई नेता।

गिरिडीह : जेएमएम के 53 स्थापना दिवस समारोह सोमवार को झंडा मैदान में मनाया गया। इस दौरान समारोह में नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, टुंडी विधायक मथुरा महतो, पूर्व मंत्री बेबी देवी, महापौर प्रमिला मेहरा, पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी, जमुआ के पूर्व विधायक केदार हाजरा, जेएमएम जिला अध्यक्ष संजय सिंह, अजीत कुमार पप्पू, कोडरमा की जेएमएम नेत्री शालिनी गुप्ता, प्रणव वर्मा भी शामिल हुए। समारोह की शुरुआत ही पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय शिबू सोरेन के तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। जबकि जेएमएम के कई फाइटर नेताओं के तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान समारोह में हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोगों का जुटान हुआ। मौके पर पोषण सखी संघ की नौकरी से इस्तीफा देकर जेएमएम की सदस्यता ग्रहण करने वाली प्रमिला कुमारी के नेतृत्व में कई महिलाओं को गांडेय विधायक कल्पना सोरेन और मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने पार्टी की ओर से अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। वही स्थापना दिवस समारोह में कई और लोगों ने पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया। जबकि कुछ कार्यकताओं ने संस्थापक स्वर्गीय शिबू सोरेन का बड़ा तस्वीर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन और मंत्री सुदविया कुमार सोनू को भेंट किया। इस दौरान कई वक्ताओं ने भाजपा पर जमकर हमला बोला, वहीं मईया सम्मान योजना को लेकर हेमंत सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। समारोह को सम्बोधित करते हुए गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि स्थापना दिवस की तिथि सिर्फ तिथि नहीं है बल्कि झारखंड के भूले हुए आंदोलकारी का तिथि है। इसी झंडा मैदान से कल्पना सोरेन को हिम्मत दिया था गिरिडीह से उड़ीसा की कल्पना को गिरिडीह ने बेटी के रूप में गोद लिया था। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष 2050 तक हेमंत दादा ने झारखंड को एक विकसित राज्य के रूप में आगे करने का अभियान में जुटे हुए है. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने झारखण्ड को बचाने के लिए जेएमएम ने कई त्याग किया।

राज्य के किसी भी कोने में जाए, हर किसी को झारखंड के आंदोलन कारी का नाम सामने आएगा।

संक्षिप्त खबरें

गिरिडीह में साइबर ठगी का भंडाफोड़ दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह : पुलिस अधीक्षक को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर गांडेय थाना क्षेत्र अंतर्गत धोबिया मोड़ के पास खम्हाटांड़ गांव के समीप जंगल में संचालित साइबर ठगी गिरोह का पुलिस ने सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया। सूचना मिलते ही साइबर थाना प्रभारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी एपीके फाइल जैसे आरटीओ ई-चालान, आरटीओ चालान अभी चेक करें और इंडसइंड बैंक ई-केवाईसी अपडेट के नाम पर लिंक भेजकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। साइबर डीएसपी आबिद खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या-10/2026 दिनांक 29.03.2026 को दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण:

अमजद अंसारी (उम्र करीब 29 वर्ष), ग्राम- बनरसिंही, थाना- मारगोमुंडा, जिला- देवघर, रजाउल अंसारी (उम्र करीब 40 वर्ष), ग्राम- बनरसिंही, थाना- मारगोमुंडा, जिला- देवघर बताया गया है।

बरामद सामान:

मोबाइल फोन: 06, सिम कार्ड: 04, मोटर साइकिल: 01 इस छापामारी दल में शामिल मुख्य रूप से दिनेश कुमार, साइबर थाना प्रभारी गिरिडीह पुनीत कुमार गौतम, साइबर थाना गुंजन कुमार, साइबर थाना संजय मुखियार, साइबर थाना पुलिस लाइन से सशस्त्र बल गांडेय थाना का चौकीदार शामिल थे। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें और साइबर ठगी से सतर्क रहें।

मिडिल ईस्ट में युद्ध के बीच ईंधन भंडारण पर प्रशासन सख्त, लोगों से संयम बरतने की अपील

मधुबनी, (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं। इसका असर स्थानीय स्तर पर भी देखने को मिल रहा है। जहां कुछ लोग आवश्यकता रूप से पेट्रोल-डीजल का भंडारण करने लगे हैं। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मधुबनी जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील किया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत से अधिक ईंधन का भंडारण न करें। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि ईंधन का अवैध भंडारण न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे आग लगने जैसी गंभीर दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। घरों, दुकानों या अन्य स्थानों पर ज्वलनशील पदार्थों का बिना सुरक्षा मानकों के भंडारण करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि फिलहाल जिले में ईंधन की आपूर्ति सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। तेल कंपनियां नियमित रूप से आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं, इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व अफवाह फैलाकर कृत्रिम संकट उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे आम जनता प्रभावित हो सकती है। प्रशासन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल का भंडारण करते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों को निगरानी बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही, अग्निशमन विभाग ने भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सदर एसडीओ चंदन कुमार झा ने कहा कि पेट्रोल पंप मालिक को निर्देश दिया गया है कि किसी भी व्यक्ति को पेट्रोल डीजल भंडारण के लिए गैलन में पेट्रोल पेट्रोल न दें।

विद्यालय में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

मधुबनी, (ईएमएस)। उत्क्रमित मध्य विद्यालय जितवारपुर में प्रधानाध्यापक सतीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों का आगमन हुआ खासकर महिला अभिभावक बड़ी संख्या में भाग लिया। अभिभावकों का स्वागत करते हुए प्रधानाध्यापक सतीश कुमार सिंह ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। विद्यालय की छात्रा शालिनी एवं अनामिका ने स्वागत गान से कार्यक्रम में आये अभिभावकों का स्वागत किया। प्रधानाध्यापक ने संगोष्ठी का थीम प्रवेश से प्रगति तक विद्यालय और अभिभावक साथ- साथ पर विस्तृत चर्चा करते हुए शत प्रतिशत नामांकन एवं उपस्थिति पर अभिभावक और विद्यालय को मिलकर कैसे बच्चों का भविष्य संवारना है। विषय से चर्चा की शुरुआत की। वर्ग 1 से 8 तक में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया तथा सभी बच्चों का प्रगति पत्र वितरण किया गया। अभिभावकों में छोटन झा, प्रेमकांत झा, प्रशांत कुमार झा, पंकज कुमार झा, जितेन्द्र झा, कालीनाथ झा, सीमा झा, विनीता देवी, पार्वती देवी, ललिता देवी, वंदना कुमारी पांडेय, रीता देवी, नईमा खातून, अफीफा खातून, नरगिस खातून सहित बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए।

दो पक्षों के बीच सरकारी रास्ता को घेरने के विवाद में मारपीट, एक महिला की मौत, मुख्य आरोपी रामेश्वर सहनी गिरफ्तार

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिले के देवधा थाना क्षेत्र के उसराही गांव में सरकारी रास्ता को घेरने को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। सूचना प्राप्त होते ही देवधा थाना कि पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना स्थल पर पंहुचकर घायल अवस्था में महिला को तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस की एफएसएल की टीम बुलाया गया एवं शव निरीक्षण कर जांच की गयी। शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया गया। इस घटना के संबंध में देवधा थाना कांड संख्या 47/26 रविवार को दर्ज किया गया। घटना की जानकारी देते हुए एसपी योगेंद्र कुमार ने कहा कि देवधा थाना द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उसराही गांव के आरोपी रामेश्वर सहनी को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जयनगर द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है। घटना की सभी पहलुओं का अनुसंधान जारी है। दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध विधि-सम्मत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। वर्तमान में स्थिति सामान्य है। विधि व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

लालू की मुंगेरी लाल के हसीन सपना तेजस्वी की ताजपोशी, सपना कभी पुरा नहीं होगाः प्रेम रंजन पटेल

पटना, (ईएमएस)। मुख्यमंत्री नितीश कुमार जी के राज्यसभा जाने के निर्णय से सबसे ज्यादा खुशी राजद मना रही है, जहाँ एक ओर एनडीए विकास, स्थिरता और सुशासन की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं दूसरी ओर आरजेडी खेमे में बौखलाहट साफ दिखाई दे रही है। लालू प्रसाद और उनका परिवार लगातार सत्ता से दूर रहने की हताशा में इस स्तर तक उतर आया है कि गंभीर राजनीतिक घटनाक्रम पर असंवेदनशील गतिविधियों के जरिए जश्न मना रहा है। यह न केवल राजनीतिक संस्कृति को गिराता है बल्कि बिहार की गरिमा का भी अपमान है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल ने अपने प्रेस बयान में आगे कहा कि बिहार की जनता परिवारवाद और अराजक राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है। तेजस्वी यादव की ताजपोशी का सपना सिर्फ लालू परिवार की महत्वाकांक्षा है, जिसे जनता बार-बार खारिज कर चुकी है और आगे भी करती रहेगी।

नीतीश-भाजपा ने फिर पलटी मारी, मुफ्त 125 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा मगर जनता को लूटने वाले महज 4 महीने में ही अपने असल रंग में लौटेः तेजस्वी यादव

पटना, (ईएमएस)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा चुनाव से पहले मुफ़्त 125 यूनिट फ़्री बिजली देने को लेकर नीतीश-भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा है कि नीतीश-भाजपा ने फिर पलटी मारी, चुनावों के वक्त मुफ़्त 125 यूनिट फ़्री बिजली देने का वादा कर चीटर मीटर वाले जनता को लूटने वाले महज 4 महीने में ही अपने असल रंग में लौट आए। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने बयान में कहा कि अब बिहार में शाम 11 बजे तक सर्वाधिक खपत वाले 6 घंटे बिजली बिल 8.10 रूपये प्रति यूनिट, रात्रि 11 बजे से सुबह के 9 बजे तक यानि 10 घंटे तक 7.10 रुपए और फिर शेष 8 घंटे 5.94 रुपया प्रति यूनिट आपकी जेब से वसूलेंगे। 10 हजारिया के फेर में फौरी तौर पर खुश होकर वोट गिरवी रखने वालों को यह सरकार अभी इससे भी बुरे दिन दिखाएगी। नई सरकार के अभी 4 महीने ही हुए है, सरकार का खजाना एकदम खाली है और जो बचा-खुचा है उसे भ्रष्ट अधिकारी स्वयं समेट लेंगे। चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की अनैतिकता, धूर्तता और निर्लज्लता के सानिध्य में मशीनी तंत्र के मार्फ़त जनतंत्र को खत्म करने के इरादे से लड़े गए इस चुनाव में भ्रष्ट भूंजा पार्टी एवं भ्रष्ट अधिकारियों के कार्टेल ने स्थापित

लोकतांत्रिक मर्यादाओं, परंपराओं तथा लोकलाज को तार-तार करते हुए चुनाव के आख़िरी 35 दिनों में (वोटिंग के समय तक भी) जो 41,000 हज़ार करोड़ रुपए नगद सरकारी खजाने का बांटा है अब आगामी पाँच साल तक उसकी जी भरकर वसूली करेंगे। थके-हारे जिस चेहरे को सोची समझी साजिश और षड्यंत्र के तहत मोहरा बनाया गया, अब उसी अचेत चेहरे को भ्रष्ट और डरपोक सिंडिकेट ने इकरारनामे के तहत दरकिनार कर ही दिया है। देर-सवेर यह लोकतांत्रिक कलंक और आसमानी वादों की विफलता भी उन्हीं के माथे मढ़ी जाएगी। पूर्व की मेरी कहे अन्य तमाम बातों की तरह यह भी सत्य साबित होगा। तेजस्वी यादव आगे कहते हैं कि बिहार में पहले से ही बेकाबू रिश्वतखोरी, लूट और अनियंत्रित भ्रष्टाचार का अब अकल्पनीय दौर शुरू होगा।

नीतीश के एमएलसी से इस्तीफे पर रोते हुए चौधरी ने कहा बिहार को नीतीश जैसा अभिभावक मिलना मुश्किल

पटना,(ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्य विधान परिषद (एमएलसी) की सदस्यता से अपना त्यागपत्र दे दिया है। हालांकि, इस फैसले के बाद भी वह अभी राज्य के मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने वाले है। नीतीश के इस्तीफे के बाद नेताओं की लगातार प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जदयू नेताओं ने कहा कि उनके जाने से बिहार दुखी है। वहीं, मंत्री अशोक चौधरी उनके इस्तीफे के बाद रोते हुए दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि उनके साथ काफी दिनों से काम कर रहा हूं। उनके जाने से दुखी हूं। वहीं, उन्होंने कहा कि देश में कोई दूसरा नीतीश कुमार नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि सदन में डांटना, पुचकारना, समझाना या कोई मंत्री जवाब देने में फंस जाता हो, तब उसको बेल आउट करना, यह सब नीतीश जी करते थे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार कोई नार्मल आदमी नहीं थे, वह इंटेलीजेंट मुख्यमंत्री रहे हैं। उनकी हर विभाग में अच्छी पकड़ थी। वह नए मंत्रियों को भी गाइड करते थे। जेडीयू विधायक चौधरी ने कहा कि बिहार को नीतीश कुमार जैसा अभिभावक मिलना मुश्किल है। इस दौरान उन्होंने नीतीश की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह गार्जियन के तौर पर हमेशा मार्गदर्शन करते रहने वाले है। उनके मार्गदर्शन में चलेगी सरकार चौधरी ने कहा कि विकास की जो लाइन नीतीश कुमार ने खींची है। उनके बाद जो भी आएगा उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

पटना यूनिवर्सिटी में सीएम नितीश कुमार के कार्यक्रम में छात्र नेताओं ने की जमकर नारेबाजी

पटना, (ईएमएस)। सोमवार को जब पटना यूनिवर्सिटी में नए एकेडमिक और प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहुंचे तब छात्र नेताओं ने वहां जमकर हंगामा किया और नारे लगाए। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर ने कहा कि इस कार्यक्रम को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई थी और कुलपति को भी इसके लिए आमंत्रित नहीं किया गया। हंगामे के चलते मुख्यमंत्री ने भी अपने कार्यक्रम को महज 10 मिनट के अंदर ही समाप्त किया और वहां से निकल गए। उधर छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर कॉलेज गेट पर ताला लगाने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें ताला लगाने से रोका गया। उन्होंने कहा कि वह विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में छात्रों के हित में अपनी बातें रखेंगे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और शिक्षा मंत्री सुनील सिंह ने भी छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन छात्र नहीं माने। डीएम त्यागराजन ने भी छात्रों को शांत करने का प्रयास किया। आपको बता दें कि पटना यूनिवर्सिटी के नए प्रशासनिक और एकेडमिक भवन (कला संकाय) का निर्माण 147.29 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। प्रशासनिक भवन G+8 और एकेडमिक भवन G+9 है। उद्घाटन के बाद नए प्रशासनिक ब्लॉक में विश्वविद्यालय का मुख्यालय शिफ्ट होगा और एकेडमिक भवन में दरभंगा हाउस से सभी पीजी विभाग शिफ्ट होंगे। इसके साथ ही वाणिज्य कॉलेज फिलहाल दरभंगा हाउस में शिफ्ट किया जाएगा।

एलपीजी की कमी और उपभोक्ताओं में बढ़ती घबराहट के बीच पटना में पीएनजी कनेक्टिविटी का विस्तार

अब तक पटना में 30,800 से जयादा घरों को दिए गए कनेक्शन

पटना, (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों में आई अस्थिरता से एलपीजी की कमी और उपभोक्ताओं में बढ़ती घबराहट के बीच, बिहार की राजधानी पटना सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के खाना पकाने का ईंधन सुनिश्चित करने के लिए तेज़ी से पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की ओर बढ़ रही है। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) ने अब तक पटना में 30,800 से ज़्यादा घरों को कनेक्शन दिए हैं और आने वाले महीनों में इस नेटवर्क का विस्तार कम से कम 70,000 और घरों तक करने की योजना है। गेल के अधिकारियों के अनुसार, पीएनजी कनेक्टिविटी का विस्तार अब तक दानापुर से गांधी मैदान तक बेली रोड के किनारे घनी आबादी वाले इलाकों में हो चुका है, जिसमें बोरिंग रोड और अनीसाबाद जैसे इलाके भी इस नेटवर्क से जुड़ गए हैं। अब ध्यान सरकारी आवासीय क्षेत्रों पर है, जिनमें गर्दनीबाग, आर ब्लॉक और बाईपास के किनारे वाले इलाके शामिल हैं। गेल के महाप्रबंधक और ज़िला प्रभारी एके सिन्हा कहते हैं कि पीएनजी कनेक्शन की शुरुआती लागत 500 रुपये है, और बिलिंग वास्तविक खपत के आधार पर होती है।

उन्होंने कहा, औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, पाइपलाइन बिछाने और उसे चालू करने में आमतौर पर लगभग तीन दिन लगते हैं, और साथ ही पीजी, एलपीजी की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत सस्ती और काफ़ी ज़्यादा सुरक्षित है। उन्होंने कहा,हवा से हल्की होने के कारण, रिसाव होने पर पीएनजी तेज़ी से फैल जाती है, इसके विपरीत, एलपीजी सिलेंडर में गैस जमा हो सकती है और ख़तरा पैदा कर सकती है। जिन निवासियों ने पीएनजी अपना ली है, उनका कहना है कि यह प्रणाली सुविधा और मानसिक शांति प्रदान करती है। अधिकारियों का कहना है कि पटना में पीएनजी की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है।

रविवार को पटना में 22 नए घरेलू कनेक्शन के आवेदन प्राप्त हुए। हालाँकि, कुछ इलाकों में विस्तार करना अभी भी मुश्किल बना हुआ है, क्योंकि वहाँ मेट्रो रेल और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, जिनकी वजह से पाइपलाइन का काम बाधित हो रहा है।

मासूम बच्ची से रेप के आरोप में निजी स्कूल का बस ड्राइवर गिरफ्तार

सीवान, (ईएमएस)। बिहार के सीवान ज़िले में एक निजी स्कूल के बस ड्राइवर को 12 साल की बच्ची से रेप के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह घटना शुक्रवार देर रात तब हुई, जब बच्ची रामनवमी के मेले से लौट रही थी। आरोपी ड्राइवर ने रास्ते में बच्ची को बहला-फुसलाकर मेले में एक दुकान से कुछ चीज़ें दिलाने का बहाना बनाया और उसे एक खेत में ले गया, जहाँ उसने इस वारदात को अंजाम दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बच्ची का इलाज एक सरकारी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और बच्ची (जो छठी क्लास की छात्रा है) एक-दूसरे को जानते थे, क्योंकि आरोपी उसी निजी स्कूल का बस ड्राइवर था, जहाँ बच्ची पढ़ती थी। आरोपी पास के ही एक गाँव का रहने वाला है। पुलिस ने कहा कि शुक्रवार शाम को बच्ची गाँव में लगे रामनवमी के मेले में गई थी, तभी आरोपी उसका पीछा करने लगा। आरोपी, जिसकी पहचान सावली कुमार यादव (36) के तौर पर हुई है, ने बच्ची को यह कहकर बहलाया कि उसके जीजा ने मेले में एक दुकान लगाई है और वह उसे वहाँ से कुछ चीज़ें दिलाएगा। इसके बाद आरोपी बच्ची को एक सुनसान जगह की तरफ़ ले गया, उसे खींचकर गेहूँ के खेत में ले गया और उसके साथ यौन शोषण किया, फिर उसे बुरी तरह घायल हालत में छोड़कर वहाँ से फ़रार हो गया। बाद में, परिवार वालों की खोजबीन के दौरान बच्ची एक स्कूल के पास रोती हुई मिली। शुरुआत में वह यह बता पाने की हालत में नहीं थी कि उसके साथ क्या हुआ है। घर ले जाने के बाद उसने अपनी दादी को अपने साथ हुई इस वारदात के बारे में बताया, जिसके बाद परिवार वालों ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

एसडीएम कार्यालय में की छापेमारी, दो बाबू रिश्वत लेते धराये

भागलपुर, (ईएमएस)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने सोमवार को भागलपुर में सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय में छापा मारकर एक लिपिक मयंक कुमार तथा एक स्टेनो प्रेम कुमार को 70 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाथनगर आपूर्ति कार्यालय में तैनात अभिजीत कुमार से उनकी सेवा संपुष्टि के बदले आरोपियों ने मोटी रकम की मांग की थी। इससे परेशान होकर पीड़ित ने पटना स्थित निगरानी विभाग से शिकायत की। शिकायत की पुष्टि होने के बाद विभाग ने जाल बिछाया। निगरानी डीएसपी विद्यांचल प्रसाद के नेतृत्व में 9 सदस्यीय टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जैसे ही पीड़ित ने पैसे दिए, सादे लिबास में मौजूद टीम ने दोनों को धर दबोचा। इस गिरफ्तारी के बाद हड़कंप मचा है। निगरानी की टीम दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पटना के लिए रवाना हो गई जहां उन्हें विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। डीएसपी ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ यह जीरो टॉलरेंस की नीति आगे भी जारी रहेगी।

पंचायत भवन में मिला महिला कर्मचारी का शव

छपरा, (ईएमएस)। बिहार के छपरा में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसाढ़ी गांव में पंचायत भवन के अंदर एक महिला कार्यपालक सहायक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैली है। आश्चर्य की बात ये है कि जिस कमरे में शव मिला, उसका दरवाजा बाहर से बंद था, जिससे मामला रहस्यमय बन गया है। मृतका की पहचान प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है, जो पंचायत भवन में कार्यपालक सहायक के पद पर कार्यरत थीं। जानकारी के मुताबिक, प्रियंका रोज की तरह अपने काम के लिए पंचायत भवन गई थीं और दिनभर वहीं काम कर रही थीं। जब देर शाम तक वह घर नहीं लौटीं, तो परिवार के लोगों को चिंता होने लगी। परिजनों ने पहले आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिवार के सदस्य पंचायत भवन पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि भवन का दरवाजा बाहर से बंद है। इस वजह से वे अंदर नहीं जा सके और रातभर प्रियंका की तलाश करते रहे, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। अगली सुबह जब प्रियंका के पिता दोबारा पंचायत भवन पहुंचे, तो किसी तरह अंदर प्रवेश किया। अंदर का दृश्य देख उनके होश उड़ गए। कमरे में प्रियंका का शव पंखे से लटका मिला। यह खबर फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों के मुताबिक, प्रियंका की शादी साल 2019 में महमदपुर रसूलपुर गांव में हुई थी। शादी के बाद उनके दो बच्चे भी हुए, लेकिन उनका वैवाहिक जीवन ठीक नहीं चल रहा था।

दहेज को लेकर विवाद के कारण वह पिछले चार वर्षों से अपने मायके गड़खा में रह रही थीं और वहीं से नौकरी कर रही थीं। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि प्रियंका और उनके पति राजीव रंजन राय के बीच लंबे समय से दहेज प्रताड़ना को लेकर विवाद चल रहा था और इस संबंध में पहले से केस भी दर्ज है। परिवार का कहना है कि उन्हें कई बार धमकियां भी मिली थीं। इस घटना को लेकर परिजनों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह मामला सिर्फ आत्महत्या का नहीं हो सकता। जिस तरह से पंचायत भवन का दरवाजा बाहर से बंद था, उससे साजिश की आशंका और गहरा गई है। बहरहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया और पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 39 अधिकारियों का प्रमोशन, 9 अधिकारी बने विशेष सचिव

पटना, (ईएमएस)। बिहार प्रशासनिक सेवा के 39 अधिकारियों को प्रोन्नति दी गई है। इनमें 9 अधिकारियों को अपर सचिव से विशेष सचिव स्तर में प्रोन्नति दी गई है। जबकि 11 अधिकारियों को संयुक्त सचिव से अपर सचिव में प्रोन्नत किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 13 अधिकारियों को अपर सचिव से संयुक्त स्तर में प्रोन्नत किया गया है। जबकि 2 को उप सचिव से अपर समाहर्ता और 4 अधिकारियों को मूल कोटि से उप सचिव स्तर में प्रमोशन दिया गया है। जिन अधिकारियों को अपर सचिव से विशेष सचिव में प्रोन्नति दी गई है, उनमें मनोरंजन कुमार, कुमार देवेंद्र प्रोज्वल, शाहिद परवेज, मृणायक दास, डॉक्टर गगन, विकास कुमार, अनीता सिंह, अंजनी कुमार एवं जनार्दन कुमार शामिल हैं।

मॉरीशस के राष्ट्रपिता शिवसागर रामगुलाम की 125 वें जयंती वर्ष पर भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने उन्हें दी श्रद्धांजलि

पटना, (ईएमएस)। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सोमवार को मॉरीशस के राष्ट्रपिता शिवसागर रामगुलाम की 125 वें जयंती वर्ष के अवसर पर पटना के गांधी मैदान स्थित रामगुलाम चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। इस अवसर पर दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पटना की महापौर सीता साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, बिहार की मिट्टी से जुड़े रामगुलाम जी केवल मॉरीशस के राष्ट्रपिता ही नहीं थे, बल्कि वे उस विचारधारा के प्रतीक थे, जिसने स्वतंत्रता, स्वाभिमान और वैश्विक भारतीय पहचान को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा मॉरीशस के राष्ट्रपिता शिवसागर रामगुलाम के 125 वीं जयंती पर जयंती वर्ष मना रही है। उन्होंने कहा कि मॉरीशस की आज़ादी में उनका योगदान इतिहास के स्वर्णिम अध्याय में अंकित है। वे केवल मॉरीशस के राष्ट्रपिता ही नहीं, बल्कि भारत और मॉरीशस के बीच अटूट सेतु के संस्थापक भी थे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि वे वर्षों पूर्व भारत की संस्कृति और संस्कार लेकर मॉरीशस पहुंचे, और वहाँ की जीवन-धारा में रच-बस गए। उन्होंने कहा, शिवसागर रामगुलाम जी ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर मॉरीशस को न सिर्फ आज़ादी दिलाई, बल्कि वहाँ के पहले प्रधानमंत्री भी बने। उन्हें मॉरीशस में राष्ट्रपिता का दर्जा प्राप्त है। एक गिरमिटिया मजदूर के बेटे ने संघर्ष के दम पर राष्ट् का प्रमुख बन जाना, कितने गौरव की बात है। आज उनकी जयंती हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देती है कि हम उनके आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रहित, वैश्विक एकता और भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना योगदान दें।

गैर राजनीतिक परिवारों के युवाओं को पार्टी से जोड़ने पर होगा मुख्य फोकसः संजय सरावगी

पटना, (ईएमएस)। भाजपा अगले महीने स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाने जा रही है। स्थापना दिवस पर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बिहार भाजपा द्वारा पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने एक बैठक की। इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया, प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा सहित पार्टी के अन्य सम्मानित पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वर्चुअल माध्यम से हुए इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिला और मंडल के पदाधिकारी भी जुड़े। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। साथ ही स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भव्य, सुव्यवस्थित एवं जनसंपर्क को सुदृढ़ करने के लिए विस्तृत बातचीत हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि देश के कोने-कोने से करोड़ों कार्यकर्ता पार्टी के स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं तथा सेवा भाव और राष्ट्र प्रथम के मूलमंत्र को अपनाते हुए कार्य करने का संकल्प लेते हैं। इस बार स्थापना दिवस पर गैर राजनीतिक परिवारों के युवाओं को पार्टी से जोड़ने, पार्टी की नीतियों और उसके कार्यों तक उन तक पहुंचाना हम लोगों का मुख्य फोकस होगा। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसे लेकर जिला, मंडल से लेकर बूथ स्तर पर व्यापक तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार पार्टी के स्थापना दिवस पर छह अप्रैल से 12 अप्रैल तक भाजपा स्थापना दिवस को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पांच से सात अप्रैल को पार्टी पदाधिकारी कार्यालय की सजावट करेंगे, छह अप्रैल को विकास यात्रा होगी। कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर भाजपा का ध्वजारोहण करेंगे और उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे। 6 या 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक और सक्रिय सदस्यों के साथ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक और सक्रिय सदस्य स्थापना दिवस मनाएंगे। आठ और नौ अप्रैल को जिला कार्यालय में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न चयनित विषयों जैसे भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और चुनावी सफलताओं में जन समर्थन पर चर्चा की जाएगी।

आज बिहार के हर जिले में कांग्रेस करेगी प्रेस कॉन्फ्रेंस

पटना, (ईएमएस)। रसोई गैस (एलपीजी) की भारी किल्लत, बढ़ती महंगाई और आम जनता की परेशानियों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने राज्यव्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में आज दिनांक 31 मार्च को बिहार के सभी जिलों में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने इसके लिए वरिष्ठ नेताओं का पैनल बनाया है, जो आवंटित अपने-अपने जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार की नीतियों के कारण उत्पन्न गैस संकट और महंगाई के मुद्दे को उठाएंगे तथा जनता के सामने सच्चाई रखेंगे। जिलों के लिए नामित नेताओं की सूची इस प्रकार है-

पश्चिम चंपारण- शैलेन्द्र शुक्ला
पूर्वी चंपारण– मदन मोहन तिवारी (पूर्व विधायक)
मुजफ्फरपुर– बंटी चौधरी (पूर्व विधायक)
सीतामढ़ी– भावना झा (पूर्व विधायक)
शिवहर– कमलेश सिंह
वैशाली– पूनम पासवान (पूर्व विधायक)
दरभंगा– तारानंद सदा
मधुबनी– मिथिलेश चौधरी
समस्तीपुर– प्रो. रूपम यादव
सहरसा– राजीव कुमार (एमएलसी)
सुपौल– कृपानाथ पाठक (पूर्व मंत्री)
मधेपुरा– प्रमोद कुमार सिंह (पूर्व विधायक)
अररिया– मिन्नत रहमानी
पूर्णिया– जय प्रकाश चौधरी
किशनगंज– तौकीर आलम
कटिहार– केसर सिंह
भागलपुर– जितेन्द्र यादव
बांका– प्रवीण सिंह कुशवाहा
गोपालगंज– सरदार बग्गा सिंह
सीवान– संजय सिंह यादव
सारण– प्रतिमा कुमारी (पूर्व विधायक)
बेगूसराय– प्रो. अनीता शर्मा
मुंगेर– अनामिका शर्मा
जमुई– सिद्धार्थ प्रसाद
शेखपुरा– प्रो. सुनील कुमार
लखीसराय– यशवंत कुमार चमन
खगड़िया– शिव प्रकाश गरीब दास (अध्यक्ष, बीवाईसीसी)
पटना शहरी– सदाकत आश्रम में राजेश राम (अध्यक्ष), डॉ. मदन मोहन झा, डॉ. शकील अहमद खान, प्रेम चंद्र मिश्रा
नालंदा– विनीता भगत
भोजपुर– कुमार आशीष (पूर्व अध्यक्ष, बीवाईसीसी)
रोहतास– रामचंद्र सिंह यादव
बक्सर– रीता सिंह
कैमूर– संतोष मिश्रा (पूर्व विधायक)
गया– कपिल देव प्रसाद यादव
जहानाबाद– डॉ. समीर कुमार सिंह (एमएलसी)
औरंगाबाद– चंद्र प्रकाश सिंह
अरवल– शशिकांत तिवारी
नवादा– ऋषि मिश्रा (पूर्व एमएलसी)

प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा है कि गैस की भारी किल्लत और लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता त्रस्त है, लेकिन केंद्र सरकार इस समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिख रही है। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी राज्य के हर जिले में जनता की आवाज बुलंद करेगी।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस के सॉफ्ट हिंदुत्व वाले रुख से उसका कोर वोटर बीजेपी की ओर जा रहा : विजयन

तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस)। केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। बीते दस साल से लेफ्ट के नेतृत्व वाला एलडीएफ यानी लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सत्ता में है। एलडीएफ की ओर से मुख्यमंत्री पी. विजयन चुनावी कमान संभाल रहे हैं। 80 वर्षीय विजयन प्रचार से लेकर विरोधियों के आरोपों का जवाब देने तक हर मोर्चे पर आक्रमक दिख रहे हैं। यहां मुकाबला सीधे कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ यानी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट से है। हालांकि वे कहते हैं कि कांग्रेस के सॉफ्ट हिंदुत्व वाले रुख से उसका कोर वोटर बैंक धीरे-धीरे भाजपा की झोली में जा रहा है। विजयन ने एंटी इंकंबेंसी पर कहा कि कोई एंटी इंकंबेंसी नहीं है। हम 10 साल से लगातार कल्याणकारी और विकास के काम कर रहे हैं। बाढ़ हो या वैश्विक महामारी, हम हमेशा जनता के साथ खड़े रहे। स्वास्थ्य और शिक्षा का हमारा ढांचा दूसरे राज्यों के लिए मिसाल बन चुका है। वहीं उन्होंने कहा कि केरल में सांप्रदायिक राजनीति के लिए जगह नहीं है। भाजपा चाहे जितनी ताकत और पैसा लगा ले, यहां अपनी जड़ें नहीं जमा सकती है। यहां के लोग उन दलों के साथ हैं, जो पूरी तरह सेक्यूलरिज्म और अल्टरनेटिव डेवलपमेंट मॉडल में यकीन करते हैं। हां, यह जरूर दिख रहा है कि कांग्रेस का वोट भाजपा की ओर जा रहा है। नेमोन और त्रिशूर जैसी जगहों पर यह साफ नजर आया है। यह कांग्रेस के राजनीतिक गिरावट को दिखाता है।

जैक लगा बिल्डिंग उठाने के दौरान हुआ हादसा, 3 लोगों की मौत

बरनाला,(ईएमएस)। बरनाला में रविवार सुबह एक मकान के गिर जाने से 3 लोग उसके मलबे में दब गए। इस घटना में तीनों ही लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल दुर्घटनाग्रस्त मकान के अंदर ये तीनों सोए हुए थे। बताया जाता है कि हादसे के बाद तीनों लोगों को मलबे से निकाला गया और नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मलबा हटाने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची थीं। जेसीबी मशीनों की मदद से तत्काल ही मलबे को हटाया गया और अधिकारियों ने 3 लोगों के शव बरामद किए थे। इसके बाद भी कई घंटे तक जेसीबी से सफाई करवाई गई, ताकि यदि कोई और मलबे में दबा हो तो उसे भी निकाला जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्घटनाग्रस्त मकान की नींव धंस गई थी, जिसके बाद उसे जैक लगाकर से ऊपर उठाने का काम किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, वे इसी काम को करने में लगे हुए थे। इस काम में कुल 4 लोग लगे हुए थे, लेकिन एक व्यक्ति शनिवार शाम ही अपने घर चला गया था, जिससे उसकी जान बच गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बीओबी पर लगाया पांच साल का प्रतिबंध मप्र सरकार ने 24 घंटे में लिया वापस

भोपाल,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 1,751 करोड़ के फंड के कुप्रबंधन के आरोपों के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा पर लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को 24 घंटे के अंदर वापस ले लिया है। 27 मार्च 2026 को जारी आदेश को बैंक द्वारा अपनी स्थिति स्पष्ट करने के बाद 28 मार्च को निरस्त कर दिया गया और सरकारी लेनदेन बहाल कर दिए। बैंक पर आरोप था कि उसने सरकारी निर्देशों के अनुसार 1,751 करोड़ की राशि को सही सरकारी खाते में स्थानांतरित नहीं किया, जिससे प्रशासनिक नुकसान हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंक की ओर से प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किए जाने के बाद राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध हटा लिया है। पहले आदेश में बैंक को सभी सरकारी विभागों और निकायों से पांच साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया था। यह तेजी से लिया गया निर्णय सरकार की ओर से एक संभावित परिचालन चूक या संचार की कमी को दर्शाता है।

एफडी घोटाले के बाद पुलिस ने लगा दिए बैंकों में ताल, कर्मचारी रहे बाहर खड़े

पंचकूला (ईएमएस)। हरियाणा के पंचकूला में 150 करोड़ रुपये के एफडी घोटाले ने सनसनी मचा दी है। पंचकूला नगर निगम ने कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में जमा किए गए अपने एफडी फंड्स को फर्जी खातों में ट्रांसफर होने का आरोप लगाया है। नगर निगम के कमिश्नर विनय कुमार के अनुसार, कुछ एफडी लंबे समय से बैंक की पंचकूला ब्रांच में थीं। जब एक एफडी की मैच्योरिटी पर फंड ट्रांसफर करने का प्रयास किया गया, तब गड़बड़ी उजागर हुई। जांच में यह पाया गया कि अन्य एफडी में भी गड़बड़ी है, जिसमें कुल लगभग 150 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस पूरे मामले की जांच हरियाणा पुलिस कर रही है, लेकिन बैंक कर्मचारियों की ओर से सहयोग नहीं मिल रहा है। पुलिस के अनुसार, कर्मचारियों ने जांच में शामिल होने से इंकार कर दिया, इसकारण सोमवार को दोनों बैंकों की ब्रांचों के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। कर्मचारियों को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया और बैंक की शाखाओं में ताले लगा दिए गए। ताले न खुलने के कारण बैंक कर्मचारी बाहर ही खड़े रहे। घोटाले के पीछे एफडी की फर्जी ट्रांसफरिंग और कर्मचारियों के सहयोग न करने की वजह से जांच प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। पुलिस का कहना है कि कर्मचारियों के विरोध के बावजूद पूरी जाँच जारी रहेगी। इस घटना ने पंचकूला में वित्तीय सुरक्षा और बैंकिंग प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि किसने और कैसे नगर निगम के फंड्स का गबन किया।

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को, बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में मतदाता अपील के लिए पोर्टल शुरू, ऑफलाइन प्रक्रिया पर असमंजस

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ अपील करने के लिए चुनाव आयोग का ऑनलाइन पोर्टल रविवार से शुरू हो गया है। हालांकि, ऑफलाइन माध्यम से अपील कैसे की जाएगी, इस पर अभी स्पष्टता नहीं है। अधिकारियों का मानना है कि इस असमंजस के कारण बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता प्रभावित हो सकते हैं, जो इंटरनेट का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। अपीलों की सुनवाई के लिए 19 न्यायिक ट्रिब्यूनल गठित किए गए हैं। प्रत्येक अनुपूरक सूची में उल्लेख है कि अपील 15 दिनों के भीतर दायर करनी होगी, लेकिन यह समयसीमा किस तारीख से लागू होगी, इस पर चुनाव आयोग ने अभी तक स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए हैं। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, अपील जिला कलेक्टर (डीएम), एसडीएम या एसडीओ कार्यालय में ऑफलाइन भी जमा की जा सकती है। संबंधित कार्यालय इन आवेदनों को जल्द से जल्द ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करेंगे।

लोकसभा में नक्सलवाद पर अमित शाह का सख्त संदेश

जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब देना होगा

गृह मंत्री बोले, बस्तर में नक्सलवाद लगभग खत्म, विकास से बदली तस्वीर

31 मार्च तक उन्मूलन का रखा गया था लक्ष्य

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में बजट सत्र के दौरान सोमवार को नक्सलवाद के मुद्दे पर हुई चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा कि "जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब देना होगा।" उन्होंने देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही मुहिम का उल्लेख करते हुए दावा किया कि छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अब नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है और वहां विकास की नई धारा बह रही है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की अनुमति देने के लिए स्पीकर ओम बिरला के प्रति आभार जताया और कहा कि 1970 से 2026 तक की घटनाओं की श्रृंखला पर चर्चा देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से यह मुद्दा व्यापक बहस से दूर रहा, जबकि इससे देश के हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। गृह मंत्री शाह ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर के गांवों में स्कूल खोलने, राशन की दुकानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और गैस चूल्हों के वितरण जैसी योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। शाह ने सवाल उठाया कि जो लोग पहले नक्सलवाद का समर्थन करते थे, उन्होंने इन बुनियादी सुविधाओं के लिए पहले प्रयास क्यों नहीं किए।

नक्सलवाद के कारण हुए नुकसान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस हिंसा में लगभग 20 हजार युवाओं की जान गई और कई लोग दिव्यांग हो गए। उन्होंने इसे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि संसद को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। अमित शाह ने नक्सलवाद को केवल विकास की कमी का परिणाम मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह एक विचारधारा से प्रेरित समस्या है, जिसे समय के साथ बढ़ावा मिला और इसका विस्तार हुआ। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री शाह ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय किए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में तेजी से काम हुआ है। लोकसभा में नियम 193 के तहत इस विषय पर चर्चा की शुरुआत शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने की थी, जिसके बाद अन्य सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया और अब शाम को गृह मंत्री ने विस्तृत जवाब दिया। अपने जवाब में केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले 12 राज्यों और आदिवासी समुदायों की ओर से वे इस चर्चा के लिए आभार व्यक्त करते हैं। शाह के अनुसार, इन क्षेत्रों के लोग लंबे समय से चाहते थे कि उनकी समस्याएं संसद में उठें और देश तथा दुनिया के सामने वास्तविक स्थिति सामने आए। गृह मंत्री शाह के लोकसभा में दिए गए इस आशय के बयान के बाद नक्सलवाद पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज होने की संभावना है, खासकर तब जब सरकार ने इसके पूर्ण उन्मूलन के लिए सख्त समयसीमा तय कर रखी है।

ईरान युद्ध से भारत के 10.68 अरब डॉलर के कृषि और डेयरी निर्यात पर छाया संकट

बासमती चावल, भैंस का मांस, फल और सब्जियां, मसाले, पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष से पैदा हुए भू-राजनीतिक तनाव ने भारत के कृषि और डेयरी निर्यात पर बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। खाड़ी और मध्य पूर्व के देशों को होने वाला 10.68 अरब डॉलर का निर्यात अब लॉजिस्टिक्स बाधाओं और बढ़ती लागत के चलते दबाव में आ गया है। वहीं स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज के बंद होने से लौट रहे मालवाहक जहाजों के लिए सरकार विशेष राहत उपाय भी लागू कर रही है।

दरअसल, मध्य पूर्व, विशेषकर गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देश जैसे यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, कतर और बहरीन और इसके साथ ईरान, इराक और यमन, भारतीय कृषि और डेयरी उत्पादों के प्रमुख बाजार हैं। इन देशों में भारत के कुल कृषि निर्यात का करीब 20.5 फीसदी हिस्सा जाता है। करीब एक महीने बाद भी हालात सामान्य नहीं होने से भारतीय निर्यातकों पर संकट गहराने लगा है। बासमती चावल, भैंस का मांस, ताजे फल और सब्जियां, मसाले, डेयरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। 2 मार्च को सरकार ने 'सप्लाई चेन लचीलापन' के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह सक्रिय किया है। इसमें पोत परिवहन, पेट्रोलियम, वित्तीय सेवा, डीपीआईआईटी, सीबीआईसी, विदेश मंत्रालय और आरबीआई सहित कई एजेंसियां शामिल हैं। यह समूह नियमित समीक्षा बैठकों, दैनिक रिपोर्ट और निर्यातकों के लिए समर्पित संचार चैनल के जरिए हालात पर नजर रख रहा है। 19 मार्च को डीजीएफटी ने निर्यात जोखिम कम करने के लिए विशेष योजना शुरू की, जिसे ईसीजीसी के जरिए लागू किया जा रहा है। निर्यात दायित्व पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त 2026 तक बढ़ाई गई, वह भी बिना अतिरिक्त शुल्क के। सीमा शुल्क बोर्ड ने फंसे माल के लिए सरल कस्टम क्लीयरेंस, ट्रांजिट और री-एक्सपोर्ट की सुविधा दी। हॉर्मूज बंद होने से लौट रहे कार्गो के लिए बर्थिंग, ऑफलोडिंग, शिपिंग बिल रद्द करने और बैक-टू-टाउन की सुविधा दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक प्रमुख बंदरगाहों पर सातों दिन 24 घंटे नोडल अधिकारी, अतिरिक्त स्टोरेज, जल्दी खराब होने वाले सामान की प्राथमिकता और शुल्क में छूट जैसे कदम लागू किए गए। न्हावा शेवा, मुंद्रा और कांडला जैसे बंदरगाहों पर बैक-टू-टाउन सुविधा आसान की गई और कुछ मामलों में जांच व जुर्माना भी माफ किया गया। विदेश मंत्रालय वैकल्पिक समुद्री रास्ते खोज रहा है, जबकि पेट्रोलियम मंत्रालय मॉनिटरिंग से जहाजों की ट्रैकिंग कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकार पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में विकसित हो रही भू-राजनीतिक स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, जिसमें भारत के बाहरी व्यापार, शिपिंग मार्गों और लॉजिस्टिक्स श्रृंखलाओं पर इसके प्रभाव भी शामिल हैं। निर्यातकों ने माल ढुलाई दरों में वृद्धि, युद्ध-जोखिम अधिभार लगाए जाने, कंटेनरों की कमी, शिपमेंट शेड्यूल में देरी और बंदरगाहों पर भीड़भाड़ जैसे व्यवधानों की सरकार को रिपोर्ट दी है।

स्कूल मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला

सीएम योगी ने नए सत्र की दी शुभकामनाएं

कहा-कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि सरकार यह तय कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योगी ने बच्चों को संबोधित एक पत्र एक्स पर साझा करते हुए कहा कि मेरे प्यारे बच्चो, नया शैक्षणिक सत्र शुरु हो रहा है। आप सभी को स्वर्णिम भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि नए सत्र में आप अपनी रुचि के विषय, खेल एवं विद्यालय की गतिविधियों में पूरे मनोयोग से हिस्सा लें और अपने सपनों में रंग भरें। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक 'स्कूल चलो अभियान' हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा। पत्र में उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व मुझे अपने विद्यालय जाने का सौभाग्य मिला, जहां से मुझे जीवन की मूल शिक्षा एवं संस्कार मिले और आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि विद्यालय मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला है। योगी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम और भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोगी स्वरूप की पहली सीढ़ी उनका गुरुकुल ही था। उन्होंने कहा कि आप सबके लिए भी शिक्षा इसी कर्तव्य पथ का अभिन्न अंग है। स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर आप सभी परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ असंभव लक्ष्य भी प्राप्त कर सकते हैं। सीएम ने बच्चों को तकनीक के सही उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युग तकनीक का है, इसलिए उसका सही इस्तेमाला करना सीखें।

'स्क्रीन टाइम' के स्थान पर 'एक्टिविटी टाइम' पर ध्यान केंद्रित करें और खूब खेलें-खूब पढ़ें। उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान किया कि अपने बच्चों को उत्तम शिक्षा दिलाने के साथ-साथ अपने आस-पड़ोस के उन बच्चों को भी विद्यालय पहुंचाने का संकल्प लें, जो शिक्षा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण जो बच्चे विद्यालय में प्रवेश नहीं कर पाते और सुविधाओं से वंचित हैं, उनके परिवारों को जागरूक करें।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका

आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

विशाखापट्टनम,(ईएमएस)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है। इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है।

इस बार जनगणना आबादी का आंकड़ा नहीं आपके रहन-सहन की डिजिटल कुंडली होगी

1 अप्रैल से शुरु होगा अभियान, मकान से लेकर खाने-पीने वाहन तक की देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश की 16वीं जनगणना अब केवल आबादी का आंकड़ा नहीं, बल्कि आपके रहन-सहन की पूरी डिजिटल कुंडली होगी। सरकार द्वारा जारी 33 नए एफएक्यू यानी अक्सर पूछे जाने वाले सवाल बताते हैं कि इस बार आपके घर की बनावट, इस्तेमाल होने वाले अनाज और यहां तक कि आपके पास मौजूद गाड़ियों के प्रकार पर भी पैनी नजर होगी। 1 अप्रैल से शुरू होने वाले इस अभियान में पहली बार जनता को खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर भरने की बड़ी सुविधा दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक और सामाजिक बदलाव वाला कदम उठाया है। सरकार ने पहले चरण की जनगणना के लिए 33 सवालों की सूची जारी की है। इसमें सबसे चौंकाने वाली और बड़ी बात लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर कही गई है। सेल्फ-एन्युमरेशन (स्व-गणना) पोर्टल पर जारी जानकारी के मुताबिक अगर कोई कपल लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा है और वे अपने रिश्ते को एक स्थिर संबंध मानते हैं तो जनगणना में उन्हें शादीशुदा जोड़ा ही माना जाएगा। यह पहली बार है जब जनगणना के आधिकारिक सवालों में इस तरह के सामाजिक ढांचे को स्पष्ट रूप से जगह दी गई है। सरकार ने उन लोगों के लिए एक खास पोर्टल खोला है जो सेल्फ-एन्युमरेशन का विकल्प चुनना चाहते हैं यानी अब आप खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। यह सुविधा जनगणना के दोनों चरणों हाउस लिस्टिंग और जनसंख्या गणना के लिए उपलब्ध होगी। जनता की आसानी के लिए पोर्टल पर 33 सवालों की लिस्ट दी गई है। सरकार ने साफ कर दिया है कि 1 अप्रैल 2026 से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा। इस दौरान घर-घर जाकर या ऑनलाइन माध्यम से नागरिकों से 33 सवाल पूछे जाएंगे। आप से जो सवाल पूछे जाएंगे उनमें घर के फर्श, दीवार और छत में किस सामग्री का इस्तेमाल हुआ है? घर के मुखिया का नाम, लिंग और वह किस समुदाय से ताल्लुक रखते हैं? घर में पीने के पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं कैसी हैं? आपके पास किस तरह के वाहन हैं? परिवार में मुख्य रूप से किस अनाज का सेवन किया जाता है? घर में कितने विवाहित जोड़े रहते हैं? मकान नंबर, बिल्डिंग नंबर और घर का मालिकाना हक क्या है? प्रश्नों का क्रम भवन नंबर और जनगणना मकान नंबर से शुरू होगा।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई, सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सियासी गलियारे में दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले है। मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा। बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

दिग्विजय भगवा पार्टियों के 'हिंदुत्व' का विरोध कर स्वयं को सनातन धर्म का मुखर समर्थक बताते हैं। वे 'सच्चे हिंदुत्व' को परिभाषित करने के मसले पर कई बार भाजपा, आरएसएस, विहिप और अन्य हिंदूवादी संगठनों को 'शास्त्रार्थ' की चुनौती दे चुके हैं। उनका कहना है कि जो भी 'सर्वधर्म समभाव' में विश्वास नहीं रखता, वह सनातन धर्म का सच्चा अनुयायी नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, हमारा सबसे पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता है, न कि मनुस्मृति है। इस सप्ताह रामनवमी पर भी दिग्विजय अयोध्या में दिखाई दिए थे। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वे न धर्म की राजनीति करते हैं और न धर्म का राजनीति के लिए दुरुपयोग करते हैं।

एक दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय को उनके गृहनगर राघोगढ़ में 'हिंदूपति' यानी धर्म का रक्षक कहा जाता है। यह उपाधि महान योद्धा पृथ्वीराज चौहान के दौर से जुड़ी है, जिनके वंशज होने का दावा उनका परिवार करता है। पार्टी के अनेक नेताओं का कहना है कि अगर राहुल गांधी दिग्विजय सिंह के पुराने रिकॉर्ड को निकलने पर कई काम सामने आएंगें,जो आज की राजनीति में उन्हें और भी प्रासंगिक ठहराते हैं। फरवरी 2002 का 'दिघोरी सम्मेलन' इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसका मकसद राम जन्मभूमि आंदोलन पर विश्व हिंदू परिषद के एकाधिकार को ध्वस्त करना था। दिग्विजय, जो तब मप्र के मुख्यमंत्री थे, ने अपने गुरु स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की मदद से कांची कामकोटि पीठ के सम्मानित शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती को एक मंच पर लाने का कारनामा किया था। इन लोगों ने मिलकर स्वामी स्वरूपानंद की अगुवाई में एक 'रामालय ट्रस्ट' का गठन किया था। उन्होंने इसके बाद राम मंदिर निर्माण का जिम्मा विहिप के बजाय इस ट्रस्ट को सौंपे जाने का दावा किया था।

संपादकीय

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फ़ीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा करके दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पर्दाफाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई-बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के मार्गदर्शक भगवान महावीर

संजय गोस्वामी

महावीर जयंती 2026 मंगलवार, 31 मार्च, 2026 पर विशेष

महावीर जयंती 2026 मंगलवार, 31 मार्च, 2026 को मनाई जा रही है। यह त्योहार जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2624वीं जयंती का प्रतीक है।भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसार, सभी तीर्थंकर इंसान के रूप में पैदा हुए थे, लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फ-रियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। तीर्थंकरों को अरिहंत या जिन भी कहा जाता है। भगवान महावीर इस समय के जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसार, सभी तीर्थंकर इंसान थे, लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फ-रियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। दुनिया को बनाने वाले, बचाने वाले और खत्म करने वाले के तौर पर भगवान का कॉन्सेप्ट जैन धर्म में नहीं है। साथ ही, राक्षसों का नाश करने के लिए भगवान के इंसान के रूप में दोबारा जन्म लेने का आइडिया भी जैन धर्म में नहीं माना जाता है। भगवान महावीर का जन्म चैत्र महीने के उगते चाँद की तेरहवीं तारीख को, 599 B.C. में भारत के बिहार राज्य में हुआ था। यह दिन इंग्लिश कैलेंडर के हिसाब से अप्रैल महीने में पड़ता है। उनके जन्मदिन को महावीर जयंती के तौर पर मनाया जाता है। महावीर एक राजकुमार थे और उनके माता-पिता ने उनका नाम वर्धमान रखा था। एक राजा के बेटे होने के नाते, उनके पास दुनियावी सुख-सुविधाएँ और सेवाएँ थीं। लेकिन तीस साल की उम्र में, उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दिया, दुनियावी चीज़ें छोड़ दीं, और दर्द, दुख और तकलीफ़ों को खत्म करने का हल ढूंढने के लिए साधु बन गए। महावीर ने अपनी इच्छाओं, भावनाओं और आसक्तियों पर काबू पाने के लिए अगले साढ़े बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। उन्होंने जानवरों, पक्षियों और पौधों सहित दूसरे जीवों को नुकसान पहुँचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज़ किया। वह लंबे समय तक बिना खाए भी रहे। वह सभी असहनीय मुश्किलों के बावजूद शांत और स्थिर रहे, इसलिए उन्हें महावीर नाम दिया गया, जिसका मतलब है बहुत बहादुर और हिम्मतवाला। इस दौरान, उनकी आध्यात्मिक शक्तियाँ पूरी तरह से विकसित हुईं और आखिर में उन्हें सही समझ, ज्ञान, शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल ज्ञान या पूर्ण ज्ञान के रूप में जाना जाता है। महावीर ने अगले तीस साल नंगे पैर पूरे भारत में घूमते हुए लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उनकी शिक्षा का आखिरी मकसद यह है कि कोई जन्म, जीवन, दर्द, दुख और मौत के चक्कर से पूरी तरह आज़ादी कैसे पा सकता है, और खुद की हमेशा की खुशी वाली हालत कैसे पा सकता है। इसे मुक्ति, निर्वाण, पूरी आज़ादी या मोक्ष भी कहते हैं। महावीर ने समझाया कि हमेशा से, हर जीव (आत्मा) अपनी अज्ञानता की वजह से कर्म के एटम के बंधन में है। फिर ये कर्म हमारे अच्छे या बुरे कर्मों से लगातार जमा होते रहते हैं। कर्म के असर में, आत्मा को चीज़ों और चीज़ों में सुख ढूंढने की आदत हो जाती है। यही मतलबी हिंसक विचारों, कामों, गुस्सा, नफ़रत, लालच और ऐसी दूसरी बुराइयों की गहरी जड़ है। इनसे कर्म और जमा होते हैं। महावीर ने उपदेश दिया कि सही विश्वास (सम्यक दर्शन), सही ज्ञान (सम्यक ज्ञान), और सही आचरण (सम्यक चरित्र) मिलकर ही खुद के कर्मों से मुक्ति पाने का असली रास्ता है। जैन लोगों के लिए सही व्यवहार के केंद्र में पाँच महान व्रत हैंः अहिंसा किसी भी जीव को नुकसान न पहुँचाना सत्य सिर्फ नुकसान न पहुँचाने वाला सच बोलना चोरी न करना (असेत्य) जो चीज़ ठीक से न दी गई हो उसे न लेना पवित्रता (ब्रह्मचर्य) इंद्रिय सुख में लिप्त न होना अपरिग्रह लोगों, जगहों और भौतिक चीज़ों से पूरी तरह अलग रहना जैन लोग इन व्रतों को अपने जीवन का केंद्र मानते हैं। ये व्रत नॉन एब्सोल्यूटिज़्म (अनेकांतवाद) और रिलेटिविटी के सिद्धांत (स्याद्वाद) को माने बिना पूरी तरह से लागू नहीं किए जा सकते। साधु-सन्यासी इन व्रतों का सख्ती से और पूरी तरह से पालन करते हैं, जबकि आम लोग इन व्रतों का पालन अपनी जीवनशैली के हिसाब से करते हैं। महावीर के हिसाब से आध्यात्मिक तरक्की के मामले में, पुरुष और महिला दोनों बराबर हैं। त्याग और मुक्ति के लालच ने महिलाओं को भी अपनी ओर खींचा। कई महिलाओं ने महावीर के रास्ते पर चलकर परम सत्य और खुशी की तलाश में दुनिया छोड़ दी। इस तरह, जैन धर्म के सिद्धांतों को अगर सही नज़रिए से ठीक से समझा जाए और ईमानदारी से उनका पालन किया जाए, तो वे इस जीवन में संतोष, अंदरूनी खुशी और आनंद लाएंगे। यह भविष्य के पुनर्जन्मों में आत्मा को एक ऊंचे आध्यात्मिक स्तर तक ले जाएगा, आखिरकार पूर्ण ज्ञान प्राप्त करेगा, शाश्वत आनंद की अपनी आखिरी मंज़िल तक पहुंचेगा, और जन्म और मृत्यु के सभी चक्रों को खत्म करेगा। महावीर ने अमीर और गरीब, राजा और आम लोग, पुरुष और महिलाएं, राजकुमार और पुजारी, छूने वाले और अछूत, सभी तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने अनुयायियों को चार तरह के ग्रुप में बांटा, यानी साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। इस ग्रुप को जैन संघ के नाम से जाना जाता है। भगवान महावीर के उपदेश उनके करीबी शिष्यों ने आगम सूत्रों में बोलकर लिखे थे। ये आगम सूत्र मौखिक रूप से आने वाली पीढ़ियों को दिए गए। समय के साथ कई आगम सूत्र खो गए हैं, नष्ट हो गए हैं, और कुछ में बदलाव किया गया है। लगभग एक हज़ार साल बाद आगम सूत्रों को ताड़पत्री (एक पत्तेदार कागज़ जो उन दिनों भविष्य के लिए रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता था) पर रिकॉर्ड किया गया था। श्वेतांबर जैन ने इन सूत्रों को उनकी शिक्षाओं का असली रूप माना है, जबकि दिगंबर जैन ने इसे असली नहीं माना। 72 साल की उम्र में (527 B.C.), भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया और उनकी शुद्ध आत्मा ने उनका शरीर छोड़ दिया और पूरी मुक्ति प्राप्त की। वे एक सिद्ध, एक शुद्ध चेतना, एक मुक्त आत्मा बन गए, जो हमेशा पूर्ण आनंद की स्थिति में रहते थे। उनके निर्वाण की रात, लोगों ने उनके सम्मान में रोशनी का त्योहार (दीपावली) मनाया। यह हिंदू और जैन कैलेंडर साल का आखिरी दिन है जिसे दीपावली दिवस के रूप में जाना जाता है। जैन धर्म महावीर से पहले मौजूद था, और उनकी शिक्षाएं उनके पहले के लोगों की शिक्षाओं पर आधारित थीं। इस तरह, बुद्ध के उलट, महावीर किसी नए धर्म के फाउंडर से ज़्यादा एक मौजूदा धार्मिक व्यवस्था के सुधारक और प्रचारक थे। उन्होंने अपने पहले के तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अच्छी तरह से स्थापित पंथ को फॉलो किया। हालांकि, महावीर ने अपने समय के हिसाब से जैन धर्म के फिलॉसफी के सिद्धांतों को फिर से बनाया। महावीर के निर्वाण के कुछ सदियों बाद, जैन धार्मिक व्यवस्था (संघ) और ज़्यादा मुश्किल होती गई। कुछ छोटी-छोटी बातों पर मतभेद हुए, हालांकि उन्होंने महावीर के बताए असली सिद्धांतों पर असर नहीं डाला। बाद की पीढ़ियों ने रीति-रिवाजों की मुश्किलों को आते देखा, जिसने महावीर और दूसरे तीर्थंकरों को लगभग हिंदू देवताओं की गद्दी पर बिठा दिया। भगवान महावीर की शिक्षाओं की खास बातेंः महावीर ने धर्म को आसान और नेचुरल बनाया, जो लंबे-चौड़े रीति-रिवाजों की मुश्किलों से मुक्त था। उनकी शिक्षाओं में आत्मा की अंदरूनी सुंदरता और तालमेल दिखता था। महावीर ने इंसानी ज़िंदगी की सबसे बड़ी चीज़ का आइडिया सिखाया और ज़िंदगी के पॉज़िटिव नज़रिए की अहमियत पर ज़ोर दिया। महावीर का अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का संदेश पूरी दुनिया के लिए दया से भरा है। महावीर ने कहा कि, एक जीवित शरीर सिर्फ़ अंगों और मांस का मेल नहीं है, बल्कि यह आत्मा का घर है जिसमें शायद सही समझ (अनंत दर्शन), सही ज्ञान (अनंत ज्ञान), सही शक्ति (अनंत वीर्य), और सही आनंद (अनंत सुख) हो सकता है। महावीर का संदेश जीव की आज़ादी और आध्यात्मिक खुशी को दिखाता है। महावीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी जीवित प्राणी, चाहे उनका साइज़, रूप और रूप कुछ भी हो, चाहे वे आध्यात्मिक रूप से कितने भी विकसित हों या अविकसित, बराबर हैं और हमें उनसे प्यार और सम्मान करना चाहिए। इस तरह उन्होंने सबके लिए प्यार का संदेश दिया। महावीर ने भगवान को दुनिया का बनाने वाला, बचाने वाला और खत्म करने वाला मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने देवी-देवताओं की पूजा को भी भौतिक फ़ायदों और निजी फ़ायदों का ज़रिया बताया। तीर्थंकर - वह जो धर्म के चार क्रम (भिक्षु, भिक्षुणी, आम आदमी और आम औरत) की स्थापना करता है। अरिहंत - वह जो अपने अंदर के दुश्मनों जैसे गुस्सा, लालच, जुनून, अहंकार, वगैरह को खत्म कर देता है। जिन - वह जो जीतता है अपने अंदर के दुश्मनों जैसे गुस्सा, लालच, जुनून, अहंकार वगैरह को खत्म करने के लिए जिन को मानने वालों को जैन कहा जाता है। महावीर का जन्म 599 B.C. में भारत के बिहार में एक राजकुमार के तौर पर हुआ था। 30 साल की उम्र में, उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दिया, कपड़ों समेत अपनी दुनियावी चीज़ें छोड़ दीं और एक साधु बन गए। अपनी इच्छाओं और भावनाओं पर काबू पाने के लिए उन्होंने अगले बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। वे लंबे समय तक बिना खाए रहे। उन्होंने जानवरों, पक्षियों और पौधों समेत दूसरे जीवों को नुकसान पहुंचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज किया। उनके ध्यान के तरीके, तपस्या के दिन और व्यवहार का तरीका धार्मिक जीवन में साधुओं और साध्वियों के लिए एक सुंदर उदाहरण है। उनकी आध्यात्मिक खोज बारह साल तक चली। आखिर में उन्हें सही समझ, ज्ञान, शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल-ज्ञान के नाम से जाना जाता है। उन्होंने अगले तीस साल नंगे पैर भारत भर में घूमकर लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उन्होंने हर तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा, अमीर और गरीब, राजा और आम लोग, पुरुष और महिलाएं, राजकुमार और पुजारी, छूने वाले और अछूत। उन्होंने अपने मानने वालों को चार तरह के ग्रुप में बांटा, यानी साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। बाद में उन्हें जैन कहा गया। उनकी शिक्षा का आखिरी मकसद यह है कि कोई जन्म, जीवन, दर्द, दुख और मौत के चक्कर से पूरी तरह आज़ादी कैसे पा सकता है, और खुद की हमेशा की खुशी वाली हालत कैसे पा सकता है। इसे मुक्ति, निर्वाण, पूरी आज़ादी या मोक्ष भी कहा जाता है। उन्होंने समझाया कि हमेशा से, हर जीव (आत्मा) कर्म के एटम के बंधन में है, जो उसके अपने अच्छे या बुरे कर्मों से जमा होते हैं। कर्म के असर में, आत्मा को चीज़ों और चीज़ों में खुशी ढूंढने की आदत हो जाती है। जो खुद पर ध्यान देने वाले हिंसक विचारों, कर्मों, गुस्सा, नफ़रत, लालच और ऐसी दूसरी बुराइयों की गहरी जड़ें हैं। इनसे और ज़्यादा कर्म जमा होते हैं। भोजन, सही ज्ञान (सम्यक-ज्ञान), और सही आचरण (सम्यक-चरित्र) मिलकर खुद को आज़ाद करने में मदद करेंगे। जैन लोगों के लिए सही आचरण के केंद्र में पाँच महान व्रत हैंः अहिंसा - किसी भी जीव को नुकसान न पहुँचाना सत्य - सिर्फ़ नुकसान न पहुँचाने वाला सच बोलना अस्तेय - जो चीज़ ठीक से न दी गई हो उसे न लेना ब्रह्मचर्य - कामुक सुखों में शामिल न होना अपरिग्रह - लोगों, जगहों और भौतिक चीज़ों से पूरी तरह अलग रहना। जैन लोग इन व्रतों को अपनी ज़िंदगी का केंद्र मानते हैं। साधु-सन्यासी इन व्रतों का सख्ती से और पूरी तरह से पालन करते हैं, जबकि आम लोग अपनी जीवनशैली के हिसाब से इन व्रतों का पालन करने की कोशिश करते हैं। 72 साल की उम्र में (527 B.C.), भगवान महावीर की मौत हो गई और उनकी पवित्र आत्मा ने शरीर छोड़ दिया और पूरी मुक्ति पा ली। वे एक सिद्ध, एक शुद्ध चेतना, एक आज़ाद आत्मा बन गए, जो हमेशा के लिए पूरी तरह से आनंद की हालत में रहते थे। उनकी मुक्ति की रात, लोगों ने उनके सम्मान में रोशनी का त्योहार (दीपावली) मनाया। भगवान महावीर के जीवन की खास बातें और शिक्षाएँ। महावीर की शिक्षाओं की आध्यात्मिक शक्ति और नैतिक महानता ने लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने धर्म को आसान और स्वाभाविक बनाया, जो लंबे-चौड़े रीति-रिवाजों की मुश्किलों से मुक्त था। उनकी शिक्षाएँ आत्मा की अंदरूनी सुंदरता और तालमेल की ओर लोगों की इच्छा को दिखाती थीं। उनका अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का संदेश पूरी दुनिया की दया से भरा है। उन्होंने कहा कि, एक ज़िंदा शरीर सिर्फ़ हाथ-पैर और मांस का मेल नहीं है, बल्कि यह आत्मा का घर है जिसमें शायद पूरी समझ (अनंत-दर्शन), पूरी जानकारी (अनंत-ज्ञान), पूरी शक्ति (अनंत-वीर्य), और पूरी खुशी (अनंत-सुख) हो सकती है। महावीर का संदेश जीव की आज़ादी और रूहानी खुशी को दिखाता है। महावीर इंसान की समझ से भगवान को बनाने वाला, बचाने वाला और तोड़ने वाला मानने की सोच को खत्म करने में काफी कामयाब रहे। उन्होंने देवी-देवताओं की पूजा को मोक्ष का ज़रिया मानने से भी मना किया। उन्होंने इंसानी ज़िंदगी की सबसे बड़ी चीज़ का आइडिया सिखाया और ज़िंदगी के पॉज़िटिव नज़रिए की अहमियत पर ज़ोर दिया। भगवान महावीर ने दुनिया भर में प्यार का संदेश भी दिया, इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी जीव, चाहे उनका साइज़, शेप और रूप कुछ भी हो, रूहानी तौर पर कितने भी डेवलप्ड हों या कम डेवलप्ड, बराबर हैं और हमें उनसे प्यार करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। जैन धर्म महावीर से पहले भी था, और उनकी शिक्षाएँ उनसे पहले के लोगों की शिक्षाओं पर आधारित थीं। इस तरह, बुद्ध के उलट, महावीर किसी नए धर्म के फाउंडर से ज़्यादा एक मौजूदा धार्मिक व्यवस्था के सुधारक और प्रचारक थे। उन्होंने अपने पहले के तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अच्छी तरह से स्थापित पंथ को फॉलो किया। हालांकि, महावीर ने अपने समय के हिसाब से जैन धर्म के फिलॉसफी के सिद्धांतों को फिर से बनाया। भगवान महावीर ने पाँच महान व्रतों का उपदेश दिया जबकि भगवान पार्श्वनाथ ने चार महान व्रतों का उपदेश दिया। आध्यात्मिक तरक्की के मामलों में, जैसा कि महावीर ने सोचा था, पुरुष और महिला दोनों बराबर हैं। त्याग और मुक्ति के लालच ने महिलाओं को भी अपनी ओर खींचा। कई महिलाओं ने महावीर के रास्ते पर चलकर परम सुख की तलाश में दुनिया छोड़ दी। महावीर के निर्वाण के कुछ सदियों बाद, जैन धार्मिक व्यवस्था (संघ) और भी मुश्किल होती गई। कुछ छोटी-छोटी बातों पर मतभेद हुए, हालांकि उन्होंने तीर्थंकरों द्वारा बताए गए मूल सिद्धांतों पर कोई असर नहीं डाला। बाद की पीढ़ियों ने रीति-रिवाजों की मुश्किलें देखीं, जिसने लगभग महावीर और दूसरे तीर्थंकरों को हिंदू देवताओं के सिंहासन पर बिठा दिया। मूर्ति पूजा मंदिर में चौबीस तीर्थंकरों की मूर्तियां एक जैसी हैं क्योंकि वे तीर्थंकरों के गुण और अच्छाइयों को दिखाती हैं, न कि उनके शरीर को। हालांकि, हर मूर्ति के नीचे उन्हें अलग दिखाने के लिए एक खास निशान लगाया गया है। भगवान महावीर की मूर्ति शेर के निशान से पहचानी जाती है। जैन धर्म की प्रार्थनाः जैन लोग हर दिन सिर झुकाकर अपनी यूनिवर्सल प्रार्थना, नवकार-मंत्र का जाप करते हैं। सभी अच्छे काम और इवेंट इसी सलाम और पूजा की प्रार्थना से शुरू होते हैं। नमो अरिहंतनमः - मैं ज्ञानी आत्माओं को नमन करता हूँ नमो सिद्धनमः - मैं मुक्त आत्माओं को नमन करता हूँ नमो आयरियानमः - मैं धार्मिक नेताओं को नमन करता हूँ नमो उवज्जयनमः - मैं धार्मिक शिक्षकों को नमन करता हूँ नमो लोए सव्वा साहूनमः - मैं दुनिया के सभी साधुओं को नमन करता हूँ एसो पंच नमुक्कारोः - ये पाँच नमस्कार करने में सक्षम हैं सव्वा पावा पनासानोः सभी पापों को नष्ट करने वाले और यह है मंगलंच सव्वेसिन सभी रूपों में पहला सुख पधमं हवै मंगलमः खुशी का।

ऊपर दी गई प्रार्थना में, जैन अपने भगवानों, तीर्थंकरों या साधुओं और साध्वियों से कोई कृपा या भौतिक लाभ नहीं मांगते हैं। वे किसी खास तीर्थंकर या साधु का नाम लेकर प्रार्थना नहीं करते हैं। 24वें जैन तीर्थंकर, वर्धमान महावीर ने 72 साल की उम्र में भारत के बिहार में आज के राजगीर के पास पावापुरी में निर्वाण (मुक्ति/मृत्यु) प्राप्त किया।उन्हें नमस्कार करके, जैन पाँच परोपकारी लोगों से सच्ची खुशी और जीवन के दुख से पूरी तरह मुक्ति के सही रास्ते के लिए प्रेरणा पाते हैं। उन्होंने सही विश्वास का उपदेश दिया।

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 : जनजातीय अस्मिता,आत्मनिर्भरता और अवसरों का विस्तारित उत्सव

विनोद कुमार सिंह

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित हरित और सांस्कृतिक आभा से परिपूर्ण परिसर सुंदर नर्सरी में आयोजित भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 ने इस वर्ष जिस प्रकार जनसामान्य, नीति-निर्माताओं, उद्यमियों और सांस्कृतिक प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया,वह अपने आप में एक ऐतिहासिक संकेत है—भारत की जनजातीय परंपराओं के पुनर्जागरण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण का।जनता के अभूतपूर्व उत्साह और मांग को देखते हुए जनजातीय मामलों का मंत्रालय ने ट्राइफेड (TRIFED)के सहयोग से इस महोत्सव को 5 अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया। यह विस्तार केवल तिथि का विस्तार नहीं, बल्कि एक व्यापक दृष्टि का प्रतीक है—जनजातीय समाज को बाजार,सम्मान और अवसरों से जोड़ने की प्रतिबद्धता का।सरकार के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की जनजातीय विरासत अब केवल संग्रहालयों या पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि वह देश की आर्थिक और सांस्कृतिक धारा में सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। महोत्सव में उमड़ी भीड़, प्रदर्शनी स्टॉलों पर लगी कतारें, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर गूँजती तालियाँ और आदिवासी व्यंजनों का स्वाद लेते लोग - यह सब मिलकर एक जीवंत भारत की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

महोत्सव का विस्तार विशेष रूप से आदिवासी कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और वन धन विकास केंद्रों (VDVKs) के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। इस विस्तारित अवधि में उन्हें उपभोक्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा,जिससे न केवल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, बल्कि उनकी कला और परंपरा को व्यापक पहचान भी मिलेगी। बाजार तक सीधी पहुँच, बेहतर मूल्य और स्थायी आय—ये तीनों पहलू इस आयोजन के केंद्र में हैं।इस वर्ष के आयोजन में 22राज्यों के78 आदिवासी समुदायों की सह भागिता,28 राज्यों के 300 से अधिक कला एवं शिल्प प्रदर्शकों की उपस्थिति और 21 राज्यों से आए 120 आदिवासी व्यंजन विशेषज्ञों द्वारा संचालित 30 फूड स्टॉल—यह आंकड़े केवल संख्या नहीं,बल्कि भारत की विविधता और एकता का सशक्त प्रतीक हैं। यहां हस्तशिल्प,हथकरघा, प्राकृतिक उत्पाद, जैविक वस्तुएं और पारंपरिक ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 29 मार्च को आयोजित वन धन कॉन्क्लेव रहा,जिसका उद्घाटन जनजातीय मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके द्वारा विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।इस कॉन्क्लेव ने जनजातीय उद्यमिता को नई दिशा देने का कार्य किया। अपने उद्घाटन संबोधन में मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "जनजातीय समुदाय केवल संरक्षण के पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार हैं।उनके पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उनकी समझ और उनकी जीवन शैली आज के सतत विकास के मॉडल को दिशा दे सकती है।"मंत्री ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाना है, न कि केवल सहायता पर निर्भर रखना। उन्होंने लघु वन उपज (MFP) के मूल्यवर्धन,स्थानीय उत्पादों के ब्रांडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार विस्तार पर विशेष बल दिया।उनके अनुसार,"जब एक आदिवासी कारीगर का उत्पाद सीधे उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो वह केवल एक वस्तु का लेन-देन नहीं होता,बल्कि वह विश्वास, परंपरा और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है।"

कॉन्क्लेव के अंतर्गत पाँच विषयगत सत्र आयोजित किए गए,जिनमें सतत आजीविका,लघु वन उपज का मूल्य संवर्धन,बाजार संपर्क, कौशल विकास और जनजातीय उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों,नीति निर्माताओं और उद्यमियों ने मिलकर यह विचार किया कि किस प्रकार जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है।महोत्सव के दौरान आयोजित भारत ट्राइब्स बिजनेस कॉन्क्लेव और CSR कॉन्क्लेव ने भी साझेदारी और निवेश के नए अवसरों को जन्म दिया।कॉर्पोरेट जगत और जनजातीय उद्यमों के बीच संवाद ने यह स्पष्ट किया कि यदि सही दिशा और सहयोग मिले,तो जनजातीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।यहाँ प्रस्तुत होने वाले लोक नृत्य,संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जीवन शैली भारत की उस आत्मा को सामने लाते हैं, जो प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की कला सिखाती है।सरकार द्वारा संचालित वन धन योजना के माध्यम से देशभर में स्थापित वन धन विकास केंद्रों ने जनजातीय समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। ये केंद्र स्थानीय संसाधनों के प्रसंस्करण और विपणन में सहायता करते हैं, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि होती है।महोत्सव में इन केंद्रों की सक्रिय भागीदारी इस योजना की सफलता का प्रमाण है।केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि सरकार पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि "जनजातीय समाज की जीवन शैली में वह ज्ञान निहित है,जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।हमें इस ज्ञान को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में उपयोग करना होगा।"इस महोत्सव में आए आगंतुकों के लिए यह एक अनूठा अनुभव रहा। जहां एक ओर वे देश के विभिन्न हिस्सों से आए उत्पादों को देख और खरीद सके, वहीं दूसरी ओर उन्हें जनजातीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर मिला।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक,सभी वर्गों के लोगों ने इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस विस्तारित अवधि ने विशेष रूप से उन कारीगरों को लाभ पहुंचाया है,जो दूरदराज के क्षेत्रों से यहां पहुंचे हैं।उनके लिए यह केवल एक व्यापारिक अवसर नहीं,बल्कि अपने अस्तित्व और पहचान को स्थापित करने का मंच है।कई कारीगरों ने यह साझा किया कि इस महोत्सव ने उन्हें न केवल आर्थिक लाभ दिया है,बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, भौमवासरे, पू.फा. नक्षत्रे, गज योगे, तैतिल करणे, सिंह की चंद्रमा, धूम योगे, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, जिद्दी, हठी, सैनिक, सिपाही, कमांडर, बिग्रेडियर, कर्नल तथा सेना नायक दरोगा तथा एसपी, आईजी विभाग का प्रधान कुशल वक्ता, अधिवक्ता होगा।

मेष राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखे, अचानक घटना का शिकार होने से बचे, कार्य विशेष हो।

वृष राशि :- सफलता के साधन जुटाये, समय की अनुकूलता से लाभान्वित हो, कार्य होगा।

मिथुन राशि :- अधिकारियों से मेल मिलाप स्थिगित रखे, अन्यथा आरोप, क्लेश संभव होगा।

कर्क राशि :- विरोधी प्रबल होंगे, परेशानी से बचिये, जल्दबाजी से कार्य हानि हो, समय का ध्यान दें।

सिंह राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल, मान प्रतिष्ठा, सुख के साधनों में वृद्धि हो, कार्य हो।

कन्या राशि :- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे, धन का व्यय हो तथा सुख वृद्धि, कार्य हो।

तुला राशि :- संतान से सुख एवं संपन्नता के योग बने, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे, इष्ट मित्रों से परेशानी बढ़ेगी।

धनु राशि :- सामाजिक कार्यों में मान प्रतिष्ठा, कुटुम्ब की समस्याएं जटिल होगी।

मकर राशि :- स्त्रीकष्ट, समय और धन नष्ट न हो तथा स्वभाव में बेचैनी बनेगी।

कुंभ राशि :- षड़यंत्र व कष्ट सामने आए, कुटुम्ब के लोग ही कष्ट प्रद कार्य करेंगे।

मीन राशि :- धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यावसायिक चिंता बनेगी।

स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल किया जाना चाहिये। सूरजमुखी के बीज का मक्खन बनाने के लिए तीन प्रमुख चीजों, सूरजमुखी के बीज, समुद्री नमक और शुगर मिलाएं। इसे और क्रीमी बनाने के लिए इसमें सूरजमुखी का तेल भी मिलाया जा सकता है। सूजरमुखी के बीज अपने पोषण संबंधी गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। बीज में आवश्यक फैटी एसिड, विटामिन और मिनरल होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और इसलिए इन्हें किसी न किसी रूप में आहार में शामिल करना जरूरी है।

भुने हुए या नमकीन सूरजमुखी के बीज एक स्वास्थ्यपरक स्नैक माने जाते हैं। पौष्टिकता बढ़ाने के लिए आप इन्हें नाश्ते के लिए बने भोजन में शामिल कर सकती हैं।

सूरजमुखी के बीज किसी भी मुख्य व्यंजन जैसे,

चिकन करी, मिक्स वेजिटेबल आदि में डाले जा सकते हैं या इन्हें सलाद, पास्ता में स्वाद बढ़ाने और पौष्टिकता बढ़ाने के लिए ऊपर से डाल कर खाया सकता है।

सूरजमुखी के बीजों को किसी भी सॉफ्ट डिश जैसे स्क्रैम्बल्ड एग को कुरकुरा बनाने के लिए उसमें डाला जा सकता है.

सूरजमुखी के बीज का पाउडर या आटा केक, मफिन और ब्रेड बैटर में भी मिलाया जा सकता है। यह उनकी पौष्टिकता को बढ़ाएगा।

यह दूध और पीनट बटर का अच्छा विकल्प हो सकता है. इसे ब्रेड पर लगाकर और घर पर बने सॉस में मिलाकर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। सूरजमुखी के बीजों को आप चिवड़ा में डाल सकती हैं, जो नाश्ते के लिए मसालेदार स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प होता है। ये बीज न सिर्फ चिवड़े का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि इसे स्वास्थ्यपरक आहार भी बनाते हैं. ये बीज चिवड़ा को विटामिन ई और बी-कॉम्प्लेक्स युक्त बनाते हैं। सूखे नारियल चटनी के पाउडर को कुरकुरा बनाने के लिए इसमें ये बीज मिलाए जा सकते हैं, जो फैटी एसिड, मिनरल्स और पोषक तत्व युक्त होते हैं।

लॉफिंग ज़ोन

अध्यापक (छात्र से)- बताओ हाथी और घोड़े में क्या फर्क होता है?
छात्र (अध्यापक)- सर घोड़े की एक तरफदुम होती है और हाथी की दोनों तरफ।

□ □ □

अध्यापिका (छात्र से)- तुम लेट क्यों आये? स्कूल 7 बजे शुरु होता है फिर देर क्यों की?
छात्र- मैम आप मेरी इतनी फिक्र मत किया करो लोग गलत समझते हैं।

□ □ □

अध्यापक (मिनी से)- क्या तुम किसी बड़ी लड़ाई के बारे में जानती हो?
मिनी- जी हां, लेकिन बात यह है कि मम्मी ने घर की बात बाहर बताने से मना किया है।

□ □ □

अध्यापिका (चिंटू से)- जो काम तुमने नही किया, उसके लिए तुम्हें कभी सजा नही मिलेगी।
चिंटू- धन्यवाद मैडम आज मैंने होमवर्क नही किया है।

□ □ □

अध्यापक (छात्र से)- ताजमहल को सातवां अजूबा क्यों कहा जाता है?
छात्र (अध्यापक से)- क्योंकि शाहजहां ने यह बैंक से लोन लिये बिना बनवाया था।

□ □ □

ये पेड़ होते हैं औषधीय गुणों से भरपूर

प्रकृति में ऐसे अनेकों पेड़ पौधे पाए जाते हैं। कुछ ऐसे ही पेड़ हैं शहतूत, नील आदि। इनके उपयोग से अनेकों आयुर्वेदिक दवाइयां भी बनाई जाती है। जिनसे बीमारियों को ठीक करने में सहायता मिलती है।

शहतूत : शहतूत का पेड़ अपने स्वादिष्ट फलों, औषधीय गुणों और रेशम उत्पादन के लिए जाना जाता है। यह एक बहु उपयोगी पौधा है। शहतूत वृक्ष रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। इसकी छाल और जड़ का उपयोग आयुर्वेदिक और हर्बल दवाओं में किया जाता है। वहीं, पत्तियों से बनी चाय शरीर को डिटॉक्स करने में सहायक होती है।

नीम : नीम के पेड़ की पत्तियां फोड़े-फुंसी, खुजली में फायदेमंद होता है और यही ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करते हैं। नीम लिवर को डिटॉक्स करता है और विषैले तत्वों को बाहर निकालता है। नीम की पत्तियां मुहांसे, झाइयां और संक्रमण कम करने में सहायक है। इसके अलावा नीम का तेल डैंड्रफ और सिर की खुजली दूर करने में उपयोगी। नीम का पेस्ट घावों और जलन में राहत देता है।

अरंडी : अंरडी एक बहुपयोगी औषधीय गुणों वाला पौधा है। अरंडी के बीजों से प्राप्त होने वाले तेल की डिमांड मार्केट में काफी अधिक रहती है। यह तेल औषधिय गुणों से भरपूर होता है। इसके उपयोग से अनेकों सौंदर्य उत्पाद भी बनाए जाते हैं। यह कब्ज को दूर करने का काम भी करता है। इसका तेल शरीर में मालिश करने पर गठिया और सूजन में राहत देता है। इसके अलावा त्वचा को मॉइस्चराइज़ करता है और बालों की वृद्धि में मदद करता है।

आज का इतिहास 31मार्च

1492 स्पेन में यहूदियों को तीन माह में ईसाई धर्म स्वीकार करने या देश छोड़ने का आदेश दिया गया.

1606 पोलैंड और रोम ने तुर्की के खिलाफ गठबंधन किया.

1809 रूसी लेखक निकोलाई गोगोल का जन्म हुआ .

1854 अमेरिका और जापान के बीच एक समझौते के तहत जापान ने अपने बंदरगाह बाहरी दुनिया के लिए खोल दिये.

1889 एफिल टावर खोला गया.

1913 तुर्की ने बल्गारिया से शांति संधि के लिए महाशक्तियों की सलाह को मान ली.

1936 ब्रिटेन और फ्रांस ने पोलैंड को हमला होने पर मदद करने का वचन दिया.

1941 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने उत्तर अफ्रीका में जवाबी कारवाई की.

1964 विधुत ट्राम कार मुम्बई में अंतिम बार चली.

1966 दक्षिण अफ्रीका में प्रधानमंत्री हैड्रिक वरबुर्ड की पार्टी को चुनावों में भारी सफलता मिली.

1980 अंतिम आई.सी.एस.अधिकारी निर्मल मुखर्जी रिटायर हुए थे.

1987 अल सल्वाडोर के एक सैन्य ठिकाने पर छापामारों के हमले में 43 सैनिक मारे गये.

1988 आस्ट्रेलिया के भूतपूर्व प्रधानमंत्री सरविलियम मेक्मोहन का निधन.

1989 तुर्की के प्रझानमंत्री तुर्गत ओजल ने अपने भाई भतीजे सहित बारह मंत्रियों को हटा दिया.

2001 सचिंन तेंदुलकर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने.

2005 हरियाणा के दो मंत्री ओमप्रकाश जिंदल व सुरेंद्र सिंह व पायलट का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में निधन.

आज फिर महावीर की जरूरत

(महावीर जयंती पर विशेष)

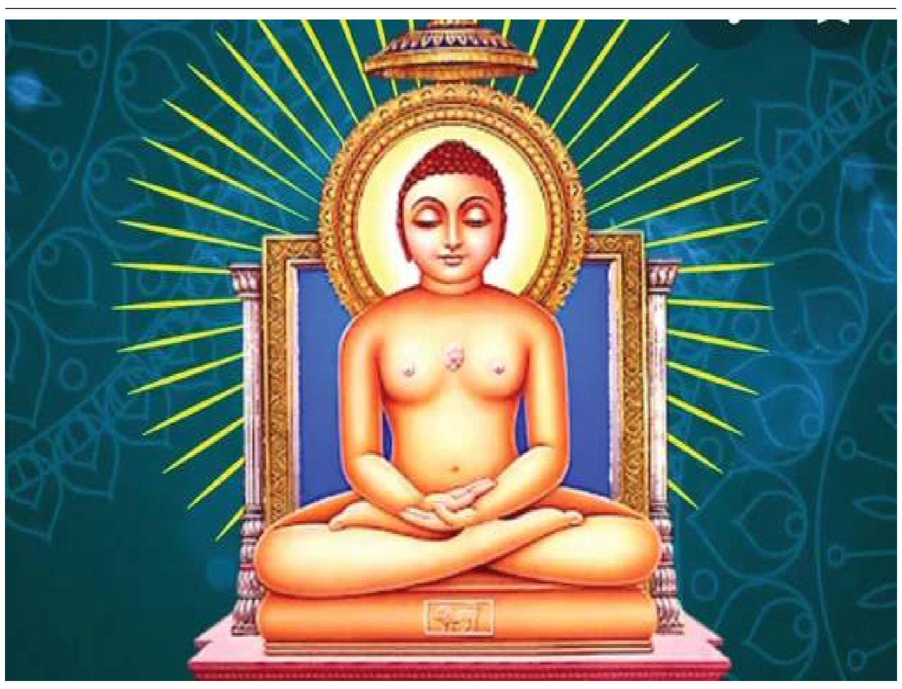

आज जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और खून-खराबा हो रहा है, उससे आज फिर महावीर स्वामी की जरूरत आन पड़ी है। उनके जिओ और जीने दो का संदेश आज फिर प्रासंगिक है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रवर्तक और जैन धर्म के चैबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वेजवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23वें तीर्थंकर पाश्र्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति का भेदभाव, अन्य अंधविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म दिखावे की वस्तु नहीं है। धर्म कहीं बाहर नहीं बल्कि अंतरात्मा में होता है। भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के ही नहीं हैं बल्कि जन-जन के हैं। भगवान महावीर की जयंती जन्म कल्याणक पर्व के रूप में मनाई जाती है। महावीर जन्म कल्याणक हर वर्ष चैत्र माह के 13 वें दिन मनाया जाता है।

हालांकि, महावीर स्वामी के जीवन को लेकर श्वेताम्बर और दिगम्बर जैनियों में कई तरह के अलग-अलग तथ्य हैं। महावीर या वर्धमान जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परम्परा में 24वें जैन तीर्थंकर थे। वे अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। बचपन में महावीर का नाम वर्धमान था। बाल्यकाल से ही यह साहसी, तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है। महावीर स्वामी को और भी नामों से जाना जाता है जैसे अर्हत, जिन, निर्ग्रथ, महावीर, अतिवीर आदि। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा।

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज सिद्धार्थ थे। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवी वंश के राजा चेटक की बहिन थी। महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा थे। भगवान महावीर कई नामों से जाने गए उनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि हैं। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। शिक्षा पूरी होने के बाद इनके माता-पिता ने इनका विवाह राजकुमारी यशोदा के साथ कर दिया गया था। भगवान महावीर ने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। जन्म के बाद महावीर स्वामी का नाम वर्धमान रखा। कहा जाता है कि महावीर स्वामी अंतर्मुखी स्वभाव के थे, शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी, परंतु माता-पिता की इच्छा के कारण उन्होंने बसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया, कहीं-कहीं लिखा हुआ यह भी मिलता है कि उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया था। कुछ विद्वानों के अनुसार यशोदा कलिंग नरेश की पुत्री थीं।

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया। इस बालक का नाम सौधर्मेन्द्र ने वर्धमान रखा तो ऋद्धिधारी मुनियों ने सन्मति रखा। संगमदेव ने उसके अपरिमित साहस की परीक्षा लेकर उसे महावीर नाम से अभिहित किया।

महावीर स्वामी के माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन में वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई परंतु जब उन्होंने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी तो भाई ने कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुए 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु में वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर 'केशलोच' के पश्चात जंगल में रहने लगे। महावीर स्वामी के शरीर का वर्ण सुवर्ण और चिह्न सिंह था। इनके यक्ष का नाम ब्रह्म शांति और यक्षिणी का नाम सिद्धायिका देवी था। जैन धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान महावीर के गणधरों की कुल संख्या 11 थी, जिनमें गौतम स्वामी इनके प्रथम गणधर थे। महावीर ने मार्गशीर्ष दशमी को कुंडलपुर में दीक्षा की प्राप्ति की और दीक्षा प्राप्ति के पश्चात् 2 दिन बाद खीर से इन्होंने प्रथम पारणा किया। दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्हें 'केवलि' नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे, बड़े-बड़े राजा महावीर स्वामी के अनुयायी बनें। उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ तीर्थंकरों में शुमार हुए। अपनी सभी इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या 'जिन' कहलाए। जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला। जैन धर्म के गुरुओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे। तीस वर्ष की आयु में महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम के साथ श्रमण बन गए। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी ने बहुत कठिन तपस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवें वर्ष में महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए तब उन्होंने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया। इसके पश्चात साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालिका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि हुई। तभी से वे महावीर या जिन कहलाए। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। जैन धर्म में अहिंसा तथा कर्मों की पवित्रता पर विशेष बल दिया जाता है। भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे। वे सभी के साथ सामान भाव रखते थे और किसी को कोई भी दुःख देना नहीं चाहते थे।

महावीर को अर्हत, जिन, निर्ग्रंथ, महावीर, वीर, अतिवीर और सन्मती के नाम से भी जाना जाता है। वे महावीर स्वामी ही थे, जिनके कारण 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों ने 'जैन धर्म' का रूप धारण किया। भगवान महावीर के कार्यकाल को ईराक के जरथ्रुष्ट, फिलिस्तीन के जिरेमिया, चीन के कन्फ्यूसियस तथा लाओत्से और युनान के पाइथोगोरस, प्लेटो और सुकरात के समकालीन माना जाता है। महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित होकर बिम्बसार और चंद्रगुप्त मौर्य सहित अन्य राजा भी जैन धर्म के अनुयायी बने। भगवान महावीर ने अहिंसा को जैन धर्म का आधार बनाया, उन्होंने तत्कालीन हिन्दु समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था का विरोध किया और सबको समान मानने पर जोर दिया। उन्होंने 'जियो और जीने दो' के सिद्धान्त पर जोर दिया। तीर्थंकर महावीर अहिंसा और अपरिग्रह का जीवंत उदाहरण थे। भगवान महावीर ने अहिंसा, तप, संयम, पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति, अनेकान्त, अपरिग्रह एवं आत्मवाद का संदेश दिया। महावीर स्वामी ने यज्ञ के नाम पर होने वाले पशु-पक्षी तथा नर की बली का पूर्ण रूप से विरोध किया। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए उन्होंने पांच व्रत दिए, जिसमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह शामिल है, इसे पंचशील भी कहा जाता है। 527 ईसा पूर्व कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली के दिन महावीर स्वामी निर्वाण को प्राप्त हुए। निर्वाण के समय भगवान महावीर स्वामी की आयु 72 वर्ष की थी। बिहार के पावापुरी में उन्होंने अपनी देह का त्याग किया। भगवान महावीर की मृत्यु के दो सौ साल बाद, जैन धर्म श्वेताम्बर और दिगम्बर सम्प्रदायों में बंट गया। दिगम्बर सम्प्रदाय के जैन संत वस्त्रों का त्याग कर देते हैं, इसलिए दिगम्बर कहलाते हैं जबकि श्वेताम्बर सम्प्रदाय के संत श्वेत वस्त्र धारण करते हैं।

जैन धर्म के मानने वाले संसार को किसी की रचना नहीं मानते। उनका विश्वास था कि संसार अनादि-काल से है और अनन्त है। जैनी लोग ईश्वर के स्थान पर तीर्थंकरों की उपासना करते हैं। जैन धर्म आत्मा की एकता में विश्वास नहीं करता। उसके अनुसार जिस प्रकार जीव अलग-अलग होते हैं उसी प्रकार उनमें आत्मा भी अलग-अलग होती है। इस प्रकार जितने जीव हैं, उतनी ही आत्माएँ होंगी। जैन मतावलंबी कर्मवाद अर्थात् कर्मानुसार फल की प्राप्ति तथा पुनर्जन्म के सिद्धान्त को स्वीकार करते हैं। पिछले जीवन के कार्यों

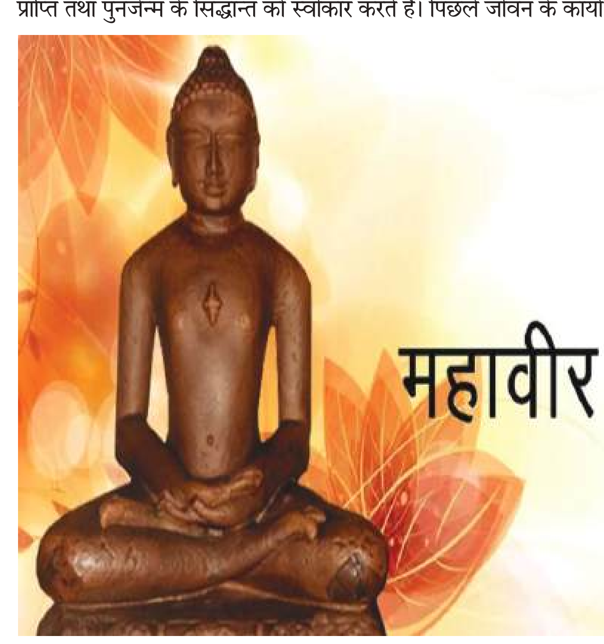

का फल भोगने के लिए मनुष्य का पुनर्जन्म होता है। पुनर्जन्म से छुटकारा पाना ही मोक्ष है। यह त्रिरत्न के पालन से सम्भव है। निर्वाण ही मनुष्य का अन्तिम उद्देश्य होना चाहिए क्योंकि निर्वाण वास्तविक सुख है। निर्वाण से मनुष्य जन्म-मरण के चक्कर से छुटकारा पा जाता है। महावीर के अनुसार जीव के भौतिक अंश का नाश हो जाना ही निर्वाण है। महावीर स्वामी का कहना है कि यदि मनुष्य तीन रत्नों के अनुसार आचरण करे तो वह कर्म के बंधन से छुटकारा पा सकता है। ये तीन रत्न हैं सम्यक श्रद्धा, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् आचरण। सम्यक ज्ञान का अर्थ है पूर्ण सच्चा ज्ञान, सम्यक् आचरण का अर्थ सदाचरमय जीवन है और सत में विश्वास सम्यक् श्रद्धा है। इनके पालन से ही कैवल्य की प्राप्ति होती है। सत्य पर भी जैनियों ने जोर दिया। अस्तेय का अर्थ है आज्ञा के बिना किसी अन्य की वस्तु न लेना। अपरिग्रह का अर्थ है सांसारिक बस्तों से मोह तोड़ना, जहाँ तक हो सके अधिक वस्तुओं का संग्रह न करना। ब्रह्मचर्य का अर्थ है, इन्द्रियों को वश में करना। जैन धर्म में तप तथा व्रत का बड़ा महत्व है। जैनियों का विश्वास है कि मन-कर्म-वचन से व्रतों का पालन करना मोक्ष का साधन हैं। अहिंसा जैन धर्म का मूल मंत्र है। महावीर स्वामी ने कर्मकाण्ड को व्यर्थ बताया और विशुद्ध आचरण को मोक्ष प्राप्ति के लिए आवश्यक बताया। नैतिकता और सदाचार जैन धर्म की आधारशिला है।

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.40 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.20 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.18 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.48 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.59 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.25 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.41 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	मकर	01.46 बजे से
		कुंभ	03.32 बजे से
		मीन	05.05 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 90 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 06.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 15.21 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 15.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.56 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872665
जूलियन दिन 2461130.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 11
विशेष महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपए डूबे

सेंसेक्स 1635, निफ्टी 488 अंक गिरा

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,635.67 अंक टूटकर 71,947.55 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.20 अंक नीचे आकर 2.14 22,331.40 पर बंद हुआ। बाजार में चारों ओर गिरावट रही। सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी रियल्टी), निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया और निफ्टी ऑटो की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,447.80 अंक टूटकर 52,650 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 416.20 अंक नीचे आकर 15,203.80 पर था। सेंसेक्स पैक में 30 में से केवल दो शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आये। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंडिगो, एक्सिस बैंक,

कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड के शेयर ही लाभ पर बंद हुए। बीएसई पर आज सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 10 लाख करोड़ रुपए कम होकर 412 लाख करोड़ रुपए हो गया है जबकि ये शुक्रवार को 422 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार निवेशकों को 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। बाजार में गिरावट को कारण मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता हुआ तनाव है, जिससे भी निवेशक बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। कारोबार के दौरान निफ्टी 50 करीब 0.70 फीसदी यानी लगभग 160 अंक गिरकर 22,659.60 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं बीएसई सेंसेक्स भी 514 अंक टूटकर 73,069.21 के स्तर पर रहा। वैश्विक बाजारों से भी नकारात्मक संकेत मिले। कच्चे तेल के दामों में तेजी आई है, जहां ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। मुध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सप्लाई को लेकर चिंता इसके प्रमुख कारण हैं।

एशियाई बाजारों में भी भारी गिरावट रही। कोस्पी में 5 फीसदी से ज्यादा, निक्कई 225 में 4 फीसदी से अधिक और सीएसई 300 में भी कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार भी दबाव में बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और डाउ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज में गिरावट दर्ज की गई।

इस बीच आईपीओ बाजार में सुस्ती बनी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबला सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे बढ़कर 94.68 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.57 तक और मजबूत हुआ, जो पिछले बंद भाव से 128 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अब तक के अपने निचले स्तर 94.85 पर बंद हुआ। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 100.09 पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

वैश्विक और भू-राजनीतिक कारक तय करेंगे दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगभग 2 प्रतिशत गिरकर 4,492.5 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ 69.79 डॉलर प्रति औंस पर रही। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में गिरावट के पीछे गोल्ड ईटीएफ निवेशकों की बिकवाली, कमजोर भौतिक मांग, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी मुख्य कारण हैं। अमेरिकी बाजार की कमजोरी ने सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई, जिससे चांदी को कुछ सहारा मिला, लेकिन बढ़ती बॉन्ड यील्ड और ऊंचे तेल दामों के कारण पारंपरिक मांग सीमित रही। घरेलू वायदा बाजार में सोना मामूली गिरकर 1.44 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी बढ़कर 2.27 लाख प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। रुपये की कमजोरी ने कीमती धातुओं को कुछ सहारा दिया, क्योंकि रुपया 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 94.80 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकारों के अनुसार निवेशक पश्चिम एशिया की घटनाओं, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण आंकड़े, यूरोजोन महंगाई और अमेरिकी रोजगार व खपत आंकड़ों पर नजर रखेंगे। घरेलू बाजार में सुस्ती बनी रह सकती है, क्योंकि 31 मार्च और 3 अप्रैल को महावीर जयंती और गुड फ्राइडे के चलते बाजार बंद रहेंगे।

अप्रैल में भारत में लॉन्च हो रही नई कारें

नई दिल्ली (ईएमएस)। जर्मन कार निर्माता फॉक्सवैगन अप्रैल 2026 में अपनी अपडेटेड टाइगुन फेसलिफ्ट लॉन्च करने जा रही है। नई टाइगुन में ग्राहकों को आकर्षक नया डिजाइन और उन्नत फीचर्स मिलेंगे। हालांकि, इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह कार 9 अप्रैल 2026 से भारतीय बाजार में उपलब्ध होगी। टाइगुन फेसलिफ्ट विशेष रूप से शहर में आरामदायक ड्राइव और आधुनिक तकनीक के लिए बनाई गई है। एमजी मोटर अप्रैल में अपनी नई एमजी मेजेस्टर को ऑफिशियली लॉन्च करेगी। इसे पहले जनवरी 2026 में पेश किया जा चुका है। कंपनी ने इसकी बुकिंग 41,000 रुपए से शुरू कर दी है। कार की डिलीवरी मई 2026 से शुरू होने की संभावना है। मेजेस्टर में बेहतर स्पेस और उन्नत फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे फैमिली और शहरी उपयोग के लिए उपयुक्त बनाते हैं। टोयोटा अप्रैल 2026 में अपनी पहली ईवी एसयूवी, अर्बन क्रूजर इब्लेला लॉन्च करने जा रही है। इसमें 40 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प मिलेंगे। कीमत का खुलासा लॉन्च के समय किया जाएगा। यह कार आधुनिक टेक्नोलॉजी और बेहतर रेंज के साथ पर्यावरण के अनुकूल विकल्प पेश करती है। निसान की मिड-साइज एसयूवी, टेक्टन, भी अप्रैल 2026 में लॉन्च हो सकती है। यह भारतीय बाजार में किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी गाड़ियों से मुकाबला करेगी। टेक्टन में मजबूत डिजाइन और आरामदायक फीचर्स शामिल हैं।

एनसीएलएटी ने बीएसई की अपील खारिज की

नई दिल्ली (ईएमएस)। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं। इसके चलते रुपया कमजोर हुआ और इक्विटी बाजार पर दबाव देखा गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की अस्थिरता को बढ़ाया है, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है। डीमैट खातों की जब्ती से जुड़े मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की अपील को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि आईबीसी की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी को व्यापक शक्तियां प्राप्त हैं जो दिवालियापन समाधान और परिसमापन के मामलों में लागू होती हैं। बीएसई ने एनसीएलटी के अधिकार को चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि दिवालियापन के दौरान डीमैट खातों पर रोक हटाना सेबी के नियामकीय दायरे में आता है। लेकिन अपीलीय अधिकरण ने इस दलील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि दिवालियापन से जुड़े मामलों में एनसीएलटी का अधिकार सर्वोपरि है। इसका मतलब है कि भविष्य में ऐसे मामलों में एनसीएलटी के फैसलों पर विवाद की संभावना कम होगी और स्पष्टता बनी रहेगी।

क्रिप्टो मार्केट में एक साल का उतार-चढ़ाव

बिटकॉइन और डॉगकॉइन सबसे अधिक प्रभावित

मुंबई (ईएमएस)। पिछले एक साल में क्रिप्टोकरेंसी मार्केट निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। 31 मार्च 2025 को ग्लोबल मार्केट कैप 2.67 ट्रिलियन डॉलर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 4.28 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद तेज गिरावट आई और अब यह लगभग 2.32 ट्रिलियन डॉलर रह गया है, यानी सालाना करीब 13 फीसदी की कमी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत भी प्रभावित हुई। एक साल पहले यह 82,336 डालर पर थी, अक्टूबर में 1.25 लाख डॉलर के ऑल टाइम हाई तक पहुंची और वर्तमान में 67,405 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। इससे सालाना करीब 19 फीसदी की गिरावट हुई।

सोना–चांदी के भाव में नरमी

सोना 405 रुपए गिरकर 1,46,850, चांदी 754 रुपए टूटकर 2,27,200 पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोना और चांदी के वायदा भाव में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को उतार-चढ़ाव के बीच नरमी देखने को मिली। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों की शुरुआत अलग-अलग रुख के साथ हुई, लेकिन बाद में दोनों धातुएं गिरावट के साथ कारोबार करती नजर आईं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 405 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,850 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,47,255 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय सोना करीब 1,013 रुपये टूटकर 1,46,242 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,49,250 रुपये का उच्च स्तर और 1,44,212 रुपये का निचला स्तर छुआ। वहीं चांदी के मई वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 152 रुपये की तेजी के साथ 2,28,106 रुपये पर हुई, लेकिन बाद में इसमें गिरावट आ गई। खबर लिखे जाने के समय चांदी 754 रुपये टूटकर 2,27,200 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन में इसने 2,28,786 रुपये का उच्च और 2,27,164 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का रुख देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना करीब 22.90 डॉलर गिरकर 4,469.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 1.08 डॉलर की गिरावट के साथ 68.71 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के चलते बाजार में यह गिरावट देखने को मिल रही है, जिसे एक सामान्य सुधार माना जा रहा है।

सरकार ने पीडीएस में केरोसिन आवंटन बढ़ाया, अफवाहों पर नियंत्रण

घरों में खाना और रोशनी के लिए केरोसिन उपलब्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित आपूर्ति बाधा को ध्यान में रखते हुए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) का तदर्थ आवंटन मंजूर किया है। यह घरों में खाना बनाने और रोशनी के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पहले केरोसिन मुक्त माने जाने वाले 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी अब इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर मांग पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी के वितरण के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी किए हैं। 14 मार्च 2026 के बाद अब तक लगभग 39,368 मीट्रिक टन एलपीजी कमर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और लद्दाख ने इसकी आवश्यकता नहीं बताई। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और जरूरत से ज्यादा खरीदारी हुई। सरकार ने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सही जानकारी के लिए प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर भरोसा करने की अपील की गई है। वर्तमान में 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश यह नियमित जानकारी साझा कर रहे हैं।

अनिश्चित वैश्विक माहौल में निवेशकों के लिए संतुलित रणनीति जरूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने यह बड़ा सवाल है कि आखिर पैसा कहां लगाया जाए। ऐसे माहौल में बाजार विशेषज्ञों की राय है कि घबराने के बजाय सोच-समझकर निवेश करना और शेयर बाजार में बने रहना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय और वैश्विक बाजारों पर कई नकारात्मक कारकों का असर पड़ा। व्यापार युद्ध की आशंकाएं, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सोना-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े बदलावों के कारण आईटी शेयरों में दबाव देखने को मिला। विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पूंजी निकालने से रुपये में भी कमजोरी आई और यह डॉलर के मुकाबले 94 के पार चला गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक दबाव लंबे समय तक नहीं रहेंगे और आने वाले महीनों में स्थिति कुछ हद तक सामान्य हो सकती है। हालांकि, महंगाई के 6 प्रतिशत से ऊपर रहने की संभावना के कारण ब्याज दरों में कटौती फिलहाल टल सकती है, जिससे आर्थिक वृद्धि की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। निवेश रणनीति को लेकर विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो का लगभग 60 से 65 प्रतिशत हिस्सा शेयर बाजार में रखें। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद, बढ़ता पूंजी निवेश और सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली भविष्य में बेहतर रिटर्न की संभावना दिखाते हैं। वहीं सोना और चांदी में 20 से 25 प्रतिशत निवेश को सुरक्षित विकल्प माना गया है, जो अनिश्चित परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा, 10 से 30 प्रतिशत निवेश सुरक्षित साधनों जैसे बैंक जमा और सरकारी बॉन्ड में रखना भी जरूरी बताया गया है, जिससे स्थिर रिटर्न मिलता रहे। विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में बाजार का वैल्यूएशन भी पहले की तुलना में अधिक आकर्षक स्तर पर है, जिससे निवेश के अवसर बन रहे हैं।

जम्मू संभाग के 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने की मंजूरी

जम्मू (ईएमएस)। आयुष मंत्रालय के तहत नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड ने जम्मू संभाग में 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस परियोजना के लिए कुल 53 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल के तहत संभाग के प्रत्येक जिले से 10-10 स्कूलों को चयनित किया गया है। ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए जीवंत शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित होंगे, जहां वे औषधीय पौधों की पहचान, खेती और उपयोग संबंधी जानकारी सीख सकेंगे। इसका उद्देश्य स्कूल शिक्षा प्रणाली में पारंपरिक औषधीय ज्ञान और प्रकृति के प्रति जागरूकता को जोड़ना है। आयुष निदेशक एवं जेएंडके मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के सीईओ ने इसे शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को जोड़ने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम बताया।

ऑटो सेक्टर में तेज रफ्तार, मार्च 2026 में मजबूत बिक्री की उम्मीद

ग्राहक मांग, आसान फाइनेंसिंग और ग्रामीण मजबूती से सभी सेगमेंट में ग्रोथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑटो सेक्टर में इस समय जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और मार्च 2026 कंपनियों के लिए मजबूत कमाई का संकेत दे रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने में लगभग सभी ऑटो सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ दर्ज होने की संभावना है। बेहतर ग्राहक भावना, बढ़ती आय और आसान फाइनेंसिंग के चलते बाजार में मांग लगातार बनी हुई है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में खास मजबूती दिख रही है। प्रमुख कंपनियों की रिटेल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की सालाना बढ़त का अनुमान है, जबकि थोक बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत उछाल संभव है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स को नए मॉडल्स से फायदा मिल रहा है, वहीं Maruti Suzuki की मांग मजबूत है, हालांकि उत्पादन सीमाएं थोड़ी चुनौती बनी हुई हैं। दोपहिया सेगमेंट में भी तेजी कायम है। शादी के सीजन और पिछले साल के कम आधार के कारण बिक्री में करीब 21 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान है। हालांकि रायल इनफील्ड पर निर्यात दबाव का असर देखा जा सकता है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी मांग मजबूत बनी हुई है, जहां लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। माल ढुलाई की बढ़ती जरूरत इस ग्रोथ को सपोर्ट कर रही है। सबसे ज्यादा तेजी ट्रैक्टर सेगमेंट में देखने को मिल रही है। अच्छी बारिश, बेहतर फसल और किसानों की आय में सुधार से ग्रामीण मांग मजबूत हुई है। साथ ही, जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से लागत कम हुई है, जिससे बिक्री में करीब 23 प्रतिशत की बढ़त संभव है।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा। सभी शुल्क रहित सीटों की उपलब्धता और लागू शर्तें बुकिंग वेबसाइट या ऐप पर स्पष्ट रूप से दिखानी होंगी। इसके अलावा, खेल उपकरण, संगीत वाद्य यंत्र जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए सभी शुल्क और किसी भी नुकसान की स्थिति में जिम्मेदारी की शर्तें भी स्पष्ट रूप से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में केवल लगभग 20 प्रतिशत सीटें मुफ्त चयन के लिए उपलब्ध हैं। बाकी सीटों के लिए यात्री 200 से 2,100 रुपये तक का शुल्क देते हैं, जो सीट की पंक्ति और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। नई नीति लागू होने के बाद, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें सभी यात्रियों के लिए बिना शुल्क चयन विकल्प के साथ उपलब्ध होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया है। उनका कहना है कि 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने से उनकी आय पर असर पड़ेगा और नुकसान की भरपाई के लिए उन्हें हवाई किराया बढ़ाना पड़ सकता है। डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि यह परिपत्र जारी होने की तारीख से 30 दिन बाद प्रभावी होगा।

तीन नई एसयूवी लॉन्च करेगी किआ इंडिया कंपनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया अब अपने प्रोडक्ट लाइनअप को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। किआ इंडिया कंपनी जल्द ही तीन नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है, जिनमें हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक विकल्प भी शामिल होंगे। किआ की आने वाली गाड़ियों में किआ सोरेंटो हायब्रिड, किआ सेल्टोस जीटीएक्स प्लस और किआ सिरोज ईवी प्रमुख हैं। सोरेंटो हाइब्रिड को कंपनी इस साल के अंत तक लॉन्च कर सकती है। यह 7-सीटर एसयूवी होगी और भारत में किआ की पहली हाइब्रिड पेशकश मानी जा रही है। इसमें प्रीमियम डिजाइन, बड़े टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की संभावना है। इसकी कीमत 20 से 30 लाख रुपये के बीच हो सकती है। वहीं, कंपनी अपनी लोकप्रिय किआ सेल्टोस का नया टॉप-एंड वेरिएंट जीटीएक्स प्लस भी पेश करने जा रही है। इस वेरिएंट में लेवल-2 अडास और बेहतर सेमी-ऑटोनॉमस ड्राइविंग फीचर्स जोड़े जा सकते हैं। साथ ही, इसमें स्पोर्टी डिजाइन और नए कॉस्मेटिक अपडेट देखने को मिलेंगे, जबकि इंजन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है।

बीएसई में गिरावट की मार, आधे से अधिक शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर

निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की

नई दिल्ली (ईएमएस)। मार्च 2026 में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी कमजोरी देखने को मिली है। बीएसई में सूचीबद्ध 4,270 शेयरों में से 2,234 अपने 52-सप्ताह के सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं। हर पांच में से एक शेयर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर गिर गया है। निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। 2024 के उच्चतम स्तर से अब तक कुल बाजार पूंजीकरण में 56 लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं।

इससे चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और सरकार पर सब्सिडी का दबाव बनेगा, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका भी है। शेयर बाजार में मंदी के बीच दिग्गज ब्रोकरेज हाउसों ने निवेश रणनीति बदल दी है। गोल्डमैन सॉक्स ने 'डिफेंसिव कंजंप्शन' और 'अपस्ट्रीम एनर्जी' को प्राथमिकता दी है। बैंकों को 'ओवरवेट' रखा गया है क्योंकि मजबूत एसेट क्वालिटी और नेट इंटरेस्ट मार्जिन सहारा दे रहे हैं।

वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 'अंडरवेट' किया गया है। आईटी, फार्मा और केमिकल्स पर जोखिम बरकरार है, जबकि ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को 'मार्केटवेट' में डाउनग्रेड किया गया है। एचएसबीसी जैसी ब्रोकरेज हाउसें इस मंदी को खरीदारी का अवसर मान रही हैं। लंबे समय तक ऊँचे वैल्यूएशन के बाद शेयर अब अपने दीर्घकालिक औसत के करीब आ गए हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशक सुरक्षित क्षेत्रों जैसे बैंकिंग और डिफेंसिव कंजंप्शन सेक्टर्स पर ध्यान दें और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सतर्क रहें।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन ई-कॉमर्स सीमा शुल्क पर भारत और अमेरिका में मतभेद

सदस्य देशों ने 2031 तक रोक बढ़ाने पर विचार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में सदस्य देशों ने इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन (ई-कॉमर्स) पर सीमा शुल्क न लगाने की मौजूदा प्रथा को 30 जून, 2031 तक बढ़ाने पर विचार किया। लगभग तीन दशकों से सदस्य देश हर दो साल में इस रोक को बढ़ाते रहे हैं। हालांकि, भारत ने राजस्व हानि की चिंताओं का हवाला देते हुए स्थायी रोक लगाने का विरोध किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीमा शुल्क में छूट के दायरे और संभावित प्रभाव पर सदस्य देशों के बीच कोई आम सहमति नहीं है, इसलिए इसे लगातार आगे बढ़ाने के फैसले पर बारीकी से गौर करना आवश्यक है। अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देश इस रोक को स्थायी बनाने के पक्ष में हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका केवल कुछ समय के लिए रोक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता। उनका कहना था कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को दीर्घकालिक निश्चितता नहीं मिलेगी। ई-कॉमर्स और निवेश से जुड़े मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद, मंत्रीस्तरीय बैठक में बहुपक्षवाद बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई। भारत ने विकसित देशों के दबाव के बावजूद आईएफडी समझौते में शामिल होने का विरोध किया। हालांकि, यह समझौता 129 देशों के बहुमत समर्थन के साथ पारित हुआ। पिछली दो मंत्रीस्तरीय बैठकों (12वीं और 13वीं) की तरह, इस बार भी अंतिम घोषणा पर किसी सहमति की सूचना नहीं मिली। भारत ने स्पष्ट किया कि ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क में छूट को लेकर नीति में संतुलन और राजस्व सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

ईरान में तख्तापलट का ख्वाब देख रहे ट्रंप के खिलाफ ही लाखों लोग सड़कों पर उतरे

'नो किंग्स' आंदोलन के तहत अमेरिका के 3200 स्थानों पर हुआ विरोध प्रदर्शन

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान में तख्तापलट और बगावत का ख्वाब देख रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में विरोध का सामना करना पड़ा रहा है। 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत अमेरिका के 3,200 स्थानों पर 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। तानाशाही रवैये और युद्ध नीतियों के खिलाफ भड़का यह आक्रोश अब ट्रंप की कुर्सी के लिए खतरा बन गया है। अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के खिलाफ जन-आक्रोश की एक नई लहर देखने को मिली है। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों समेत दुनिया के कई प्रमुख शहरों में नो किंग्स विरोध प्रदर्शन हुए। आयोजकों का दावा है कि यह अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शनों में से एक है।

इस बार के प्रदर्शनों के केंद्र में तीन मुख्य मुद्दे हैं- पिछले चार हफ्तों से ईरान के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष और अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध। विशेष रूप से मिनेसोटा में संघीय एजेंटों द्वारा रेनी गुड और एलेक्स प्रेटी की मौत के बाद गुस्सा चरम पर है। वहीं प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन निरंकुश तरीके से काम कर रहा है और संवैधानिक मर्यादाओं को चुनौती दे रहा है। यह आंदोलन केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। देशभर में 3,200 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में टाइम्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने लोकतंत्र बचाओ के नारे लगाए। वहीं मिनेसोटा में यह विरोध का प्रतीकात्मक केंद्र बना। यहां रॉक स्टार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने गाना गाकर उन लोगों को श्रद्धांजलि दी जो अप्रवासन कार्रवाई में मारे गए थे। न्यूजर्सी में समृद्ध उपनगरीय इलाकों में भी 'सॉकर मॉम्स' और कामकाजी वर्ग सड़कों पर उतरा जो पारंपरिक रूप से राजनीति से दूर रहते थे। इस आंदोलन का नाम ही इसके उद्देश्य को स्पष्ट करता है कोई राजा नहीं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति ट्रंप की 'कार्यकारी शक्तियों' के बढ़ते उपयोग को राजशाही के समान मानते हैं। उनका तर्क है कि अमेरिका एक लोकतंत्र है जहां कानून सर्वोपरि है न कि कोई व्यक्ति।

रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित रूप से यह प्रदर्शन आगामी मिड-टर्म चुनावों से पहले हो रहे हैं। न्यूजर्सी जैसे राज्यों में जहां रिपब्लिकन मजबूत थे अब मतदाता का डेमोक्रेटिक की तरफ झुकाव दिखा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उपनगरीय क्षेत्रों में बढ़ता यह आक्रोश कांग्रेस पर रिपब्लिकन नियंत्रण को खत्म कर सकता है।

लंदन, पेरिस और रोम जैसे शहरों में भी ट्रंप विरोधी रैलियां निकाली गई। यह दर्शाता है कि अमेरिकी विदेश नीति खासकर ईरान युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता और विरोध बढ़ रहा है। दुनिया भर के लोग दक्षिणपंथी राजनीति के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। जहां एक ओर डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी सैंडर्स और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ ने इन प्रदर्शनों को लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताया, वहीं व्हाइट हाउस ने इसे राजनीति से प्रेरित करार दिया है। लॉस एंजिल्स जैसे कुछ स्थानों पर झड़पें भी हुईं जहां पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कुल मिलाकर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।

संक्षिप्त खबरें

फिर दुनिया के सामने आया पाकिस्तान का दोमुंही चेहरा, बैठक में शांति की बात,पड़ोस में मोर्टार दागा रहा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में बिना तैयारी के ईरान-अमेरिका जंग को खत्म कराने की मीटिंग बुलाई। तभी पाकिस्तान खुद एक नए टकराव में उलझ गया। जब इस्लामाबाद में मिस्र, तुर्की और सऊदी अरब के विदेश मंत्री शांति की कोशिशों पर चर्चा कर रहे थे, तब पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान पर मोर्टार दाग दिए। अफगानिस्तान सरकार ने आरोप लगाया कि असदाबाद के बाहरी इलाकों पर भारी हथियारों से हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 16 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इन घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इस पूरे घटनाक्रम की टाइमिंग पर सवाल उठा रहे है। जिस दिन पाकिस्तान में सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र और खुद पाकिस्तान के विदेश मंत्री ईरान-अमेरिका जंग को शांत करने की बात कर रहे थे, तभी यह हमला हुआ। दरअसल पाकिस्तान बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, लेकिन अपनी खुद की सीमा पर उसकी कार्रवाई कुछ और बंया कर रही है। हालात इसलिए भी संवेदनशील हैं क्योंकि पेशावर में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक अहम 'जिरगा' होने वाला है। जिरगा दरअसल एक पारंपरिक सभा होती है, जिसमें जनजातीय बुजुर्ग, नेता, धार्मिक विद्वान और समाज के प्रभावशाली लोग बैठकर विवादों का हल निकालते हैं। इस बार इस जिरगा का मकसद दोनों देशों के बीच तनाव कम करना और शांति का रास्ता निकालना है। लेकिन जिरगा से ठीक पहले हुआ यह हमला दोनों देशों के रिश्तों को और खराब कर सकता है। पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी से शुरू हुई झड़पें अब दशकों की सबसे गंभीर टकराव में बदल चुकी हैं। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान उसकी सीमा में हमले करने वाले आतंकियों जैसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पनाह देता है। वहीं अफगानिस्तान इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है।

खार्ग द्वीप पर अमेरिकी कमांडो पकड़े जाने का ईरान ने किया दावा

तेहरान,(ईएमएस)। खार्ग द्वीप पर अमेरिकी कमांडो पकड़े जाने का दावा ईरान से आया है। तेहरान के अनुसार, अमेरिकी मरीन और कमांडो खार्ग द्वीप पर जमीनी हमले की कोशिश में फंस गए। यह द्वीप ईरान का सबसे महत्वपूर्ण तेल केंद्र है। अगर यह दावा सही है, तो यह क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा सकता है और युद्ध की दिशा बदल सकता है। ईरान ने कहा है कि वह कमजोर नहीं है। इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान लगातार अपने राष्ट्रीय हितों और नुकसान की भरपाई को तैयार रहा है। पिछले दो दशकों में मोसाद और सीईए की गुप्त कार्रवाइयों में ईरानी वैज्ञानिक, नौकरशाह और नेता मारे गए हैं। ईरान ने अब तक 9,000 से अधिक ठिकानों पर हमला कर चुका है और उसके पास 15,000 और ठिकानों की सूची तैयार है। खाड़ी देशों में हालात भी बदल रहे हैं। अब अरब देश खुद अमेरिकी अड्डों की सुरक्षा कर रहे हैं। पहले यह अड्डे उनके बचाव के लिए थे, लेकिन अब स्थिति उलट गई है। अमेरिका ने क्षेत्र से बड़े पैमाने पर धन निकाला है, जिससे खाड़ी देशों में असंतोष बढ़ा है। अब क्षेत्रीय ताकतें, ईरान समेत, मिलकर सुरक्षा समझौते की दिशा में सोच रही हैं और अमेरिकी अड्डों को हटाने की मांग कर रही हैं। सुरक्षा विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि ईस्टर के आसपास दक्षिण एशिया में किसी बड़ी साजिश या 'डर्टी बम' जैसी घटना का खतरा बना हुआ है। ट्रंप लगातार बयान दे रहे हैं और अतिरिक्त सैनिक भेज रहे हैं, जिससे युद्ध बढ़ने का जोखिम बढ़ गया है। यह सब संकेत है कि क्षेत्रीय तनाव और अस्थिरता गहरी हो रही है और अमेरिका और ईरान के बीच संभावित संघर्ष गंभीर रूप ले सकता है।

खुद और अपने अरबपति दोस्तों को और अमीर करने के लिए युद्ध को लंबा खींच रहे ट्रंप

हर बार जंग के बाद अमेरिका के कारोबारियों की संपति बढ़ती

वाशिंगटन,(ईएमएस)। जब दुनिया में कहीं युद्ध होता है, तब सबसे पहले सवाल उठता है कि इससे असली में फायदा किस हो रहा है? जहां गरीब देशों के लोग मर रहे होते हैं, वहीं अमेरिका जैसे अमीर देश और अमीर होते हैं। अभी भी ईरान युद्ध से अमेरिका काफी मालामाल हो रहा है। यह बात किसी और ने नहीं मिडिल ईस्ट के जाने-माने जानकार ने कही है। जानकार ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप यह युद्ध इसलिए खींच रहे हैं क्योंकि उनके अरबपति दोस्तों को इससे फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की अपनी संपत्ति में जो बढ़ोतरी हुई है, वहां खुद ही इस बात का सबूत है। उनका कहना है कि ट्रंप चारों तरफ से अरबपतियों से घिरे हुए हैं और इजराइल के प्रधानमंत्री जो कहते हैं, ट्रंप वहीं करते हैं। अमेरिका में भी लोग सड़कों पर उतर रहे हैं और अपनी ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ट्रंप अपने अरबपति साथियों को खुश करने और इजरायल के एजेंडे को पूरा करने के लिए युद्ध को लंबा खींच रहे हैं।

मीरपुर में अवामी लीग के वरिष्ठ नेता शफीकुल इस्लाम हमले में गंभीर रुप से घायल

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश के कुश्तिया जिले के मीरपुर में अवामी लीग के वरिष्ठ नेता शफीकुल इस्लाम आजम पर ताबड़तोड़ फायरिंग का गंभीर हमला हुआ। घटना में उन्हें दाहिनी आंख, बाएं जबड़े और पेट के ऊपरी हिस्से में गोली लगी। पेट में घाव के कारण भारी खून बह गया और उनकी हालत नाजुक बनी। उन्हें तत्काल कुश्तिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें ढाका रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, शफीकुल इस्लाम आजम को हमलावरों ने आमला यूनियन के सदारपुर बाजार स्थित एक कारोबारी प्रतिष्ठान में मिलने के लिए बुलाया था। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से तीन लाइव बुलेट्स, एक मैगजीन और एक बाइक बरामद की है। मीरपुर सर्किल के एसएसपी ने मामले की जांच जारी होने की पुष्टि की और कहा कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इस हमले के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। अवामी लीग के कार्यकर्ता और शफीकुल इस्लाम आजम के समर्थक हमलावरों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इस घटना ने बांग्लादेश के राजनीतिक माहौल को भी गर्म कर दिया है। अवामी लीग ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी राज्य तंत्र का दुरुपयोग करके विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ उत्पीड़न और बदले की कार्रवाई कर रही है।

ट्रंप को झटका, स्पेन ने अमेरिकी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी-इजरायली सैन्य कार्रवाई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूरोप से बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। स्पेन ने अमेरिकी युद्धक विमानों और ईरान से जुड़े ऑपरेशन से संबंधित विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद किया है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने अमेरिका-इजरायल युद्ध की बार-बार आलोचना की है, जबकि ट्रंप ने व्यापारिक जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गरिटा रोबल्स ने कहा कि उनके देश ने न केवल रोटा और मोरॉन सैन्य अड्डों का इस्तेमाल के लिए मना किया है, बल्कि तीसरे देशों (जैसे ब्रिटेन या फ्रांस) से आने वाले अमेरिकी विमानों को भी स्पेनिश हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। प्रधानमंत्री सांचेज की सरकार ने अवैध युद्ध करार देकर कहा कि स्पेन किसी भी देश का गुलाम नहीं बनेगा। सांचेज का यह फैसला नाटो की एकजुटता पर सवाल उठा रहा है। स्पेन ने पहले ही इन आधारों पर अमेरिकी टैंकर और फाइटर विमानों को ईरान हमलों के लिए इस्तेमाल करने से इंकार किया था। अब एयरस्पेस बंद होने से अमेरिकी विमानों को लंबा रूट अपनाना पड़ रहा है, जिससे ऑपरेशन की लागत और समय बढ़ गया है। ट्रंप प्रशासन ने स्पेन पर व्यापारिक प्रतिबंधों की धमकी दी थी, लेकिन मैड्रिड अपनी स्थिति पर अडिग है। स्पेन का कहना है कि यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है।

न्यूज़ीलैंड में हुर्इ सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी

फिर चर्चा में आया इंदिरा गांधी की हत्या का मामला, सतवंत सिंह का भतीजा बलतेज सिंह मुख्य आरोपी

वेलिंगटन,(ईएमएस)। न्यूजीलैंड में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी ने सतवंत सिंह के भतीजे बलतेज सिंह पर फिर ध्यान केंद्रित किया है। सतवंत 1984 में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल दो सुरक्षाकर्मियों में से एक था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलतेज सिंह को रिकॉर्ड तोड़ ड्रग जब्ती के पीछे का मुख्य आरोपी बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड के किसी मीडिया आउटलेट ने पहली बार उसका नाम लिया है। इसके पहले, उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए लंबे समय से चले आ रहे कानूनी सुरक्षा को छोड़ने का फैसला किया था। रिपोर्ट में बताया गया है, करीब दो साल तक, सिंह की पहचान न्यूजीलैंड के सख्त नाम छिपाने वाले कानूनों के तहत सुरक्षित रही। ये कानूनी नियम कोर्ट को किसी आरोपी की पहचान सार्वजनिक करने पर रोक लगाने की इजाजत देते हैं। हालांकि, ये सुरक्षा सिर्फ देश में ही लागू होते हैं। रिपोर्ट में गया, विश्लेषक का कहना है कि सिंह का अपनी गोपनीयता बनाए रखने की याचिका वापस लेना एक व्यावहारिक स्थिति को दिखाता है। उनका मानना है कि जब मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से सामने आ चुका था, तब न्यूजीलैंड के भीतर पहचान छिपाने की कानूनी लड़ाई न केवल महंगी, बल्कि बेअसर भी हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड के अधिकारियों की जांच 2 मार्च, 2023 को एक जानलेवा घटना से शुरू हुई, जब 21 साल के एडेन सागाला की हनी बेयर बीयर लेबल वाले ड्रिंक के कैन में छिपाकर रखे गए लिक्विड मेथामफेटामाइन को पीने के बाद मौत हो गई। यह शुरू में एक दुखद घटना लग रही थी, लेकिन जल्द ही इसकी जांच शुरू हुई और पूरे देश में चर्चा का केंद्र बन गई। अधिकारियों ने सोर्स का पता ऑकलैंड में एक स्टोरेज फैसिलिटी से लगाया, जहां उन्हें करीब 700 किलोग्राम लिक्विड मेथामफेटामाइन मिला। यह न्यूजीलैंड के इतिहास में अपनी तरह की सबसे बड़ी जब्ती थी। ड्रग्स को रोजाना के सामान में बड़ी चालाकी से छिपाकर रखा गया था। इस ड्रग को अमेरिका से आए कोम्बुचा शिपमेंट, भारत से आए नारियल पानी और कनाडा से आए हजारों बीयर कैन में रखा गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑपरेशन के लिए पुलिस ने प्रोजेक्ट लैवेंडर के तहत बड़े पैमाने पर जांच शुरू की। इसमें बताया गया है, सिंह को ऑकलैंड एयरपोर्ट पर दुबई के लिए यात्रा करते समय पकड़ा गया था। जांच करने वालों का आरोप है कि समय से पता चलता है कि वह देश से भागने की कोशिश कर रहा था। बाद में सिंह को दोषी ठहराया गया और मेथामफेटामाइन, एफेड्रिन और कोकीन के इंपोर्ट सहित अन्य आरोपों में 22 साल जेल की सजा सुनाई गई। वहीं एक सह-आरोपी, हिम्मतजीत जिमी सिंह कहलों को मेथ-लेस्ड कैन बांटने के लिए गैर-इरादतन हत्या का दोषी पाया गया, जिससे सागाला की मौत हुई। उस 21 साल की सजा मिली।

जब खुले मंच से, ट्रंप ने कह दिया................उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एमबीएस उनकी इतनी चापलूसी कर सकते

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मियामी में हुए हाई-प्रोफाइल निवेश शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) को लेकर चौंकाने वाला बयान दे दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एमबीएस उनकी इतनी चापलूसी कर सकते हैं, लेकिन अब ऐसा करना पड़ रहा है। इस बयान का मंच भी खास था—सऊदी अरब के सोवरन वेल्थ फंड द्वारा समर्थित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव, जिसमें दुनिया भर के निवेशक शामिल थे। ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिका-सऊदी रिश्तों और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति संतुलन की असली तस्वीर दिखाती है। इस मौके पर ट्रंप ने एमबीएस के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों और बातचीत का जिक्र किया, जिसमें क्राउन प्रिंस ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी कदमों को जारी रखने की सलाह दी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमबीएस ने ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने जैसे कड़े कदमों का सुझाव दिया। हालांकि, सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से इस बात से इंकार किया कि वह युद्ध को बढ़ावा दे रहा है और कहा कि वह शांतिपूर्ण समाधान और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।

इस बयान के पीछे अमेरिका और सऊदी अरब के 80 साल पुराने गठजोड़ का संदर्भ भी है। 1945 में राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूजवेल्ट और किंग अब्दुल अजीज की ऐतिहासिक बैठक से शुरू हुआ यह रिश्ता अमेरिका को सुरक्षा और सऊदी अरब को रणनीतिक स्थिरता देता है। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से एमबीएस का मजाक उड़ाया, लेकिन उनकी टिप्पणियों से यह साफ है कि वे खाड़ी देशों के अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देश ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिका के साथ मजबूती से खड़े रहे, यहां तक कि नाटो सहयोगियों से भी अधिक समर्थन दिखाया। यह बयान वैश्विक राजनीति और तेल बाजारों पर असर डाल सकता है, क्योंकि मध्य पूर्व में तनाव अपने चरम पर है। ट्रंप की बेबाक टिप्पणी केवल व्यक्तिगत रिश्तों का खुलासा नहीं बल्कि अमेरिका-सऊदी रणनीतिक निर्भरता और मध्य पूर्व की जटिल राजनीतिक स्थिति का भी संकेत देती है। उनके इस बयान ने निवेशकों और राजनयिकों के लिए कई नई चुनौतियां और संभावनाएं पैदा कर दी हैं, और वैश्विक समुदाय की निगाहें

होर्मुज का जो सिस्टम अतीत में था, अब वह वैसा नहीं रहेगा, यह हमेशा हमारा रहेगा

ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति रजा आरिफ के ऐलान ने वाशिंगटन से लेकर तेल अवीव तक की उड़ा दी नींद

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिका सालों से ईरान में रिजीम चेंज के सपने देख रहा था, लेकिन ईरान ने बाजी पलटते हुए एक ऐसा रिजीम चेंज कर दिया है जिसने वाशिंगटन से लेकर तेल अवीव तक की नींद उड़ा दी है। बिना कोई मिसाइल दागे, ईरान ने दुनिया की अर्थव्यवस्था की सबसे नाजुक नस दबा दी है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने अमेरिका को लेकर ऐसा ऐलान किया है, जो किसी भी परमाणु बम से ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि... हां, रिजीम चेंज हो गया है...लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का सिस्टम! होर्मुज का जो सिस्टम अतीत में था, अब वह वैसा नहीं रहेगा। यह हमेशा के लिए हमारा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सिर्फ एक खोखला राजनीतिक बयान नहीं है, यह दुनिया की इकोनॉमिकल लाइफ लाइन को हमेशा के लिए अपने कब्जे में लेने की ईरान की हुंकार है। आरिफ ने साफ कर दिया है कि तेहरान युद्ध के मैदान में मिली अपनी 'उपलब्धियों' को अब देश के लिए स्थायी आर्थिक और सुरक्षा फायदों में भुनाएगा। सीधे शब्दों में कहें तो- 'अब हम तय करेंगे कि इस समंदर से किसका तेल गुजरेगा और किसका जहाज डूबेगा।

अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के जनरलों ने फाइलें खोल ली हैं। खबरें हैं कि वे ईरान के अंदर सीमित जमीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। उनके निशाने पर खार्ग आईलैंड और होर्मुज के तटीय इलाके हैं, लेकिन अमेरिका की परेशानी यह है कि उसका बायां हाथ नहीं जानता कि दायां हाथ क्या कर रहा है। एक तरफ फौज तैयार है, तो दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो बयान दे रहे हैं कि हम बिना जमीनी सेना उतारे ही अपने सारे लक्ष्य हासिल कर लेंगे। अमेरिका दूर से पत्थर फेंकने की बात कर रहा है क्योंकि उसे पता है कि अगर उसने ईरान की जमीन पर कदम रखना तो उसके सैनिकों को मौत के मुंह में धकेना होगा। अमेरिका की इसी हिचकिचाहट और कन्फ्यूजन ने ईरान को और ज्यादा आक्रामक होने का हौसला दिया है।

कूटनीतिक और सैन्य मोर्चे पर ईरान अब अपना आपा खो चुका है। पिछले दिनों इजराइल और अमेरिका ने ईरान की दो यूनिवर्सिटियों को यह कहकर तबाह कर दिया कि वहां परमाणु रिसर्च हो रही थी।

इसके जवाब में ईरान ने ऐसा पलटवार किया कि पश्चिमी देशों की घिग्घी बंध गई है। तेहरान ने सीधे खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी और पश्चिमी यूनिवर्सिटियों को तबाह करने की धमकी दे दी। ईरान का संदेश साफ है- अगर हमारे छात्र सुरक्षित नहीं हैं, तो तुम्हारे भी नहीं बचेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान का प्रॉक्सी वॉर अपने चरम पर है। यमन में बैठे ईरान के मददगार 'हूती' अब इजराइल पर सीधे मिसाइलों और ड्रोनों की बारिश कर रहे हैं। बौखलाहट में इजराइल के फाइटर जेट्स बेरूत में हमले कर दहशत फैला रहे हैं ताकि लोगों के दिलों में खौफ पैदा हो। लेबनान में हालात इतने भयानक हैं कि एक ही दिन में 9 मेडिकल स्टाफ की मौत हो गई।

फिर आया सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का संदेश, ईराक के लोगों का किया शुक्रिया

मोजतबा कहां हैं और उनकी हालत क्या है? मोसाद और अमेरिकी ड्रोन्स ढूंढ रहे

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का एक मैसेज सामने आया है, लेकिन हमेशा की तरह, इस बार भी न तो उनकी कोई तस्वीर दिखी, न कोई वीडियो सामने आया और न ही उनकी आवाज सुनाई दी। बस एक कागज का टुकड़ा, जिसे उनका संदेश बताकर दुनिया के सामने पेश किया गया। इससे पहले भी जब उनका मैसेज आया था, तब भी ऐसे ही कागज का टुकड़ा देखने को मिला था। आखिर ईरान के सुप्रीम लीडर किसे शुक्रिया कह रहे हैं, उनकी सेहत पर किस तरह की चर्चा है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोजतबा खामेनेई ने ताजा मैसेज में इराक के धार्मिक नेताओं और वहां की जनता को धन्यवाद दिया है। मोजतबा ने इराक के लोगों को ईरान के खिलाफ हो रही आक्रामकता पर उनके स्पष्ट और मजबूत स्टैंड के लिए शुक्रिया कहा, लेकिन यह संदेश सीधे तौर पर नहीं दिया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक बगदाद में इराक की 'सुप्रीम इस्लामिक असेंबली' के स्पीकर और ईरानी राजदूत के बीच एक बंद कमरे में गुपचुप मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान यह 'संदेश' एक इराकी अधिकारी के हाथ में दिया गया।

मोजतबा खामेनेई हैं कहां और उनकी हालत क्या है? उनके जिंदा होने या पूरी तरह स्वस्थ होने पर दुनिया भर की खुफिया एजेंसियों को भारी शक है। 28 फरवरी को जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर पहली बार भीषण एयरस्ट्राइक की थी, तो उसी दिन मोजतबा के पिता और तत्कालीन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। हैरान करने वाली बात यह है कि एक महीना बीत जाने के बाद भी अयातुल्लाह अली खामेनेई को अब तक दफनाया नहीं गया है। इस रहस्यमयी खामोशी पर ट्रंप ने कुछ दिनों पहले कहा था कि मोजतबा खामेनेई या तो मर चुका है, या फिर उसकी हालत बहुत ज्यादा खराब है, क्योंकि किसी ने भी उसकी कोई खबर नहीं सुनी है।

इजराइल ने बहुत पहले ही कसम खा ली थी कि मोजतबा सत्ता संभाले या न संभाले, वह इजरायली हिट-लिस्ट में सबसे ऊपर है। इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद और अमेरिकी ड्रोन्स आसमान में गिद्ध की तरह मोजतबा की एक झलक का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका के विदेश विभाग ने ईरान के 10 बड़े नेताओं के सिर पर 10-10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा है। इस लिस्ट में मोजतबा खामेनेई भी शामिल है। अगर मोजतबा अपनी बंकर से बाहर निकले, तो उन्हें पता है कि आसमान से अगली मिसाइल सीधे उनके सिर पर गिरेगी।

बता दें मार्च की शुरुआत में जब मोजतबा को आनन-फानन में ईरान का तीसरा सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था, तब से लेकर आज तक सिर्फ उनके नाम से लिखे हुए 'कागज के टुकड़े' ही बाहर आ रहे हैं। इससे पहले भी उनके नाम से कई लिखित संदेश जारी किए जा चुके हैं, जिनमें सेना का हौसला बढ़ाने और इजराइल-अमेरिका को बर्बाद करने की बातें लिखी थीं, लेकिन राष्ट्रीय टेलीविजन पर उनका चेहरा एक बार भी नहीं दिखाया गया।

मिडिल ईस्ट में ट्रंप के सामने खड़ी है खतरनाक चुनौती

अप्रैल में 6वीं जंग हार सकता है अमेरिका!

तेहरान / तेलअवीव / वाशिंगटन (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध अब धीरे-धीरे एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप लेता दिख रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब ईरान समर्थित एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस के तीन प्रमुख घटक हिजबुल्लाह, हूती विद्रोही और ईरान एक साथ सक्रिय हो गए। इन तीनों की जुगलबंदी अमेरिका के लिए खतरनाक चुनौती बन गई है। वहीं अमेरिका के लिए अप्रैल फैक्टर भी भारी पडऩे वाला है। क्योंकि अभी तक अमेरिका अप्रैल में पांच जंग हार चुका है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल में 6वीं जंग भी अमेरिका हार सकता है! दुनिया में जब-जब अमेरिका को मात मिली है, तब-तब महीना अप्रैल का ही रहा है।

अमेरिका और जापान

1941 में पर्ल हार्बर पर हमले के बाद अमेरिका और जापान में भिड़ंत हो गई। दोनों की सेना इसी दौरान फिलिपींस में आमने-सामने आ गई। इसी दौरान अप्रैल 1942 में बाटान द्वीप के पास जापान ने अमेरिकी सैनिकों को घेर कर मार डाला। इस जंग में 9 हजार अमेरिकी और फिलिपींस सैनिकों की मौत हुई।

अमेरिका-वियतनाम

1960 आते-आते वियतनाम में अमेरिकी सैनिकों ने तांडव शुरू कर दिया। वियतनाम के तत्कालीन नेता हो चिन्ह मीन्ह ने अमेरिका का खुलकर विरोध किया, जिसके बाद वियतनाम के लोग अमेरिकी सैनिकों के साथ गोरिल्ला लड़ाई शुरू की। अप्रैल 1975 अमेरिका के लिए अपशकुन साबित हुआ। इसी महीने में अमेरिका को वियतनाम में पटखनी मिली।

अमेरिका-क्यूबा

20 अप्रैल 1961 को क्यूबा में फिदेल कास्त्रो की सरकार गिराने के लिए अमेरिकी सैनिकों ने दक्षिण तट पर एक लड़ाई लड़ी, जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा। फिदेल कास्त्रो को अमेरिका का सबसे बड़े दुश्मन कहा जाता था। कास्त्रो ने गोरिल्ला तरीके से अमेरिकी सैनिकों को पटखनी दे दी। इस युद्ध में अमेरिका को काफी ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा।

अमेरिका-ईरान

पहेलवी की सरकार गिरने के बाद ईरान ने अमेरिकी दूतावास के 53 कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इन कर्मचारियों को छुड़ाने के लिए अमेरिका ने साल 1980 में एक ऑपरेशन की शुरुआत की। इस ऑपरेशन का नाम ईगल-क्लॉ रखा गया। इसमें हेलिकॉप्टर से अमेरिकी सैनिकों को ईरान में जाना था और वहां से सभी को वापस लाना था। प्लान के तहत जैसे ही अमेरिकी सैनिक उतरे। वहां पर धूल की आंधी चल पड़ी। अमेरिकी सैनिकों का हेलिकॉप्टर फंस गया, जिसके कारण उसके 8 सैनिक मारे गए। यह घटना भी अप्रैल महीने में ही घटी थी।

ऐमेरिका-अफगानिस्तान

अप्रैल 2021 में अमेरिका ने अलल-ऐलान किया कि अब वो अफगानिस्तान में युद्ध नहीं लड़ेगा। 2001 में अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन के नाम पर अफगानिस्तान में ऑपरेशन की शुरुआत की थी। अमेरिका का इस ऐलान ने पूरी दुनिया को चौंका दिया, क्योंकि पहली बार अमेरिका ने यह माना कि सैन्य बूते से तालिबान पर कंट्रोल नहीं किया जा सकता है। अफगानिस्तान युद्ध में अमेरिका के करीब 2400 सैनिक मारे गए।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे।

वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

राजस्थान ने चेन्नई को आठ विकेट से हराया, वैभव का अर्धशतक, ओवरटन की मेहनत पर फिरा पानी

गुवाहाटी । आईपीएल 2026 का तीसरा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच में दोनों टीमें जीत के साथ अभियान की शुरुआत करने का लक्ष्य लेकर उतरी हैं। राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। राजस्थान को दूसरा झटका भी अंशुल कंबोज ने दिया। उन्होंने ध्रुव जुरेल को अपना शिकार बनाया। वह 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब यशस्वी का साथ देने कप्तान रियान पराग आए हैं।

वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान रॉयल्स को अच्छी शुरुआत दिलाई है। सीएसके ने 128 रनों का लक्ष्य रखा है। राजस्थान ने तीन ओवर की समाप्ति तक बिना किसी नुकसान के 34 रन बनाए हैं।

चेन्नई ने राजस्थान के सामने 128 रनों का लक्ष्य रखा है। टीम ने 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 127 रन बनाए। उनके लिए जेमी ओवरटन ने सर्वाधिक 43 रनों की पारी खेली। वहीं, राजस्थान के लिए आर्चर, बर्गर और जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। इसके अलावा बृजेश, संदीप और बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली।

चेन्नई को आठवां झटका जोफ्रा आर्चर ने दिया। उन्होंने नूर अहमद को पवेलियन की राह दिखाई। अब जेमी ओवरटन और मैट हेनरी क्रीज पर मौजूद हैं। चेन्नई को सातवां विकेट गिरा। बृजेश शर्मा ने कार्तिक शर्मा को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 18 रन बना पाए। अब जेमी ओवरटन का साथ देने नूर अहमद आए हैं। 11 ओवर के बाद स्कोर सात विकेट पर 76 रन है।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

आईपीएल के इस सत्र में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं रिकेल्टन

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभी तक हुए मैचों में सबसे अधिक रनों के मामले में मुंबई इंडियंस के ओपनर रयान रिकेल्टन शीर्ष पर हैं। रिकेल्टन ने कोलकाता नाइट, राइडर्स के खिलाफ पहले ही मैच में 81 रन बनाये थे।वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच खिलाड़ियों में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। सूची में तीसरे नंबर पर भारत के रोहित शर्मा हैं। रोहित ने केकेआर के खिलाफ मुकाबले में 78 रन बनाये थे। वहीं विराट ने एसआरएच के खिलाफ 69 रनों की पारी खेली थी। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई के खिलाफ 67 रन बनाए थे और वह शीर्ष पांच में है। आईपीएल 2026 में 1 अप्रैल तक सभी टीमें एक-एक मैच खेल लेंगी। इसके बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के लिए संभावित सामने आयेंगे। वहीं 2 अप्रैल को केकेआर और सनराइजर्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच से खिलाड़ियों की दावेदारी ऑरेंज और पर्पल कैप के लिए पक्की होनी शुरु हो जाएगी।

300 मैच खेलने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फ्रेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले चैंपियंस लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेलें हैं। मुंबई इंडियंस की बात करें तो यह फ्रेंचाइजी आईपीएल इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी है। इससे पहले मुम्बई ने आईपीएल में पांच खिताब जीते थे। बाद में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने भी लीग में पांच खिताब जीते। एमआई ने आईपीएल में अब तक 278 मैच खेले हैं। इनमें से 152 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 122 मुकाबले हारी हैं। 4 मुकाबले टीम के टाई रहे हैं, जिनमें से दो मैचों में जीत मिली है और इतने ही मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी है पड़ा है।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ

ईशान छठवें स्थान पर आये

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं। इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये। ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़त रहे हैं। उन्होंने ने अब तक कुल 120 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 113 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 29.6 की औसत और 138.90 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 3078 रन बनाए हैं।

अब अमेरिका में मेजर लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई (ईएमएस)। दिग्गज पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्चिन अब अमेरिका में मेजर लीग (एमएलसी) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन ने इस लीग में खेलने के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स फ्रैंचाइजी से करार किया है। इसके साथ ही अश्विन अमेरिकी लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अश्विन ने दिसंबर 2024 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद पिछले साल वह आईपीएल में सीएसके की ओर से उतरे थे पर उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। ऐसे में लीग के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसी कारण अब वह विदेशी लीग की ओर मुड़े हैं। वह पहली बार आईपीएल के अलावा किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलते दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वह आईपीएल के अलावा किसी लीग में खेलते दिखेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था पर तब फिट नहीं होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे। ऐसे में टीम को अब उम्मीद रहेगी कि अश्विन के आने से उसे जीत मिलेगी। वहीं अश्विन भी इस लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस लीग से अमेरिका में क्रिकेट का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक प्रदर्शनी मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर मुझे आश्चर्य हुआ था। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल के प्रति प्यार दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं इस लीग में खेलने जा रहा हूं। साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट भी शामिल किया गया है। उससे भी अमेरिका में क्रिकेट के प्रति आकर्षण बढ़ा है। ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इसी को देखते हुए भी क्रिकेट अमेरिका इस अवसर को भुनाना चाहता है। इसी को देखते हुए एलएलसी के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे खिलाड़ी का हमारे साथ जुड़ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग कितनी आगे बढ़ी है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं। एमएलसी भारती की आईपीएल से भी जुड़ी है। इस लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक आईपीएल से जुड़े हैं। इसमें एमआई न्यूयॉर्क, मुम्बई इंडियंस , टेक्सास सुपर किंग्स ,सीएसके और एलए नाइट राइडर्स, केकेआर से जुड़ी है।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 31 सदस्यीय दल घोषित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए अगले माह 1 से 9 अप्रैल 2026 नेशनल कोचिंग कैंप आयोजित किया है। इस कैंप के लिए 31 सदस्यीय भारतीय दल का चयन किया गया है। इस कैंप के लिए गोलकीपिंग इकाई में सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम हैं। वहीं डिफेंस लाइनअप में निक्की प्रधान और उदिता जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को रखा गया है। इसके साथ ही इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी हैं, जो बैक में काफी गहराई देती हैं। मिडफील्ड में कैप्टन सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के और नेहा हैं। इनके साथ-साथ सुनीता टोप्पो और इशिका जैसे उभरते हुए टैलेंट का साथ मिला। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर शामिल हैं। इसके साथ ही दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम और संगीता कुमारी भी हैं। इस कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बेहतर बनाने, टीम संयोजन तैयार करने और रणनीतिक कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। टीम नए कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का इस साल व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। टीम जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेगी, इसके बाद अगस्त में महिला विश्व कप और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों में उतरेगी। यही कारण है कि इस कैंप का महत्व काफी अहम होगा।

कैंप के लिए भारतीय दलः गोलकीपरः सविता, माधुरी किंडो, बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी, डिफेंडरः निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता, शिल्पी डबास, मिडफील्डरः सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, इशिका, फॉरवर्डः दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम, लालरेमसियामी, मुमताज खान, संगीता कुमारी।

पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ करते पाये गये फखर जमां

शाहीन, हारिस और राउफ की भी जांच होने की संभावना

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की शुरुआत में ही विवाद हो गया है। सुपर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर हडकंप मचा हुआ है। इससे पाक क्रिकेट में व्याप्त बेइमानी की पोल एक बार फिर खुल गयी है। इस बार बल्लेबाज फखर जमां गेंद से छेड़छाड़ करते हुए पाये गये हैं जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मामले में फखर के अलावा कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, गेंदबाज हारिस राउफ और बल्लेबाज फखर जमां पर भी कार्रवाई होने की संभावनाएं हैं। गेंद से छेड़छाड़ का ये मामला पीएसएल के लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच का है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल का छठा लीग मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेला जा रहा था। इस मैच में कम रन बने थे पर अंतिम ओवर में गेंद से छेड़छाड़ शुरु हो गयी। इसमें शाहीन और राउफ के भी शामिल होने का संदेह है। फखर जब गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे तब कैमरे की नजरें उनपर बनीं थीं।

इस मैच में लाहौर कलंदर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे। इसी दौरान जब कप्तान शाहीन अंतिम ओवर फेंकने आए तब हारिस और फखर योजना बना रहे थे। इस दौरान एक खिलाड़ी पानी भी लेकर आया। इससे ऐसा लग रहा था कि वे अंतिम ओवर में मैच में हार से बचने की योजना बना रहे थे पर वास्तव में उनकी नजरें गेंद से छेड़छाड़ पर लगीं थीं। अंपायरों ने आसानी से इसे पकड़ा और मैच में ही 5 रन की पेनल्टी लाहौर की टीम पर लगा दी। वहीं मैच के बाद जब कप्तान शाहीन से पूछा गया तो वह साफ मुकर गये। रमीज राजा ने उनसे इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में नहीं पता और हम देखेंगे कि किस आधार पर आरोप लगाये जा रहे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने केकेआर के कप्तान रहाणे के बयान पर नाराजगी जतायी

ग्रीन गेंदबाजी नहीं करेंगे की बात पहले ही बता दी थी

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेल रहे ऑलरांडर कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के मामले को लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे पर निशाना साधा है। सीए का कहना है कि रहाणे झूठ बोल रहे हैं। साथ ही कहा है कि नीलामी के समय ही ये बात बता दी गयी थी कि ग्रीन पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में शुरुआती दो सप्ताह तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ये मामला तब उठा जब मुम्बई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में केकेआर की गेंदबाजी अच्छी नहीं होने के बाद भी ग्रीन ने एक भी ओवर नहीं किया जबकि केकेआर ने 25 करोड़ 20 लाख रुपये की बोली लगाकर ग्रीन को खरीदा था। ऐसे में ग्रीन को गेंदबाजी न देने से कई लोगों ने सवाल किये जिसपर रहाणे ने कहा कि ये बात वे सीए से ही पूछें। रहाणे के इसी बयान को लेकर सीए ने नाराजगी जतायी है। सीए का कहना है कि टेस्ट सत्र से उसे अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर कामकाज के बोझ को कम करना होता है। यही कारण है कि ग्रीन को उसने आईपीएल में गेंदबाजी की अनुमति नहीं है पर ये बात केकेआर को पहले ही बता दी गयी थी।सीए के एक अधिकारीन ने कहा कि कैमरन को कमर के निचले हिस्से में चोट लगी है, जिसका इलाज चल रहा है। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। गौरतलब है कि केकेआर को आंद्रे रसेल का विकल्प चाहिए था और उसने इसी कारण ग्रीन को शामिल किया पर पहले ही मैच में वह असफल रहे और 10 गेंदों में

लंदन में महिला सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई एस्टन विला और चेलेसा की खिलाड़ी।

फ्लोरिडा में मियामी ओपन टेनिस में फोरहैंड शॉट खेलते हुए इटली के जैनिक सिनर।

रोहित ने आईपीएल में विराट का एक रिकार्ड तोड़ा, एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाये

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने . आईपीएल के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेली अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही विराट कोहली का एक बड़ा रिकार्ड भी तोड़ दिया। रोहित ने 38 गेंद में 78 रन बनाये। इसी के साथ ही रोहित ने टी20 में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने मुंबई इंडियंस और डेक्कन चार्जर्स के लिए केकेआर के खिलाफ 36 आईपीएल मैचों में कुल 1161 रन बनाए हैं।

गौरतलब है कि अब तक विश्व का कोई भी बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में एक ही टीम के खिलाफ 1161 रनों से अधिक नहीं बना पाया है। वहीं विराट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 36 मैचों में कुल 1160 रन बनाए हैं। इससे अब विराट दूसरे स्थान पर फिसल गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 36 मैचों में 1159 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 32 मैचों में 1154 रन बनाए हैं।

रोहित ने केकेआर के खिलाफ सभी 36 मैच आईपीएल में ही खेले हैं। मुंबई इंडियंस के लिए 30 आईपीएल मैचों में उन्होंने 1045 रन बनाए हैं। वहीं डेक्कन चार्जर्स के लिए केकेआर के खिलाफ छह आईपीएल मैचों में 116 रन बनाये हैं। कोहली ने सीएसके के खिलाफ 36 टी20 मैचों में 1160 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल में उनके खिलाफ 35 मैचों में 1146 रन बनाए हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए सीएसके के खिलाफ एक चैंपियंस लीग टी20 मैच भी खेला था, जिसमें 14 रन बनाए थे। केकेआर के खिलाफ आईपीएल में 1161 रन बनाने के अलावा, रोहित ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी क्रिकेट लीग में 1057 रन बनाये हैं। मुंबई इंडियंस अपना दूसरा आईपीएल 2026 मैच शनिवार (4 अप्रैल) को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी, और उस मैच में रोहित के पास दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का अवसर रहेगा। अभी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे ज्यादा 1154 रन विराट ने बनाये हैं।

सैम करन बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।करन ने कहा कि इसी कारण एक बार उन्होंने गुस्से में कोच से पूछ लिया कि उन्हें टेस्ट टीम से इतने लंबे समय तक बाहर क्यों रखा गया। करन एक साल से अधिक समय तक सीमित ओवर टीम से भी बाहर रहे थे। करन ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है। मैं टीम से बाहर था और बस मैंने कोच से पूछा कि मुझे क्या करना है तब उन्होंने कहा कि जाओ कुछ रन बनाओ और कुछ विकेट लो।

फिलीपींस में एशियाई ट्रैक साइक्लिंग चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई महिला प्रतियोगी।

टेलर-कैटरीना ने जीता मियामी ओपन टेनिस का महिला युगल खिताब

मियामी (ईएमएस)। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड ने अपनी चेक गणराज्य की जोड़ीदार कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर मियामी ओपन टेनिस खिताब जीता लिया है। । टेलर और कैटरीना की जोड़ी ने महिला युगल के फाइनल में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से पराजित किया। इस जीत के साथ ही टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सनशाइन डबल पूरा किया है। टेलर और कैटरीना साल 2019 के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली जोड़ी बन गई हैं। इससे पहले साल साल 2019 में यह विशेष उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर और कैटरीना सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी है। इससे पहले नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा ने साल (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टाउनसेंड और सिनियाकोवा का ये पांचवां खिताब है। इससे पहले इन दोनो ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब 2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में हासिल किये थे। इस जीत के साथ ही टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच गयी हैं जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच गयी हैं।

जामताड़ा में एचपीवी टीकाकरणअभियान की शुरुआत, 8101 बच्चियों को मिलेगा सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा कवच

29 जून तक सदर अस्पताल समेत 9 स्वास्थ्य केंद्रों पर चलेगा अभियान; उपायुक्त रवि आनंद ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के दिए निर्देश

जामताड़ाः सदर अस्पताल, जामताड़ा से सोमवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद (भा.प्र.से.) ने सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उन्होंने इसे बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में अहम पहल बताया। उपायुक्त ने कहा कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव में अत्यंत प्रभावी है, इसलिए पात्र आयु वर्ग (14 वर्ष से अधिक एवं 15 वर्ष से कम) की सभी बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को इस टीके का लाभ दिलाएं, ताकि भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके। जिले में इस अभियान के तहत कुल 8101 चिन्हित बालिकाओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान आगामी 29 जून तक सदर अस्पताल के साथ-साथ 9 सीएचसी/पीएचसी केंद्रों पर संचालित होगा। सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि टीकाकरण से जुड़ी किसी भी प्रकार की भ्रांति को दूर करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही टीकाकरण से पहले और बाद में निर्धारित सावधानियों का पालन सुनिश्चित किया जाए। सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद मिश्रा ने बताया कि टीकाकरण के बाद बालिकाओं की पहचान के लिए बाएं हाथ की तर्जनी उंगली पर चिन्ह लगाया जाएगा, जिससे मॉनिटरिंग में सुविधा होगी। कार्यक्रम के दौरान मेडिकल टीम की देखरेख में पात्र बालिकाओं को टीका लगाया गया। इस मौके पर डीआरसीएचओ डॉ. निलेश कुमार, डॉ. दिनेश प्रसाद, डीपीएम प्रदीप कुमार महतो, वीसीसीएम अंतेश आनंद, एचएम उज्जवल कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित

नगर परिषद अध्यक्ष से फूलो झानो वेंडर मार्केट का नाम यथावत रखने की मांग

दुमका:छात्र समन्वय समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नगर परिषद दुमका के अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया को आवेदन देकर फूलो झानो वेंडर मार्केट का नाम यथावत रखने की मांग की है।इस आवेदन में कहा गया है कि विभिन्न समाचार पत्रों और सोशल मिडिया के माध्यम से यह पता चल रहा है कि दुमका नगर परिषद, दुमका बस स्टैंड के पास स्थित संताल हुल के स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगनी के सम्मान में बने फूलो झानो वेंडर मार्केट का नाम बदल कर दिसोम गुरूजी शिबू सोरेन वेंडर किया जा रहा है। जो कही से भी शोभनीय व उचित नहीं है। कहा गया है कि हम सभी स्वर्गीय दिसोम गुरु शिबू सोरेन का सम्मान करते है और करना भी चाहिय, क्योंकि अलग झारखण्ड राज्य के लिये उन्होंने अहम् भूमिका निभायी थी।स्वर्गीय शिबू सोरेन स्वयं संताल हुल के स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीद फूलो मुर्मू, झानो मुर्मू, सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चाँद मुर्मू, भैरो मुर्मू से प्रेरणा लेकर जल-जंगल-जमीन और झारखण्ड आन्दोलन किया था। वे इन शहीदों का सम्मान करते थे, वे इन्हें मार्ग दर्शक बताते थे। आज देश के शहीदों के सम्मान में बने फूलो झानो वेंडर मार्केट का नाम दुमका नगर परिषद द्वार बदलकर दिसोम गुरूजी शिबू सोरेन वेंडर करना कही से भी उचित और न्याय संगत नहीं है।नगर अध्यक्ष से निवेदनपूर्वक आग्रह किया गया है कि फूलो झानो वेंडर मार्केट का नाम नही बदला जाय, बल्कि उसमें मुर्मू शब्द को जोड़ा जाय ।

शिक्षा विभाग की बैठक में विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा

छात्र उपस्थिति में गिरावट पाए जाने पर सरैयाहाट, रामगढ़ एवं जरमुण्डी प्रखण्ड के संबंधित से स्पष्टीकरण

दुमका:उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, मौके पर उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित सभी संबंधित पदाधिकारी एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में शिक्षक उपस्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि ईवीवी आधारित 100 मीटर परिधि के भीतर बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज होने पर ही वेतन देय होगा तथा शून्य उपस्थिति वाले शिक्षकों से कारणपृच्छा की जाएगी। छात्र उपस्थिति में गिरावट पाए जाने पर सरैयाहाट, रामगढ़ एवं जरमुण्डी प्रखण्ड के संबंधित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया। निपुण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कमजोर विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण, बच्चों की नियमित कक्षाएं संचालित करने तथा मासिक मूल्यांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।ड्रॉपिंग रेट में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए सरैयाहाट, जामा एवं रामगढ़ प्रखण्डों में विशेष सुधारात्मक कदम उठाने को कहा गया। प्रखण्ड स्तरीय गुरुगोष्ठी में जिला स्तरीय पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा निपुण कार्यक्रम पर व्यापक प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया। पलाश कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन नहीं करने वाले विद्यालयों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया।साथ ही पीएम पोषण योजना के अंतर्गत विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता की निगरानी, जियो टैग फोटो अपलोड करने, जर्जर भवनों में किसी भी स्थिति में पढ़ाई या मध्याह्न भोजन नहीं कराने तथा तृतीय शनिवार को शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रखण्ड कार्यालय में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त स्पोकन इंग्लिश के लिए एक प्रभावी डिजाइन तैयार कर प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया।

407 वाहन का पिछला टायर बदलने के दौरान जग स्लीप करने से उप चालक घायल

दुमकाःगोविंदपुर-साहिबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना क्षेत्र के सेल्फी पहाड़ स्थित कारूड़ीह मोड़ के पास 407 वाहन का पिछला टायर बदलने के दौरान जग स्लीप करने से उपचालक घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक वाहन के पीछे का टायर ब्लास्ट होने पर चालक और उपचालक दोनों मिलकर ब्लास्ट टायर को खोलकर जग के द्वारा दूसरा टायर फिट करने का प्रयास कर रहे थे।अचानक जग स्लिप हो गया और उपचालक सूरज मंडल के दाहिने हाथ पर गिर गया, जिससे उपचालक का हाथ पूरी तरह से जख्मी हो गया।चालक नंदलाल मंडल, गोपीकांदर पुलिस प्रशासन के द्वारा घायल सूरज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टर हेमंत मुर्मू ने बताया कि दाया हाथ पूरी तरह से टूट गया है। बेहतर इलाज के लिए दुमका स्थित फूलो - झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। चालक नंदलाल मंडल ने बताया कि 407 पिकअप वेन में 119 पीस ईस्टमैन कंपनी की बैटरी लदी थी। रांची से बरहरवा ले जाने के दौरान गोपीकांदर थाना क्षेत्र के सेल्फी पहाड़ के पास यह घटना घटी।

दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या, एक महीने बाद भी आरोपी फरार, न्याय को भटक रहा परिवार

ग्रामीणों ने दो आरोपियों को पकड़कर सौंपा था पुलिस को, बाकी खुलेआम घूम रहे; केस उठाने की मिल रही धमकी

जामताड़ा। जामताड़ा थाना क्षेत्र के बीरगांव में दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के एक महीने बाद भी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। मृतका सायरा खातून के भाई, श्यामपुर निवासी रिजाउल अंसारी ने बताया कि उसकी बहन की शादी दो वर्ष पूर्व बीरगांव निवासी अब्दुल हमीद के साथ हुई थी।

शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग को लेकर सायरा को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, घटना से एक दिन पहले सायरा अपने मायके आई थी और कुछ पैसे लेकर ससुराल लौटी थी। आरोप है कि अगले ही दिन पति और ससुराल के अन्य सदस्यों ने मिलकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए मृतका के पति और उसके भाई को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

इस मामले में जामताड़ा थाने में कुल पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

पुलिस कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

घटना को एक महीना बीत जाने के बावजूद मुख्य आरोपी—सास, ससुर और भैसुर—अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि फरार आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और केस वापस लेने के लिए जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। रिजाउल अंसारी ने बताया कि उन्होंने 23 मार्च को पुलिस अधीक्षक (SP) और डीएसपी को लिखित आवेदन देकर सुरक्षा और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा की गुहार लगाई है।

धनबाद मंडल रेल कार्यालय में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रदान किया गया संरक्षा पुरस्कार

धनबाद, सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक , अखिलेश मिश्र द्वारा मंडल के 31 कर्मचारियों को जनवरी 2026 माह में उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया । इन कर्मचारियों ने धनबाद मंडल के विभिन्न खण्डों में रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल तथा अन्य संरक्षा संबंधी कार्यों का पता लगाया। जिससे रेल परिचालन में आने वाली समस्याओं, दुर्घटनाओं, असामान्यताओं को टला गया। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बाइक सवार अपराधियों ने जेवर कारोबारी से दी लूट की घटना को अंजाम 15 लाख के जेवरात समेत नगद लूटे

दहशत फैलाने के उद्देश्य से की हवाई फायरिंग, पुलिस ने किया फायरिंग से इंकार

गिरिडीह। जिले के हिरोडीह थाना क्षेत्र के जमखोखरो के आनंद पब्लिक स्कूल के पास बाइक सवार चार अज्ञात अपराधियों ने रविवार देर रात को ज्वेलरी व्यवसायी पर हमला कर करीब 15 लाखों के जेवर समेत नगर लूट कर चलते बने। इस दौरान अपराधियों ने कई राउंड फायरिंग भी की। बताया जाता है कि हिरोडीह थाना क्षेत्र के झालूडीह के रहने वाले पुनीत सोनार एवं प्रकाश सोनार कोदम्बरी स्थित अपनी दुकान वंदना ज्वेलर्स को बंद कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। इस दौरान जमखोखरो आनंद पब्लिक स्कूल के पास पहले से घात लगाकर मौजूद दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। अपराधियों ने पहले दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग की। जिसके बाद वे सीताराम सोनार के पास मौजूद लाखों रुपये के जेवर लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही खोरीमहुआ अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, जमुआ इंस्पेक्टर, हिरोडीह थाना प्रभारी, घोड्थम्भा ओपी प्रभारी, धनवार थाना प्रभारी दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, और मामले की जांच में जूट गई। हालांकि हीरोडीह थाना पुलिस ने फायरिंग की पुष्टि नहीं की है। वहीं एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने घटना की पुश्अि करते हुए कहा कि अपराधी जल पुलिस के गिरफ्त में होंगे। इस दौरान उन्होंने गोली चलने की बात से फिलहाल इंकार किया।

नए सत्र की तैयारी में जुटा सेंट एंथोनी विद्यालय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

शिरोमणि यादव

जामताड़ा । जामताड़ा शहर के प्रतिष्ठित सेंट एंथोनी विद्यालय में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026–27 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। नया सत्र 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होना है, जिसे लेकर विद्यालय प्रबंधन ने शैक्षणिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की। बैठक में विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी बोलने की क्षमता (स्पोकन इंग्लिश) को विकसित करने, विद्यालय में अनुशासन को मजबूत बनाने और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया।

इसके साथ ही नियमित कक्षा संचालन, समय पर पाठ्यक्रम पूरा करने, होमवर्क एवं नोटिस के सुव्यवस्थित संधारण और विद्यार्थियों की सतत प्रगति के मूल्यांकन को प्राथमिकता देने की बात कही गई। शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। विद्यालय के मुख्य संरक्षक डॉ. दुर्गादास भंडारी ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति उसके शिक्षकों की निष्ठा, अनुशासन और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी शिक्षकों से एकजुट होकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। निदेशक डॉ. चंचल भंडारी ने आधुनिक और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यार्थियों की रुचि और क्षमता के अनुरूप शिक्षण आवश्यक है। प्राचार्य लारेब खान ने अनुशासन, समयपालन और नियमितता को सफलता की कुंजी बताते हुए शिक्षकों को अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने की सलाह दी। बैठक में विजन-ई सेक्रेटरी अपर्णा भंडारी, नई शाखा के ब्रांच इंचार्ज नीरज तिवारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जेटेट में उर्दू हटाने पर बवाल, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप

सरकार से फैसले पर पुनर्विचार की मांग की मंत्री हफीजुल हसन से हस्तक्षेप की अपील : डॉक्टर अब्दुल मन्नान

जामताड़ा । झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) में क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से उर्दू को हटाए जाने के फैसले पर जामताड़ा में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस निर्णय को लेकर छात्र समुदाय और सामाजिक संगठनों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यक्रम के सदस्य डॉ. अब्दुल मन्नान अंसारी ने इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि हजारों उर्दू भाषी छात्र लंबे समय से इसी विषय के आधार पर परीक्षा की तैयारी कर रहे थे, ऐसे में अचानक उर्दू को हटाना उनके साथ अन्याय है। डॉ. अंसारी ने कहा कि यह निर्णय शिक्षा में समान अवसर के सिद्धांत के खिलाफ है और इससे अल्पसंख्यक समुदाय की भावनाएं भी आहत हुई हैं ।

उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री हफीजुल हसन से अपील करते हुए कहा कि परीक्षा से पहले इस फैसले में तत्काल संशोधन किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सरकार ने इस पर पुनर्विचार नहीं किया, तो यह मुद्दा और गंभीर रूप ले सकता है। उनका कहना है कि उर्दू भाषा को पुनः शामिल करना ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है। इस फैसले के बाद छात्रों और विभिन्न संगठनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अब सभी की नजर सरकार के अगले कदम पर टिकी हुई है।

दुमका में दर्दनाक सड़क हादसाः युवक की मौत, परिजनों का हंगामा, दुमका–पाकुड़ मार्ग जाम

दुमकाः नगर थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दुमका–पाकुड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।जानकारी के अनुसार, नगर थाना क्षेत्र स्थित वीर कुंवर सिंह चौक के पास बांस लदे एक वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गांधी नगर मोहल्ला निवासी राहुल दास के रूप में हुई है, जो एक कूरियर कंपनी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि राहुल की हाल ही में शादी हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है।मृतक के परिजनों ने पुलिस और अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब पुलिस राहुल को अस्पताल लेकर पहुंची, तब वह जीवित था, लेकिन समय पर उचित इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस घायल को अस्पताल छोड़कर चली गई और अस्पताल में भी इलाज में लापरवाही बरती गई।घटना से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने दुर्गास्थान चौक के पास दुमका–पाकुड़ मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों पर कार्रवाई व मुआवजे की मांग की।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। बाद में नगर परिषद अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया और अंचलाधिकारी अमर कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर शांत कराया। प्रशासन की ओर से मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता के रूप में 10 हजार रुपये का मुआवजा भी दिया गया।स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि पूरे मामले की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पशु सखी किट से ग्रामीण महिलाओं को नया संबल जामताड़ा में पशुपालन को मिलेगा बढ़ावा

वैज्ञानिक तरीके से बकरी-मुर्गी पालन को बढ़ावा; प्रशिक्षित पशु सखियां घर-घर देंगी पशु स्वास्थ्य सेवाएं

जामताड़ा। जामताड़ा प्रखंड सभागार में सोमवार को आशा संस्थान द्वारा पशु सखी किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी अबिश्वर मुर्मू ने चयनित पशु सखी दीदियों को किट प्रदान कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड टीम लीडर शबाना कासमी ने कहा कि चयनित पशु सखियां गांव-गांव जाकर पशुओं का प्राथमिक उपचार करेंगी और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि अब पारंपरिक पशुपालन को वैज्ञानिक पद्धति से जोड़कर आय बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशु सखियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जिसके तहत वे पशुओं का टीकाकरण, दवा उपलब्ध कराना, वजन मापन और स्वास्थ्य जांच जैसी सेवाएं घर-घर जाकर उपलब्ध कराएंगी। इससे ग्रामीण पशुपालकों को समय पर सुविधा मिलेगी और पशुधन विकास को नई गति मिलेगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी अबिश्वर मुर्मू ने इस योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और पशुपालन के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में प्रखंड समन्वयक, स्वयं सहायता समूहों की दीदियां एवं आशा संस्थान की टीम मौजूद रही। समापन पर सभी चयनित पशु सखियों को किट वितरित की गई और उन्हें अपने कार्य के प्रति समर्पित रहने का संकल्प दिलाया गया।

सीएमडी बीसीसीएल ने बस्ताकोला क्षेत्र की खदानों का किया निरीक्षण, उत्पादन वृद्धि और मॉनसून तैयारी पर दिया जोर

धनबाद । सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने आज बस्ताकोला क्षेत्र की विभिन्न खदानों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्पादन में वृद्धि, परिचालन दक्षता को सुदृढ़ करने तथा मॉनसून पूर्व तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री संजय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। अवसर पर कोयल भवन मुख्यालय से जीएम (कोऑर्डिनेशन), जीएम (एस्टेट), जीएम (ईएनएम), जीएम (सीएमसी), जीएम (सिविल इंडस्ट्रियल), एचओडी (पी एंड पी) तथा टीएस टू सीएमडी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बस्ताकोला क्षेत्र से जीएम (बस्ताकोला), क्षेत्रीय अधिकारी एवं ठेकेदार प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सीएमडी ने अपने दौरे की शुरुआत राजापुर ओसीपी से की, जहां उन्होंने वर्तमान में संचालित हायर किए गए एचईएमएम पैच के कार्यों की समीक्षा की तथा राजापुर हाईवॉल परियोजना के शीघ्र संचालन हेतु की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने खदान में जल निकासी (डीवाटरिंग) व्यवस्था की समीक्षा करते हुए इसकी निरंतर प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परियोजना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में 8000 गैलन प्रति मिनट की पंपिंग क्षमता स्थापित है, जो क्षेत्र में उपलब्ध जल प्रवाह के अनुरूप है।

मॉनसून को ध्यान में रखते हुए सीएमडी ने निर्देश दिया कि आपस में जुड़े हुए राजापुर एवं दोबारी सम्प (संग्रहित जल क्षेत्र) में उपलब्ध जल की समुचित मात्रा का आकलन किया जाए तथा समय रहते पर्याप्त क्षमता के पंप स्थापित कर प्रभावी डीवाटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चटकरी जोर से संभावित जल प्रवाह एवं पंप किए गए पानी के पुनः संचरण (री-सर्कुलेशन) की भी समुचित जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही, आसपास के जोर/नालों के डायवर्जन एवं लाइनिंग की संभावनाओं पर कार्य करने को कहा, ताकि खदान क्षेत्र में जल प्रवाह को नियंत्रित किया जा सके।

उत्पादन समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि वर्तमान हायर एचईएमएम पैच में लगभग 2 लाख टन कोयला शेष है, जबकि निकटवर्ती क्षेत्र में लगभग 5 लाख टन कोयले वाला एक अन्य संभावित पैच चिन्हित किया गया है, जो प्रक्रियाधीन भूमि में स्थित है। इस पर सीएमडी ने संबंधित मुद्दों के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने तथा अन्य संभावित पैचों की पहचान करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राजापुर ओसीपी के लीजहोल्ड क्षेत्र में लगभग 20 मिलियन टन कोयला अभी भी उपलब्ध है, जो भविष्य की उत्पादन संभावनाओं को सुदृढ़ करता है।

इसके पश्चात उन्होंने अमलगमेटेड बेर्रा-दोबारी-कुया-घनुडीह कोलियरी का निरीक्षण किया और परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न पैचों के माध्यम से 2.1 मिलियन टन कोयला उत्पादन की समुचित योजना तैयार की जाए।

सीएमडी ने बस्ताकोला कोलियरी के लीज क्षेत्र में स्थित गौशाला का भी निरीक्षण किया, जिसके कारण बस्ताकोला ओसीपी-II के संचालन पर प्रभाव पड़ रहा है तथा लगभग 2.5 मिलियन टन कोयले की उपलब्धता इससे जुड़ी हुई है। इस दौरान उन्होंने गौशाला प्रबंधन समिति के सदस्यों से सकारात्मक संवाद किया।

अधिकारियों ने बताया कि गौशाला के स्थानांतरण के उपरांत बस्ताकोला ओसीपी-II वित्तीय वर्ष 2026-27 में अपनी पूर्ण पर्यावरण स्वीकृत (ईसी) क्षमता 3.0 मिलियन टन प्राप्त कर सकता है, अन्यथा उत्पादन लगभग 2.5 मिलियन टन के स्तर पर रहेगा। स्थानांतरण की प्रगति की समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि बलियापुर के समीप एक वैकल्पिक भूमि चिन्हित की गई है, और स्थानांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएमडी ने बस्ताकोला प्रबंधन एवं गौशाला समिति को आपसी समन्वय एवं संवाद के माध्यम से शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कंपनी एवं स्थानीय हितों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए कार्य प्रगति को गति दी जा सके।

यह दौरा बीसीसीएल की उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करने, उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग तथा सुरक्षित एवं सतत खनन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल रहा।

हैप्पी स्ट्रीट में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को उप विकास आयुक्त ने किया सम्मानित

धनबाद , उप विकास आयुक्त , सन्नी राज ने हैप्पी स्ट्रीट के दौरान आयोजित ग्रुप डांस, स्किट, गायन व मिमिक्री प्रतियोगिता के विजेताओं को आज प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रशस्ति पत्र देने से पूर्व उप विकास आयुक्त ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी। साथ में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के टिप्स भी दिए। उप विकास आयुक्त ने मोहम्मद महताब आलम, पायल बनर्जी, राहुल कुमार मंडल, एकता सोलंकी, मुस्कान कुमारी, काजल कुमारी, आलिया सेन, जपजोत सिंह, सोमनाथ रवानी, शुभम कुमार झा, नवकुमार दत्ता श्रीजेश, शिवांगी श्रेया, दिया चटर्जी, अंकिता कुमारी, रिया कुमारी, जयंती मुखर्जी, स्वाति दीपा नाग, स्नेहा बिंद, जेबा परवीन, मोहम्मद इरशाद हुसैन तथा प्रज्ञा प्रसाद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त , सन्नी राज के साथ डीएमएफटी के अमर कुमार श्रीवास्तव, महिला पर्यवेक्षिका रानी सीमा भी मौजूद थी ।

बसपा की समीक्षा बैठक संपन्न

धनबाद, बहुजन समाज पार्टी, झारखंड के जोन-3 स्तरीय समीक्षा बैठक सोमवार को सर्किट हाउस धनबाद में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मुख्य जोन इंचार्ज सुबल दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य प्रभारी नर्मदा प्रसाद अहिरवार ने अपने मुख्य संबोधन में कहा कि खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड प्रदेश का बुनियादी विकास नहीं होना बहुत ही दुखद है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस झारखंड समेत पूरे देश में जाति धर्म का गलत राजनीति करके लोगों को आपस में लडाने का काम कर रही है । जो बहुत ही गलत है। धनबाद डीआरएम चौक पर भाजपा आरएसएस के द्वारा रामनवमी के दिन भगवा झंडा गाड़ने व बलियापुर में घटित घटना पर भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के द्वारा किए जा रहे स्वार्थ व पार्टी संकीर्ण नीति पर आधारित करवाई का विरोध किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपनों का भारत बनाने के लिए सिर्फ और सिर्फ बहुजन समाज पार्टी ही कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करके ही हर तरह की समस्या का समाधान संभव है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मुख्य जॉन इंचार्ज सुबल दास ने कहा कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉo भीमराव अंबेडकर की जयंती जॉन स्तरीय धनबाद में समारोह पूर्वक कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने संगठन विस्तार पर जोर देते हुए संगठन मजबूती का आह्वान किया।

बैठक का संचालन जॉन प्रभारी जयदेव मेहरा द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव, शिवकुमार दास, प्रदेश कोषाध्यक्ष, बलदेव दास, प्रदेश सचिव, गौतम कुमार, जॉन प्रभारी बाबूराम मांझी, जिला अध्यक्ष, अभय कुमार, गिरिडीह जिला अध्यक्ष, मुकेश कुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष, गणेश भारती, जिला महासचिव, मनोज दास, ईश्वर दास, राज किशोर, दीनदयाल, सत्येंद्र कुमार, परमेश्वर रविदास, जय श्री, शिरीष कुमार, सुभाष कुमार, बसीर अहमद, डॉक्टर प्रीति रानी, मनोहर सिंह, अजीत दास, दिनेश कुमार, राजीव कुमार, अजीत रविदास, शाहिद खान, अरुण कुमार दास, वीरेंद्र राम, सहतम राम, हीरालाल राम आदि मौजूद थे।

वार्ड 11 के पार्षद के निर्वाचन को दी गई चुनौती

तीसरा बच्चा होने की जानकारी छुपाने का लगा आरोप,चुनाव हारे प्रह्लाद ने मुकदमा किया दायर

धनबाद, वार्ड नंबर ग्यारह कुस्तौर के नवनिर्वाचित पार्षद बद्री रविदास की मुश्किल बढ़ गई है। दरअसल, नगर निकाय चुनाव में उनसे चुनाव हारे प्रह्लाद कुमार ने उन पर चुनावी शपथ पत्र में जानकारी छुपाने का आरोप लगाते हुए अदालत में मुकदमा दायर कर दिया है। प्रह्लाद ने अदालत से निवेदन किया है कि उसके निर्वाचन को अवैध घोषित किया जाए । प्रह्लाद की ओर से मुकदमा लड़ रहे धनबाद के वरीय अधिवक्ता बृजेंद्र प्रसाद सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि धनबाद के अवर न्यायाधीश के न्यायालय ने मुकदमे को सुनवाई के लिए स्वीकृत कर लिया है तथा पार्षद को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए अधिवक्ता, ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह एवं राजेश कुमार ने बताया कि झारखंड नगर निगम चुनाव नियमावली के उपबंधों के तहत हरेक उम्मीदवार को अपने नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र दायर करना था, जिसमें उन्हें आपराधिक मामले के अलावा यह भी बताना था कि उन्हें कितने बच्चे हैं।आरोप है कि चुनाव जीत चुके बद्री रविदास ने अपने शपथ पत्र में बताया कि उन्हें केवल दो बच्चे हैं, जबकि उनके तीन बच्चे हैं। तीसरे बच्चे का जन्म वर्ष 2018 में हुआ है । नियमावली के तहत यदि किसी प्रत्याशी को 9 फरवरी 2013 के बाद यदि तीसरे बच्चे का जन्म होगा तो वह चुनाव लड़ने के पात्र नहीं होंगे। प्रहलाद ने आरोप लगाया है कि बद्री रविदास के तीसरे बच्चे का जन्म 2018 में हुआ।इस कारण वह झारखंड नगर पालिका निर्वाचन एवं चुनाव याचिका नियमावली के धारा 19 के उपधारा (ड) के प्रावधान का उल्लंघन है। इस बाबत प्रहलाद की ओर से बच्चे का नगर निगम द्वारा जारी किया गया जन्म प्रमाण पत्र, आंगनबाड़ी सेविका का प्रतिवेदन और बच्चे का आधार कार्ड भी अदालत में दायर किया।अदालत ने प्रतिवादी बद्री रविदास के विरुद्ध नोटिस जारी करने का आदेश दिया है ।

झारखंड सरकार की विफलता, कानून व्यवस्था के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने किया उग्र प्रदर्शन

धनबाद , झारखंड सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था के विरोध में सोमवार को भाजपा धनबाद महानगर महिला मोर्चा एवं भाजपा ग्रामीण महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय रणधीर वर्मा चौक पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया । ज्ञात हो कि यह प्रदर्शन विष्णुगढ़ में 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी एवं निर्मम हत्या के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और फांसी जैसी कड़ी सजा की मांग को लेकर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष, श्रीमती विभा रानी सिंह ने की। जबकि संचालन जिला मंत्री श्रीमती रीता यादव ने किया। धरना के उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर सिंदरी से भाजपा प्रत्याशी रह चुकीं श्रीमती तारा देवी ने अपने वक्तव्य में कहा कि झारखंड में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है और सरकार पूरी तरह से मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि एक मासूम बच्ची के साथ इस प्रकार की अमानवीय घटना पूरे समाज को झकझोर देने वाली है, लेकिन सरकार की निष्क्रियता बेहद चिंताजनक है। उन्होंने दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोरतम सजा देने की मांग की। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष, श्रीमती विभा रानी सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पूरी तरह से भगवान भरोसे है। राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो भाजपा महिला मोर्चा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन को और तेज करेगी। जिलामंत्रीश्रीमतीरीतायादवनेअपनेसंबोधनमेंकहाकियहघटनामानवताकोशर्मसार करनेवालीहै। उन्होंनेकहाकि भाजपा महिला मोर्चाइस मामले में न्याय मिलने तक चुप नहीं बैठेगी और लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द सजा दिलाई जाए। धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं भाजपा के पदाधिकारी मौजूद थे 1 सभी ने एक स्वर में राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए न्याय की मांग की। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रमा सिन्हा, दीपा दास, भारती दुबे, श्वेता किन्नर, रीना साहू, काजल झा, मानस प्रसून, राजकिशोर जैना, शिवांश श्रीवास्तव, इंद्रभूषण कुशवाहा, जीत सोनी ,बोबी पाण्डेय सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

दुमका में सनसनीः तालाब से अज्ञात शव बरामद, हाथों में कैंची और डेंड्राइट मिलने से रहस्य गहराया

दुमका। शहर के खूंटा बांध तालाब से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर तालाब में तैरते शव पर पड़ी, जिसके बाद तुरंत नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी जगन्नाथ धान और सदर एसडीपीओ विजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मामले को और भी रहस्यमय बनाने वाली बात यह है कि मृतक के एक हाथ में कैंची और दूसरे हाथ में डेंड्राइट पाया गया। इस स्थिति ने घटना को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्महत्या का मामला है, दुर्घटना है या फिर किसी साजिश का परिणाम।शव से तेज दुर्गंध आने के कारण आशंका जताई जा रही है कि घटना कई दिन पुरानी हो सकती है। हालांकि, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

उप विकास आयुक्त ने किया एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ

14 वर्ष से अधिक और 15 वर्ष से कम आयु की 31000 बच्चियों को टीका लगाने का लक्ष्य

सदर अस्पताल और 8 सीएचसी में 29 जून तक निःशुल्क टीकाकरण

धनबाद , उप विकास आयुक्त , सन्नी राज ने सोमवार को सदर अस्पताल के नवनिर्मित एमएनसीयू में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस , एचपीवी, संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया।

अभियान का शुभारंभ करने के बाद उन्होंने बताया कि एचपीवी टीकाकरण एक 'कैंसर-निवारक' वैक्सीन है, जो वायरस के संक्रमण को होने से पहले ही रोकता है। इसमें जिले की 14 वर्ष से अधिक एवं 15 वर्ष से कम आयु की लगभग 31000 बच्चियों को टीका देने का लक्ष्य रखा गया है। सदर अस्पताल तथा सभी 8 सीएचसी में 29 जून तक निःशुल्क टीका लगाया जाएगा।

उन्होंने इस आयु वर्ग की बच्चियों के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण टीका है, जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाव करता है। यह वायरस सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है। टीका लगवाने के लिए यू-विन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना है। तत्पश्चात टीका लेने के लिए सदर अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आना है।

मौके पर सिविल सर्जन डॉo आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉo संजीव कुमार प्रसाद, डॉ, रोहित गौतम, डीपीएम श्रीमती प्रतिमा कुमारी व स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

सांसद ढुल्लू महतो द्वारा रेलवे विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री को भेजा विस्तृत पत्र

बोकारो को देशभर से जोड़ने की पहल, ईआर और अन्य जोनों के समन्वय से नई सेवाओं की मांग की

गोमो जंक्शन को मिलेगी बड़ी राहत सांसद ढुल्लू महतो ने 12 महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की उठाई मांग

बिहार-झारखंड कनेक्टिविटी को मिलेगा बल, ईसीआर के माध्यम से कई अहम सुझाव दिए गए

धनबाद। सांसद, ढुल्लू महतो ने क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर रेल कनेक्टिविटी एवं आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत पत्र प्रेषित किया है।

सांसद श्री महतो ने अपने पत्र के माध्यम से गोमो जंक्शन पर विभिन्न महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की जोरदार मांग की है। उन्होंने बताया कि गोमो एक प्रमुख रेल केंद्र होने के साथ-साथ औद्योगिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिससे लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन एवं रेलवे राजस्व में भी वृद्धि होगी। इसके अलावे उन्होंने दक्षिण-पूर्व रेलवे क्षेत्र में भोजुडीह,बैद्यनाथ धाम, चंदनकियारी, फुसरो नई रेल लाइन निर्माण का प्रस्ताव रखते हुए इसे क्षेत्र के लिए "लाइफलाइन" बताया। उन्होंने आगे यह परियोजना झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ते हुए धार्मिक पर्यटन, रोजगार एवं आर्थिक विकास को नई दिशा देगी।सांसद , महतो ने धनबाद जिले के विभिन्न रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर अंडरपास,ओवरब्रिज निर्माण की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि इन क्रॉसिंगों पर लगातार जाम की समस्या के कारण आम जनता, विद्यार्थियों एवं मरीजों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जो अत्यंत चिंताजनक है।इसी क्रम में उन्होंने बिहार-झारखंड रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने हेतु पूर्व मध्य रेलवे ईएसईआर के माध्यम से कई ठोस सुझाव दिए हैं। जिनमें ट्रेन विस्तार, नए ठहराव एवं विशेष ट्रेनों के नियमित संचालन का प्रस्ताव शामिल है।

साथ ही, महतो ने बोकारो क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पूर्व रेलवे ईआर ,एल एवं अन्य जोनों के समन्वय से ट्रेनों के परिचालन विस्तार एवं नई सेवाओं के संचालन की भी मांग रखी ।उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिलान्यासित पाथरडीह रेलवे फाटक संख्या-6 पर प्रस्तावित भूमिगत पुल निर्माण कार्य में हो रही देरी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इस परियोजना को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों का विकास रेलवे कनेक्टिविटी से सीधे जुड़ा हुआ है। इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन से क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री से अनुरोध किया कि जनहित एवं क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए इन सभी प्रस्तावों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

एसडीएम ने मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

बीएलओ को प्रतिदिन फिल्ड वेरिफिकेशन करने का दिया निर्देश

धनबाद । 40 धनबाद विधानसभा के ईआरओ सह अनुमंडल दंडाधिकारी , लोकेश बारंगे ने प्री एसआईआर 2026 के संदर्भ में युक्तिकरण के उपरांत प्रत्येक घरों में चिपकाएं जा रहे प्रतीकात्मक मकान नंबर के क्रम में मतदान केंद्र संख्या 166 एवं 180 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपरोक्त दोनों बूथ के बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को सभी आवश्यक निर्देश दिया। साथ में अधिक से अधिक मैपिंग, एएसडीडी सूची तैयार करने, मतदाताओं के ब्लैक एंड व्हाइट एवं अस्पष्ट फोटो को चिह्नित करते हुए उनका बीएलओ एप से रंगीन फोटो अपडेट करने, डेमोग्राफिक समान इंट्री का डेटा बीएलओ एप में जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा फॉर्म 6, 7 एवं 8 का प्रतिदिन फिल्ड वेरिफिकेशन करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक दंडाधिकारी , रविन्द्र नाथ ठाकुर, उपरोक्त बूथ के बीएलओ पर्यवेक्षक , सतीश कुमार राय, बीएलओ सबिता कुमारी एवं ज्योति कुमारी तथा निर्वाचन प्रभारी , बिनोद कुमार सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर , सजल मंडल भी उपस्थित थे ।

साइबर अपराध पर पुलिस का बड़ा कदम, तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र शुरू

एसएसपी , प्रभात कुमार ने किया प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन साइबर अपराध से निपटने को लेकर सख्त तैयारी

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में पुलिस पदाधिकारियों को सिखाए जा रहे आधुनिक साइबर जांच के तरीके

एपीके स्कैम के जरिए बढ़ते ठगी के मामलों पर विशेष फोकस

विशेषज्ञ ने बताया छोटी सी गलती से खाली हो सकता है पूरा बैंक अकाउंट

धनबाद, सोमवार को समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय में साइबर अपराध के बढ़ते खतरे को देखते हुए तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया गया। इस पहल का उद्देश्य पुलिस पदाधिकारियों को आधुनिक साइबर अपराध, उसके बदलते तौर-तरीकों और प्रभावी अनुसन्धान तकनीकों से लैस करना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन एसएसपी, प्रभात कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान ग्रामीण एसपी ,कपील चौधरी, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, डीएसपी साइबर संजीव कुमार, डीएसपी सुनील कुमार सिंह, डीएसपी प्रदीप कुमार समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे । प्रशिक्षण सत्र के पहले दिन दो पालियों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न थानों से बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। विशेषज्ञ प्रशिक्षक सुयश भारती ने साइबर अपराध की जटिलता, तकनीकी पहलुओं और जांच की बारीकियों पर विस्तार से जानकारी दी।

एपीके ,स्कैम क्या है और कैसे बन रहा है बड़ा खतरा : प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से एपीके स्कैम पर फोकस किया गया। अधिकारियों को बताया गया कि एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) एक प्रकार की फाइल होती है, जिसका उपयोग मोबाइल ऐप इंस्टॉल करने के लिए किया जाता है। साइबर अपराधी इसी का दुरुपयोग कर रहे हैं।अपराधी नकली ऐप बनाकर लोगों को व्हाट्सएप, एसएमएस या सोशल मीडिया के जरिए लिंक भेजते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति उस एपीके फाइल को डाउनलोड और इंस्टॉल करता है, उसका मोबाइल हैक हो सकता है। इन ऐप्स के जरिए अपराधी मोबाइल का पूरा कंट्रोल हासिल कर लेते हैं।

ओ.टी.पी, बैंकिंग डिटेल्स और पासवर्ड चुरा लेते हैंस्क्रीन रिकॉर्डिंग और की-लॉगिंग के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखते हैं।

कुछ मामलों में फोन को रिमोट से ऑपरेट कर बैंक अकाउंट तक खाली कर देते हैं

विशेषज्ञ ने बताया कि कई बार ये एपीके फाइलें "KYC अपडेट", "बैंक ऐप", "कूरियर सर्विस", "सरकारी योजना" या "लॉटरी जीतने" जैसे नामों से भेजी जाती हैं। जिससे लोग आसानी से झांसे में आ जाते हैं।

प्रशिक्षण में पुलिस पदाधिकारियों को यह भी सिखाया गया कि आम जनता को कैसे जागरूक किया जाए। लोगों को सलाह दी गई कि किसी भी अनजान लिंक से ऐप डाउनलोड न करें। केवल गूगल प्ले स्टोरया विश्वसनीय स्रोत से ही ऐप इंस्टॉल करें। मोबाइल में अज्ञात स्रोतों से इंस्टॉल करेंऑप्शन बंद रखें। किसी के साथ ओ.टी.पी या बैंक डिटेल्स साझा न करें। संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत बैंक और पुलिस को सूचना दें।

प्रशिक्षण के दौरान एपीके आधारित साइबर अपराधों के तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल साक्ष्य जुटाने और अपराधियों तक पहुंचने के तरीकों पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को बताया गया कि कैसे डिजिटल ट्रेल, IP एड्रेस, सर्वर लोकेशन और ट्रांजैक्शन डाटा के जरिए अपराधियों की पहचान की जा सकती है। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण से पुलिस बल को साइबर अपराध से निपटने में नई ताकत मिलेगी । साथ ही आम नागरिकों को भी सुरक्षित रखने में मदद भी मिलेगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।